वार्षिक रिपोर्ट

2002-03

राष्ट्रीय मानसिक विकलांग संस्थान

(सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार)

मनोविकास नगर, सिकंदराबाद - 500 009 आन्ध्रप्रदेश, भारत.

दूरभाष : 040-27751741 फेक्स : 040-27750198

ई.मेइल : dirnimh@hd2.vsnl.net.in वेबसाईट : www.dirnimhindia.org

मुखपृष्ठ :

महामहिम डॉ.ए.पी.जे.अब्दुल कलाम, भारत के राष्ट्रपति एन.आई.एम.एच. डी.डी.आर.सी. मदुरै को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया। डॉ.सत्यनारायण जटिया, माननीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री भी उपस्थित थे।

विषय-सूची

विषय		पृष्ठ सं.
अध्याय		
1.	संस्थान के बारे में	7
2.	लक्ष्य	9
3.	मानव संसाधन विकास	10
4.	अनुसंधान और विकास परियोजनाएँ	16
5.	राष्ट्रीय मानसिक विकलाँग संस्थान के प्रकाशन	20
6.	परामर्शी और तकनीकी समर्थन	21
7.	विस्तारण और अउटरीच कार्यक्रम	24
8.	सेवाएँ	27
9.	प्रलेखीकरण और प्रचार	37
10.	विशेष शिक्षा केन्द्र	40
11.	मानसिक रूप से त्रुटिपूर्ण बच्चों के लिए मॉडल स्कूल, नई दिल्ली	41
12.	समन्वित क्षेत्रीय केन्द्र, भोपाल	42
13.	रीढ़ की चोटों के लिए क्षेत्रीय पुनर्वास केंद्र, जबलपुर	44
14.	दौरे	45
15.	प्रशासन	48
अनुबंध		
I	डी.एस.ई.(एम.आर.) वार्षिक परीक्षा 2002-03 के परिणाम	74
II	वर्ष 2002-03 में आयोजित अल्पकालीन पाठ्यक्रम	76
III	वर्ष 2002-03 के दौरान आयोजित अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम	80
IV	वर्ष 2002-03 के दौरान आयोजित अउटरीच शिविर	82
V	पूरी की गई अनुसंधान परियोजनाएँ	91
परिशिष्ट		
ए	महापरिषद् के सदस्यों की सूची	93
बी	कार्यकारिणी परिषद् के सदस्यों की सूची	94
सी	शैक्षणिक समिति के सदस्यों की सूची	95
डी	एथिक्स समिति के सदस्यों की सूची	96

संकल्पना

देश के अन्य नागरिकों की तरह हर मानसिक मंद व्यक्ति के जीवन भी उतना ही विशेष है; इसमें वे संभवत: अत्यधिक मात्रा में स्वतंत्र जीवन बिताएँगे।

मिशन

विशेषज्ञों के निरंतर प्रयास द्वारा मानसिक मंद व्यक्तियों को वर्तमान आधुनिक पुनर्वास हस्तक्षेप जैसे, शैक्षिक, थिरैप्युटिक, व्यावसायिक, रोजगार, अवकाश काल तथा सामाजिक, खेल-कूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम और पूर्ण सहभागिता में अभिगम के लिए अधीकृत बनाना

मान्यता

एन.आई.एम.एच. मानसिक मंद व्यक्तियों के समान अवसर, अधिकारों की सुरक्षा तथा पूर्ण भागीदारी को मान्यता देती है। ग्राहक पर आधारित पुनर्वास कार्यक्रमों में विकलांग व्यक्ति, अभिभावक, व्यावसायिक, कर्मचारी तथा अन्य संबंधित व्यक्तियों के भागीदारी में एन.आई.एम.एच. विश्वास करता है।

राष्ट्रीय मानसिक विकलांग संस्थान

(सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार)

मनोविकासनगर, सिकिन्द्राबाद - 500 009. आँध्रप्रदेश, भारत,

तार : मनोविकास दूरभाष : 040-27751741

फैक्स : 040-27750198 ई-मेइल : dirnimh@hd2.vsnl.net.in वेबसैट : www.nimhindia.org

माननीय केन्द्र मंत्री डॉ.सत्यनारायण जटियाजी का 14.01.2003 को एन.आई.एम.एच. का दौरा

अध्याय - 1

1.0 संस्थान के बारे में

1.1 प्रस्तावना

संसार में जब से मनुष्य का प्रादुर्भाव हुआ है और उसने अपने समूह बनाना आरंभ किया है, तब से ही विकलांग व्यक्ति भी यहां रहे हैं । सभी प्रकार की विकलांगताओं में से मानसिक मन्दन अर्थात् बौद्धिक क्षति अन्य क्षतियों की तुलना में अधिक चुनौतियों को प्रस्तुत करता है । बौद्धिक मन्दन से ग्रस्त व्यक्तियों के मानसिक विकास की स्थिति अवरुद्ध हो जाती है या अपूर्ण विकसित होती है, जो बुद्धिमत्ता की उप-सामान्यता द्वारा विशेष रूप से चरित्र-चित्रित होती है और इस तरह उन व्यक्तियों द्वारा अपने जीवन में कुछ कार्यों को करने में अवरुद्धता पैदा करती है या योग्यता में कमी कर देती है । इस प्रकार की कमी का कारण संज्ञानात्मक, भावात्मक या व्यावहारीय प्रतिभा में विकलाँगता है ।

एन.एस.एस.ओ. की 1991 की रिपोर्ट के अनुसार सर्वेक्षणों से यह सूचित होता है कि जनसंख्या की 3% जनता मानसिक मन्दन सहित विकासीय विलंबों से ग्रस्त होती है । भारत में विकलाँगता पुनर्वास की कहानी तो बहुत पुरानी है परंतु उसका वैज्ञानिक इतिहास छोटा है । इन विकलाँगों के उद्धार और सुधार के लिए अनेकों व्यक्तियों और वर्गों ने कई प्रकार के उपायों का सूत्रपात किया है । लेकिन भारत में स्वतंत्रता के पश्चात् ही विकलाँग लोगों को संगठित रूप में पुनर्वास सेवाएँ प्रदान करने का काम एक आन्दोलन के रूप में शुरु हुआ है । फिर भी, दो दशाब्दियों पहले तक भी व्यावसायिक निवेशों, वैज्ञानिक सेवा प्रतिदर्शी, प्रशिक्षित मानवशक्ति आदि बहुत दूर और बहुत कम थे ।

व्यावसायिक ढंग से पुनर्वास सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित मानवशक्ति, भारतीय परिस्थितियों से मेल खाते सेवा नमूनों के विकास, पाठ्यक्रम का विकास, मानसिक मन्दन के बच्चों के लिए पढ़ने और सीखने की सामग्रियों की आवश्यकता महसूस की गयी थी । साथ ही मानसिक मन्दन के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास की आवश्यकता को दूसरी प्राथमिकता प्राप्त आवश्यकता के रूप में महसूस की गयी । इसलिए भारत सरकार ने संसाधनों के सृजन के लिए मानव संसाधन विकास, सेवा नमूनों के विकास, अनुसंधान तथा विकास को देश में ही करने व व्यावसायिकता की प्रोन्नति करने तथा साधनों के निर्माण में वैज्ञानिक आगमन व समर्थन-युक्त नीति आरंभ की है ।

तदनुसार, 22 फरवरी, 1984 को सामाजिक न्याय तथा अधिकारिता मंत्रालय के अधीन स्वायत्त संगठन के रूप में राष्ट्रीय मानसिक विकलाँग संस्थान की स्थापना की गयी ।

1.2 संगठनात्मक व्यवस्था

राष्ट्रीय मानसिक विकलाँग संस्थान का मुख्यालय सिकन्दराबाद में तथा क्षेत्रीय केन्द्र कोलकाता, मुंबई तथा नई दिल्ली में अवस्थित हैं । संस्थान ने जुलाई, 2000 में भोपाल में अपने सम्मिश्र क्षेत्रीय केन्द्र की स्थापना की । तत्कालीन समाज कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 1964 में नई दिल्ली में स्थापित मानसिक विकलाँग बच्चों के लिए मॉडल स्कूल को अगस्त, 1986 में राष्ट्रीय मानसिक विकलाँग संस्थान को सौंप दिया गया ।

1.3 विशेष उपलब्धियाँ / नये कार्यकलाप

संस्थान द्वारा 2002-03 के दौरान प्राप्त विशिष्ट उपलब्धियाँ / हाथ में लिये गये नये कार्यकलाप निम्नानुसार हैं।

- संस्थान द्वारा कार्यान्वित किये जा रहे जिला विकलाँग पुनर्वास केन्द्र, मदुरै ने सर्वोत्तम जिला विकलाँग पुनर्वास केन्द्र पुरस्कार जीता जिसे 2002-03 के दौरान भारत के राष्ट्रपति महामहिम डॉ. ए.पी.जे.अब्दुल कलाम के करकमलों द्वारा प्रदान किया गया ।
- डिप्लोमा इन एर्ली चैल्डहुड स्पेशल एजुकेशन
- वाक् चिकित्सा विज्ञान, भौतिक चिकित्सा, मनौवैज्ञानिक आकलन और व्यावसायिक प्रशिक्षण के चार क्षेत्रों में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम आरंभ किये गये ।
- प्रारंभिक मध्यस्थता पर मास्टर प्रशिक्षकों के कार्यक्रम आरंभ किये गये ।
- मध्याह्न सेवाएँ आरंभ कीं ।
- मानसिक मन्दन से ग्रस्त व्यक्तियों के व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए वर्कस्टेशनों को आरंभ किया ।
- मानसिक मन्दन से ग्रस्त व्यक्तियों के दृश्य प्रखरता के लिए संसाधन कक्ष आरंभ किया ।
- एन.आई.ओ.एस. परीक्षा के लिए खुली मौलिक शिक्षा शिक्षण के लिए संसाधन कक्ष आरंभ किया ।
- हैदराबाद तथा सिकन्दराबाद के अनागमित क्षेत्रों में मानसिक मन्द व्यक्तियों को सेवाएँ प्रदान करने के लिए मोबाइल सेवाएँ आरंभ कीं ।
- तीव्र मानसिक मन्दन ग्रस्त लोगों के लिए मनोरंजन - नामक विश्राम -कक्ष आरंभ किया ।
- भारत-संयुक्त राज्य अमेरिका रुपया निधि द्वारा आर्थिक सहायता प्राप्त दो अनुसंधान परियोजनाओं सहित 11 नयी अनुसंधान परियोजनाएँ आरंभ कीं ।
- आँध्र प्रदेश, तमिलनाडु व केरल राज्यों में सहायता अनुदानों तथा उपकरणों को प्रदान करते सम्मिश्र पुनर्वास कैंपों के संचालन द्वारा एडिप योजना को कार्यान्वित किया ।
- हाई स्कूल तथा महाविद्यालयों के छात्रों के लिए जागरूकता कार्यक्रमों का संचालन किया ।

खाने पकाने में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे बच्चे

अध्याय - 2

2.0 लक्ष्य

राष्ट्रीय मानसिक विकलाँग संस्थान के लक्ष्य निम्नानुसार हैं :-

- मानव संसाधन विकास
- अनुसंधान एवं विकास
- देखभाल करने तथा पुनर्वास के नमूनों का विकास
- स्वैच्छिक संगठनों को परामर्शी सेवाएँ प्रदान करना
- प्रलेखन तथा प्रचार
- विस्तारण और अभिआगमन कार्यक्रम ।

सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम की प्रशिक्षण कक्षा

अध्याय - 3

3.0 मानव संसाधन विकास

मानव संसाधन विकास की प्रोन्नति के लिए संस्थान 8 दीर्धावधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन करता है जैसे :- I) विशेष शिक्षा डिप्लोमा (मानसिक मन्दन) 2) व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं रोज़गार डिप्लोमा (मानसिक मन्दन) 3) प्रारंभिक बाल्यकालीन विशेष शिक्षण डिप्लोमा (मानसिक मन्दन) 4) पुनर्वास सेवाएँ - स्नातक उपाधि (मानसिक मन्दन) 5) शिक्षा स्नातक उपाधि, विशेष शिक्षा (मानसिक मन्दन) 6) शिक्षा स्नातक उपाधि, विशेष शिक्षा (दूरी मोड) 7) प्रारंभिक हस्तक्षेप में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, तथा 8) सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम

3.1 विशेष शिक्षण डिप्लोमा (मानसिक मन्दन)

इस एक वर्षीय कार्यक्रम का उद्देश्य विशेष शिक्षकों को विकसित करना है, जो मानसिक मंदन के व्यक्तियों के पुनर्वास के लिए स्क्रीनिंग, मूल्यांकन, शिक्षण व प्रशिक्षण प्रदान करने में सक्षम हों ।

प्रसंगाधीन वर्ष 2002-03 के दौरान देश भर के 50 सम्बद्ध केन्द्रों के 965 विशेष शिक्षकगण वार्षिक परीक्षा में बैठे, जिनमें से अनुबंध-I में दर्शाये गये अनुसार 927 उम्मीदवारों ने परीक्षा उत्तीर्ण की ।

3.2 व्यावसायिक प्रशिक्षण व रोज़गार डिप्लोमा (मानसिक मन्दन)

एक वर्ष की अवधि का यह व्यावसायिक प्रशिक्षण व रोज़गार डिप्लोमा (मानसिक मन्दन) मानसिक मन्दन के क्षेत्र में व्यावसायिक अनुदेशकों को तैयार करता है । फिलहाल यह कोर्स राष्ट्रीय मानसिक विकलाँग संस्थान, सिकन्दराबाद और नवज्योति ट्रस्ट, चेन्नै में राष्ट्रीय मानसिक विकलाँग संस्थान की आर्थिक सहायता से चलाया जा रहा है । वर्ष 2002-03 के गवर्नमेंट इन्स्टिट्यूट फर दि मेंटली रिटार्डेड चिल्ड्रन, चंडीगढ़ में भी यह कार्यक्रम चलाया । वर्ष 2002-03 के दौरान 40 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया गया जिनमें से 38 ने वार्षिक परीक्षा उत्तीर्ण की ।

3.3 प्रारंभिक बाल्यकालीन विशेष शिक्षा डिप्लोमा (मानसिक मन्दन)

प्रारंभिक बाल्यकालीन विशेष शिक्षा डिप्लोमा राष्ट्रीय मानसिक विकलाँग संस्थान, सिकन्दराबाद तथा विजय ह्यूमन सर्वीसेस, चेन्नै में पढ़ाया जा रहा है, जो 6 वर्षों से कम उम्र के बच्चों पर ध्यान केन्द्रीकरण करते हैं तथा लक्ष्य वर्ग की योग्यता के आधार पर प्रशिक्षण प्रदान करने विभिन्न उपाय तथा तरीके अपनाते हैं । यह प्रशिक्षण गृह आधारित, केन्द्र आधारित, नियमित प्राथमिक पाठशालाओं, अंगनवाड़ियों तथा बालवाड़ियों में स्थान प्रदान करके प्रदान किया जा सकता है। यह कार्यक्रम मानसिक मन्द बालक के परिवार के पास या घर जाकर या सैलानी शिक्षक बनकर, नियमित या विशेष प्री-स्कूलों में जाकर, विकलाँग बच्चों को संभालने उपयुक्त मानव संसाधन का प्रशिक्षण प्रदान करता है। प्रारंभिक बाल्यकालीन विशेष शिक्षक से यह भी अपेक्षा की जाती है कि वह नियमित स्कूलों में विकलाँग बच्चों को अधिक संख्या में शामिल करते हुए पाठ्यक्रम की अभिकल्पना और प्रबंधन के लिए बहु-क्षेत्रीय ज्ञाता सदस्य के रूप में काम करे। प्रसंगाधीन वर्ष के दौरान इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले तमाम 31 उम्मीदवारों ने परीक्षा उत्तीर्ण कर ली ।

3.4 पुनर्वास सेवाएँ - स्नातक उपाधि (मानसिक मन्दन)

यह चार वर्षों की अवधि का कार्यक्रम उस्मानिया विश्वविद्यालय से संबद्ध है जो मानसिक मंद व्यक्तियों को कुशाग्रबुद्धि सेवाएँ प्रदान करने में योग्य व्यावसायिकों को तैयार करता है । इस पाठ्यक्रम में न्यूरोबायोलोजी, मनोविज्ञान, विशेष शिक्षा, वाक् भाषा-चिकित्सा विज्ञान, भौतिक चिकित्सा-विज्ञान और पेशेवर चिकित्सा विज्ञान से संबंधित विषय शामिल किये गये हैं ।

3.5 शिक्षा स्नातक - विशेष शिक्षा (मानसिक मन्दन)

विभिन्न स्तरों पर विशेष शिक्षकों की आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए राष्ट्रीय मानसिक विकलाँग संस्थान, शिक्षा स्नातक - विशेष शिक्षा (मानसिक मन्दन) पाठ्यक्रम, जिसकी अवधि एक वर्ष की है और जो उस्मानिया विश्वविद्यालय से संबद्ध है, संचालित करता है । वर्ष 2002-03 के दौरान प्रविष्ट 19 उम्मीदवारों में से 17 ने परीक्षा उत्तीर्ण की ।

3.6 शिक्षा स्नातक - विशेष शिक्षा (दूरी - प्रणाली)

मध्य प्रदेश भोज विश्वविद्यालय, भोपाल और भारतीय पुनर्वास परिषद् , नई दिल्ली के सहयोग से क्षेत्रीय केन्द्र, नई दिल्ली में बी.एड विशेष शिक्षा (दूरी-प्रणाली) कार्यक्रम संचालित किया गया । कार्यक्रम का उद्देश्य विकलाँग व्यक्तियों को प्रभावी ढंग से शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रदान करने में व्यावसायिकों को विकसित करना है । वर्ष 2002-03 के दौरान देश के विभिन्न भागों से 40 विद्यार्थियों ने कार्यक्रम पूरा किया ।

3.7 प्रारंभिक मध्यस्थता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

विकासीय देरी वाले बच्चों में यदि इन कमियों की प्रारंभिक अवस्था में पहचान कर प्रारंभ में ही व्यावसायिक सेवाएँ प्रदान की जाएँ तो सार्थक सुधार परिलक्षित होंगे । ये सेवाएँ बाल विकास आचरणों, भौतिक चिकित्सा विज्ञान, व्यावसायिकी चिकित्सा-विज्ञान, वाक् चिकित्सा विज्ञान जैसे पार-अनुशासनिक प्रकृति को आवरित करती हैं । इस आवश्यकता की पूर्ति के लिए उस्मानिया विश्वविद्यालय से संबद्ध कर इस एक वर्षीय प्रारंभिक मध्यस्थता स्नातकोत्तर डिप्लोमा कोर्स वर्ष 2001-02 से आरंभ किया गया । वर्ष 2002-03 के दौरान पाठ्यक्रम में प्रविष्ट सभी 11 उम्मीदवारों ने फाइनल परीक्षा उत्तीर्ण कर ली ।

3.8 सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम

मानसिक मंद बच्चों के दिन-प्रतिदिन के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन करने जो विशेष शिक्षक होते हैं उनको चिकित्सा-विज्ञान पर गहन प्रशिक्षण प्रदान करने की आवश्यकता क्षेत्रों से प्राप्त पुनर्निवेशन ने सूचित किया है । यह विशेष शिक्षकों को अपनी सुयोग्य सेवाएँ प्रदान करने के लिए मजबूत दिशा प्रदान करती है, ताकि वे गुणतायुक्त सेवाएँ प्रदान कर सकें । तदनुसार, वर्ष 2002-03 से 4 से 8 सप्ताहों की अवधि वाले सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों की योजना बनायी गयी और जिन्हें आंशिक रूप से स्व-वित्तीयन के आधार पर, प्रति कार्यक्रम पर प्रति प्रशिक्षणार्थी 5000/- रुपये (पाँच हजार रुपये) शुल्क लेकर संचालित किया गया । वर्ष 2002-03 के दौरान ऐसे चार कार्यक्रम संचालित किये गये जिनके विवरण निम्नानुसार हैं :-

सारणी - I

वर्ष 2002-03 के दौरान संचालित सर्टिफिकेट कोर्सों के विवरण

क्र.सं.	कोर्स का नाम	तिथि	प्रतिभागियों की संख्या
1.	वाक् चिकित्सा-विज्ञान में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम	19 अगस्त से 11 अक्तूबर, 2002	17
2.	भौतिक चिकित्सा विज्ञान में पाठ्यक्रम	28 अक्तूबर से 20 दिसंबर, 2002 तक	26
3.	मनोविज्ञान मूल्यांकन में प्रमाणपत्र कोर्स	25 नवंबर से 24 दिसंबर, 2002 तक	13
4.	स्कूल से कार्य स्थल तक पारगमन सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम	6 - 31 जनवरी, 2003	12

व्यवहारिक कुशलताओं पर कार्यशाला

3.9 लघु - अवधि पाठ्यक्रम

ये लघु - अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम उन व्यावसायिकों और कार्मिकों के लिए सेवा के दौरान प्रशिक्षण की तरह आवश्यक रूप से अभिकल्पित हैं, जो मानसिक मंद लोगों के प्रशिक्षण की आवश्यकता पूरी करने के लिए पुनर्वास के क्षेत्र में कार्य करते हैं ।

वर्ष 2002-03 के दौरान संस्थान ने 15,742 हिताधिकारियों को आवरित करते हुए 251 लघु-अवधि कार्यक्रम संचालित किये, जिनके विवरण अनुबंध- I में दिये गये हैं ।

3.10. महाविद्यालय तथा हाई स्कूल के विद्यार्थियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम

यह सर्वमान्य तथ्य है कि यदि युवा मनों में जागरूकता पैदा की जाए तो विकलाँगता और पुनर्वास को समझने में उनपर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और युवा वर्ग विकलाँग व्यक्तियों के साथ सहानुभूति जता सकेंगे । इसका समाज पर दीर्घकालीन प्रभाव पड़ेगा । अत:, 2002-03 के दौरान कालेज तथा हाई स्कूल के विद्यार्थियों में जागरूकता सृजित करने के लिए एक कार्यक्रम बनाया गया, जिसमें शिक्षक वर्ग की भी प्रतिभागिता रही है । पुनर्निवेशन ने संकेत दिया है कि विकलाँगता और पुनर्वास के प्रति युवाओं के मन में सकारात्मक विचारधारा पैदा की गयी है । वर्ष के दौरान 21,099 स्कूली तथा कालेज के विद्यार्थियों को आवरित करते 137 कार्यक्रम संचालित किये गये ।

3.11 विकलाँग व्यक्तियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

3.11.1 विकलाँग व्यक्तियों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण

जिला विकलाँग पुनर्वास केन्द्रों में विकलाँगतावाले 5,898 व्यक्तियों के लिए कुल 86 प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किये गये । ये कार्यक्रम प्राथमिक रूप से व्यावसायिक कौशलो को सिखाने और सामाजिक एकता के लिए संचालित किये गये थे ।

3.12 राष्ट्रीय / क्षेत्रीय / राज्य स्तर के कार्यक्रम

3.12.1 अभिभावक संगठनों की राष्ट्रीय गोष्ठी

मानसिक मंद व्यक्तियों के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए जनकों को अधिकारिता प्रदान करना आवश्यक है । इस उद्देश्य को दृष्टिगत रखते हुए राष्ट्रीय मानसिक विकलाँग संस्थान नियमित रूप से अभिभावक संगठनों की राष्ट्रीय गोष्ठियाँ आयोजित करता रहा है । 16-17 नवंबर, 2002 को कर्नाटक मानसिक मन्द नागरिक जनक संघ के सहयोग से एक राष्ट्रीय गोष्ठी आयोजित की गयी जिसमें 78 पंजीकृत अभिभावक संगठनों का प्रतिनिधित्व करते हुए 200 जनक सदस्यों ने भाग लिया । गोष्ठी के दौरान चर्चित विषय (क) सहोदरों की भूमिका (ख) आत्मविमोह (ग) प्रचार माध्यम और विकलाँगताएँ (घ) चिकित्साशास्त्रीय अभिवृद्धियाँ और (ङ) राष्ट्रीय न्यास, थे ।

3.12.2 मानसिक मन्दता पर राष्ट्रीय सम्मेलन

राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन पुनर्वास व्यावसायिकों को सूचना का आदान-प्रदान करने के लिए एक सामूहिक मंच प्रदान करता है । इस वर्ष 16वाँ वार्षिक सम्मेलन मानसिक विकलाँग कल्याण संघ, कालिकट के सहयोग से 29-31 दिसंबर, 2002 तक मनाया गया । कार्यक्रम में 400 प्रतिभागियों ने भाग लिया । वार्षिक सम्मेलन में चर्चा के विषय थे (क) क्लाइंटों की संतुष्टि (ख) व्यावसायिक प्रशिक्षण और रोज़गार प्रदान और (ग) समुदाय आधारित पुनर्वास मॉडल ।

राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान निदेशक, एन.आई.एम.एच. डॉ.एल.गोविन्द राव, द्वारा मुख्य भाषण

राष्ट्रीय सम्मेलन के प्रतिभागी

विशिष्ट कर्मचारियों के व्यावसायिक कुशलताओं का प्रदर्शन का आवलोकन कर रहे श्रीमति मिन्नि मैथ्यु, मुख्य सचिव एवं श्री आर.सुन्दरवदन, आयुक्त, विकलांग कल्याण, आँध्र प्रदेश सरकार

3.12.3 विशिष्ट कर्मचारियों की राष्ट्रीय गोष्ठी

21-22 नवंबर, 2002 के दौरान सिकन्दराबाद में विशिष्ट कर्मचारियों की आठवीं राष्ट्रीय गोष्ठी आयोजित की गयी जिसमें भारत के 16 राज्यों से 75 मार्गरक्षियों सहित 75 विशिष्ट कर्मचारियों ने भाग लिया । इन कर्मचारियों को अपने-अपने व्यावसायिक प्रशिक्षण सहित उत्पादन केन्द्रों में उनके मूल्यांकन के आधार पर सर्वश्रेष्ठ कर्मचारियों की तरह चयन किया गया था । जनता में जागरूकता पैदा करने तथा संभाव्य नियोक्ताओं को सुग्राही बनाने के लिए, उन्होंने उत्पादक रोज़गार का लाभ उठाने अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया ।

3.12.4 विकलाँगों के लिए विश्व दिवस

3 दिसंबर, 2002 को विकलाँग विश्व दिवस के अवसर पर संस्थान में आँध्र प्रदेश राज्य के विकलाँग कल्याण विभाग के सहयोग से सप्ताह भर समारोह मनाये ।

प्रदर्शन के दौरान प्रतिभागियों के साथ परस्पर क्रिया कर रहीं माननीय श्रीमति हरिप्रिया रंगराजन, महिला राज्यपाल

- विकलाँगताओं की रोकथाम प्रारंभिक अभिज्ञान, पहचान और मध्यस्थता पर कार्यशाला चलायी गयी जिसका उद्घाटन 03.12.2002 को आँध्र प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री द्वारा किया गया ।

- विकलाँग व्यक्तियों, जनकों, व्यावसायिकों, गैर सरकारी संगठनों द्वारा एक जागरूकता रैली का शुभारंभ आँध्र प्रदेश के महामहिम राज्यपाल द्वारा 03.12.2002 किया गया ।

- उप-परियोजना वेलुगु की परामर्शीय प्रक्रिया पर गैर सरकारी संगठनों के साथ एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन दिनांक 04.12.2002 को आन्ध्र प्रदेश सरकार के जनजाति कल्याण एवं विकलाँग कल्याण मंत्री महोदय द्वारा किया गया ।

- 9 दिसंबर, 2002 को एनटीआर स्टेडियम, हैदराबाद में कार्निवाल सहित नगरद्वय के विभिन्न गैर सरकारी संगठनों के विभिन्न व्यावसायिक उत्पादों की प्रदर्शनी, मानसिक मन्द व्यक्तियों द्वारा व्यावसायिक कौशलों का प्रदर्शन, मानसिक मंद व्यक्तियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । इस कार्निवाल में 48 गैर सरकारी संगठनों ने भाग लिया ।

श्रीमति मणि कुमारी, विकलांग कल्याण मंत्री महोदया, आँध्रप्रदेश राज्य द्वारा वेलुगु प्रलेख का विमोचन

3.13 अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम

इस कार्यक्रम को चलाने का उद्देश्य उनके अपने बच्चों की देखभाल, प्रबंधन और प्रशिक्षण में उनकी प्रतिभागिता देना, जनकों के बीच अपने समर्थन को प्रोत्साहित करते, मन में उपजे विचारों तथा सूचनाओं का आदान-प्रदान करवाना है । प्रसंगाधीन वर्ष के दौरान 3,434 जनकों को लाभान्वित करते हुए कुल 117 जनक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयोजित किया गया । वर्ष के दौरान आयोजित किये गये कार्यक्रमों के विवरण अनुबंध-।।। में दिये गये हैं ।

अध्याय - 4

4.0 अनुसंधान और विकास परियोजनाएँ

राष्ट्रीय मानसिक विकलाँग संस्थान ने यू.एस.इंडिया रुपया निधि, यूएनआईसीईएफ, यूएनडीपी, आईसीएसएसआर, एसएंडटी मिशन मोड के सहयोग से अनुसंधान परियोजनाओं का कार्य अपने हाथों में लिया है । अब तक 36 अनुसंधान परियोजनाओं को पूरा किया गया है जिन्हें अनुबंध-V में दर्शाया गया है ।

4.1 पूरी की गयी अनुसंधान परियोजनाएँ

वर्ष 2002-03 के दौरान निम्नलिखित परियोजनाएँ पूरी की गयीं ।

1. फैमिली इन्टरवेन्शन एन्ड सपोर्ट प्रोग्राम्स फर पर्सन्स वित मेंटल रिटार्डेशन - यु.एस.इन्डिया रूपी फंड
2. इन्डिपेंडेंट ड्रेसिंग फर पर्सन्स विद मेंटल रिटार्डेशन
3. ए स्टडी आफ ह्युमन रिसोर्स डेवलपमेंट इन नार्थ ईस्ट रीजन इन द फील्ड आफ मेंटल रिटार्डेशन
4. प्रिपरेशन आफ लो कास्ट स्टिम्युलेशन मेटीरियल फार ओवराल डेवलपमेंट आफ रूरल इन्फैन्ट्स एन्ड टाडलर्स्
5. एडैप्टेशन इन गेइट ट्रेनिंग
6. एडैप्टेशन्स फार ट्रैनिंग चिल्ड्रन वित मेंटल रिटार्डेशन फर इन्डिपेंडेंट लिविंग
7. डेवलपमेंट आफ टीचिंग एन्ड ट्रैनिन्ग मेटीरियल आन फिजियोथिरेपी
8. ड्रूल कन्ट्रोल एन्ड टंग थ्रस्ट थिरेपी
9. एवेरनेस मेटीरियल आन एम्प्लायमेंट आफ पर्सन्स वित मेंटल रिटार्डेशन
10. पोजिशनिंग एन्ड स्टिम्युलेटिंग एक्टिविटीज फार इन्फैन्ट्स् एन्ड यंग चिल्ड्रन

4.2 चालू अनुसंधान परियोजनाएँ

नीचे दिये गये विवरणों के अनुसार वर्तमान समय में 14 चालू अनुसंधान परियोजनाएँ मौजूद हैं :

4.2.1 मानसिक मंदन से पीड़ित व्यक्तियों में दृश्य विकलाँगता अभिज्ञान का अंश :

मानसिक मंदन से पीड़ित व्यक्तियों में दृश्य विकलाँगता का सही आकलन उनकी अन्तर्निहित शक्तियों में सर्वश्रेष्ठ को उजागर करने में अवश्य योगदान देगा । मानसिक मंद व्यक्तियों में दृश्य विकलाँगता के अंश का मापन करने के लिए प्रणालीबद्ध अध्ययन आयोजित किया जाता है ताकि यह उनकी दृश्य विकलाँगता की मात्रा का उचित आकलन करने में मार्गदर्शन प्रदान करने के साथ-साथ बेहतर प्रबंधन कार्यक्रम भी प्रदान करे ।

4.2.2 विकलाँगता के क्षेत्र से जुड़े संगठनों के कार्यों और उनके द्वारा निधियों के उपयोग के आकलन के लिए विकास साधन

भारत में विकलाँगता से पीड़ित व्यक्तियों के लिए बने विधानों तथा समर्थन-युक्त नीतियों के प्रादुर्भाव से उन्हें दी जाने वाली सेवाएँ गति पकड़ रही हैं । सेवा प्रदान करनेवालों में अधिकांश गैर सरकारी संगठन हैं, जिनके भिन्न-भिन्न उद्देश्य एवं भिन्न-भिन्न संरचनात्मक सुविधाएँ हैं । एक समान ढंग से उनके कार्यों का मूल्यांकन करने उचित क्रियाविधि को विकसित करना अभी बाकी है । इस अध्ययन का उद्देश्य ऐसे उपायों को विकसित करना है, जिनका इन गैर सरकारी संगठनों की सेवाओं और कार्य विधियों की मानकताओं के मूल्यांकन के लिए उपयोग किया जा सकता हो ।

4.2.3 गंभीर मानसिक मंदन से पीड़ित विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक कार्यक्रम बनाना

परियोजना का आरंभ, गंभीर मानसिक मंदन से पीड़ित व्यक्तियों को पढ़ाने के पाठ्यक्रम तथा मध्यस्थता कौशलों को विकसित करने के उद्देश्य से किया गया है । इन बच्चों में मिर्गी और भौतिक विकलाँगताओं से जुड़ी समस्याएँ होंगी, जो कमजोर पूर्वानुमान का योगदान करते हैं । अनुसंधान अध्ययनों से पता चला है कि सतर्क अवधियों के दौरान की गयी मध्यस्थता ने गंभीर मानसिक मंद लोगों में कौशलों को हासिल करने की दिशा में सकारात्मक प्रभाव सूचित किया है । उपर्युक्त अनुसंधान अध्ययनों के आधार पर मौजूदा परियोजना आरंभ की गयी है ।

4.2.4 विकलाँगता बच्चों को सहारा - यूएनडीपी परियोजना

यह यूएनडीपी द्वारा आर्थिक सहायता प्राप्त परियोजना है जो किसी भी सीमा तक बच्चे की विकलाँगता को हिसाब में लिये बिना और बिना किसी विकलाँग को छोड़े तमाम बच्चों को शिक्षा के नमूनों का प्रयोग करने के लिए है ।

राष्ट्रीय मानसिक विकलाँग संस्थान ने उत्तर प्रदेश और कर्नाटक की परियोजनाओं को तकनीकी मार्गदर्शन और मानव संसाधन विकास समर्थन प्रदान किया । इन राज्यों को मुद्रण और शिक्षण सामग्रियाँ प्रदान की गयीं । इसके अलावा, राष्ट्रीय मानसिक विकलाँग संस्थान ने निम्न विषयों के अध्ययन का कार्य भी अपने हाथों में लिया है :

(क) विकलाँग बच्चों के शिक्षा की स्थिति
(ख) विकलाँग लड़कियों की स्थिति
(ग) विकलाँग बच्चों की शिक्षा में अनुसंधान का सार
(घ) विकलाँग बच्चों की शिक्षा में संतुष्ट विशिष्ट रिवाज़

तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करने के अलावा, राष्ट्रीय मानसिक विकलाँग संस्थान ने परियोजना के प्रलेखन की बाध्यता ली है तथा मौजूदा कार्यक्रमों पर डेटाबेस का सृजन किया है ।

4.2.5 मानसिक मंदन से पीड़ित व्यक्तियों के लिए प्रविलम्बन देखभाल

यह परियोजना, मानसिक मंदन से पीड़ित बच्चों के परिवारों और जनकों को प्रविलम्बन प्रदान करने के लिए प्रतिदर्श की स्थापना करने का उद्देश्य रखती है । परियोजना के अंतर्गत प्रविलम्बन देखभाल केन्द्र, नवंबर, 2002 से हैदराबाद में आरंभ किया गया । ग्रामीण व्यवस्था में एक और केन्द्र की स्थापना के प्रयास किये जा रहे हैं । केन्द्र की स्थापना के छह महीने बाद, केन्द्र के कार्य की समीक्षा करने और तरमीमें लागू करने के लिए जनकों से फीडबैक एकत्र किया जाएगा ।

4.2.6 दृष्टि से क्षतिग्रस्त शिशुओं और बच्चों के लिए प्रेरण क्रियाकलापों का विकास

दृष्टि से क्षतिग्रस्त शिशु की सहायता करने के लिए प्रेरण एक आवश्यक घटक बन जाता है । प्रेरण क्रियाकलाप बच्चे के सकल मोटर विकास, हाथ के कार्य का विकास, अवशिष्ट, दृश्य व श्रव्य विकास और अन्य संवेदी विकास और वाक् तथा भाषा के विकास के कार्यकलापों की आवश्यकता की आपूर्ति करता है । दृष्टि से क्षतिग्रस्त शिशुओं के लिए प्रेरण पैकेज का विकास करने मौजूदा परियोजना आरंभ की गयी ।

4.2.7 0 - 3 वर्षों की आयु के बच्चों के लिए मध्यस्थता के लिए उत्तर पूर्वी क्षेत्र में देशज प्रथाओं का अध्ययन

उत्तर पूर्वी क्षेत्र में शिशु पालन की प्रथाओं को जानने और सकारात्मक प्रथाओं से निहित मध्यस्थता का माड्यूल विकसित करने तथा 0-3 वर्ष के बीच की आयु के बच्चों के प्रशिक्षण के लिए नकारात्मक प्रथाओं को सुधारने के लिए यह परियोजना शुरू की गयी ।

4.2.8 ग्रामीण क्षेत्रों में विकलाँगताओं वाले शिशुओं तथा बच्चों की प्रारंभिक मध्यस्थता

यह परियोजना यू.एस-भारत रुपया निधि की आर्थिक सहायता से ग्रामीण क्षेत्रों के शिशुओं और बच्चों की आवश्यकताओं की विशिष्ट रूप से मध्यस्थता पैकेज विकसित करने और मास्टर प्रशिक्षकों के लिए मैन्युअल विकसित करने के लिए है, जो व्यावसायिकों को ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाएँ प्रदान करने के लिए हैं ।

4.2.9 लार नियंत्रण और जीभ दबाने का चिकित्सा-विज्ञान

लार टपकने को नियंत्रित करने के अत्यधिक प्रभावी चिकित्सीय तकनीकों को विकसित करने के उद्देश्य से यह परियोजना आरंभ की गयी । इस प्रकार एकत्रित सामग्री का आकलन किया जा रहा है ।

4.2.10 लोकोमोटर कार्य तथा कौशलों को सुधारने अनुकूली साधनों का विकास

यह परियोजना मानसिक मंदन पीड़ित लोगों के उपयोग के लिए तीन साधनों को विकसित करने आरंभ की गयी -

(क) सिर और गर्दन के नियंत्रण को सुविधा प्रदान करने सर्विकल कालर
(ख) वाकर जो चलने में सुविधा प्रदान करे
(ग) लार टपकाने को नियंत्रित करने होंठ संवेदक / लिप सेंसर ।

4.2.11 शैक्षिक विषयों को सीखने की समस्याओं से पीड़ित विद्यार्थियों के लिए संसाधन शिक्षा कार्यक्रमों का विकास

मौजूदा शिक्षा प्रणाली का अध्ययन करने और सीखने की समस्या वाले बच्चों को पढ़ाने में प्राथमिक स्कूल के शिक्षकों द्वारा सामना की जाने वाली कठिनाइयों के आँकड़े एकत्रित करने तथा नियमित स्कूलों में सीखने की समस्याओं से ग्रस्त बच्चों को पढ़ाने के लिए उपचारी पैकेज विकसित करने के लिए यह परियोजना आरंभ की गयी है ।

4.2.12 मानसिक मंदन और आटीजम वाले बच्चों के लिए सेवा प्रतिमान

उपयुक्त प्रशिक्षण प्रतिमानों की खोज करने तथा आटीजम वाले बच्चों की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने व विशेष स्कूलों में अध्यापकों द्वारा उपयोग में लायी जाने वाली संसाधन सामग्रियों के विकास के लिए यह परियोजना आरंभ की गयी है ।

4.2.13 मानसिक मंदन और बहु-संवेदी क्षतियों से ग्रस्त बच्चों के लिए सेवा प्रतिमान

समुचित सेवा प्रतिमानों सहित शिक्षा व्यवस्था, पद्धतियों, सामग्रियों और शिक्षक तैयार करने के विषयों व मौजूदा शिक्षा व्यवस्था में मानसिक मंदन और बहु-संवेदी क्षतियों से ग्रस्त बच्चों को शामिल करने योग्य विषयों के विकास के उद्देश्य से यह परियोजना आरंभ की गयी ।

4.2.14 मानसिक मंदन से पीड़ित व्यक्तियों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण पर मैन्युअल का विकास

मानसिक मंदन से पीड़ित व्यक्तियों को विभिन्न कार्यकलापों में प्रशिक्षित करने के साथ-साथ मानसिक मंदन से पीड़ित व्यक्तियों को कार्य करने के लिए सुविधाजनक कार्य पर्यावरण में आवश्यक अनुकूलनों / पुनर्संरचनाओं के लिए मैन्युअल का विकास करने यह परियोजना आरंभ की गयी ।

4.3 संयुक्त राज्य अमेरिका के दल का संस्थान में आगमन और संस्थान के संकाय सदस्यों का संयुक्त राज्य अमेरिका का दौरा

एन.आई.डी.आर.आर, सं.रा.अमेरिका के चार सदस्यों डॉ. राबर्ट जेगर, डॉ. पॉल आकरमैन, डॉ. थेरेसा हैमलीन और श्री हैरी टेडर के एक दल ने 9-10 अप्रैल, 2002 को राष्ट्रीय मानसिक विकलाँग संस्थान का दौरा किया । दल ने संस्थान के विभिन्न क्रियाकलापों को देखा और कहा कि संस्थान के पास मानसिक मंद लोगों को व्यापक सेवाएँ प्रदान करने की पर्याप्त सुविधाएँ उपलब्ध हैं । संस्थान द्वारा चलाये जा रहे अनुसंधान तथा विकास कार्यक्रमों तथा मानव संसाधन विकास कार्यक्रमों की उन्होंने प्रशंसा की । आपसी लाभ के लिए राष्ट्रीय मानसिक विकलाँग संस्थान के साथ अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रम में सहयोग करने के उद्गार व्यक्त किये ।

तत्पश्चात्, यू.एस. और भारत सरकार के संयुक्त कार्य वर्ग की 16-17 अप्रैल, 2002 को नई दिल्ली में बैठक हुई । संयुक्त कार्य वर्ग ने दो परियोजनाओं को निधियाँ प्रदान करने और आपसी संकाय के दौरे पर अदला-बदली का सुझाव दिया । परिणाम स्वरूप नेटवर्क को और मजबूत बनाने की संभावनाओं की खोज करने के लिए श्री टी.सी.शिवकुमार, अध्यक्ष, प्रौढ़ स्वतंत्र जीवन यापन विभाग और डॉ. ओम साई रमेश, प्राध्यापक, मनोरोगविज्ञान ने 4-14 जून, 2002 के दौरान यू.एस. का दौरा किया ।

अध्याय - 5

5.0 राष्ट्रीय मानसिक विकलाँग संस्थान के प्रकाशन

राष्ट्रीय मानसिक विकलांग संस्थान ने अपने अनुसंधान और विकास कार्यकलापों के परिणाम स्वरूप कुल 70 मौलिक प्रकाशनों के साथ-साथ मानसिक मंद व्यक्तियों के पुनर्वास के क्षेत्र में 308 पुस्तकों, गाइड़ों और अन्य सामग्रियों का प्रकाशन किया जिसमें हिन्दी, कन्नड, मलयालम, मराठी, उड़िया, तमिल, तेलुगु और आओ (जनजातीय), असमिया, बंगाल, गारो, खासी, मणिपुरी, मीजो, नागा, के उत्तर पूर्वी भाषाओं और उर्दू और कश्मिरी भाषाओं में अनुवाद भी सम्मिलित है।

प्रसंगाधीन वर्ष के दौरान संस्थान के 6 नये प्रकाशन थे : (1) मानसिक मंद व्यक्तियों की व्यावसायिक शिक्षा के लिए पाठ्यक्रम, 2002 सीरीज - 2, (2) प्रारंभिक मध्यस्थता - सेवा प्रतिमान (3) अंग्रेजी और हिंदी भाषाओं में प्रेरण सामग्री की तैयारी के लिए मैन्युअल (4) उत्तर पूर्वी क्षेत्र में मानसिक मंद बच्चों की मानव संसाधन विकास में शिक्षा (5 होप बियांड होप - सफलता की कुछ कहानियाँ (6) मानसिक मंद व्यक्तियों की व्यावसायिक शिक्षा के लिए पाठ्यक्रम, 2001 (हिन्दी) । मानसिक मंद व्यक्तियों की रोजगार जागरूकता पर 6 पोस्टर तथा भारत में मानसिक मंद व्यक्तियों के लिए संस्थानों की निदेशिका का मुद्रण भी प्रसंगाधीन वर्ष के दौरान ही हुआ ।

अध्याय - 6

6.0 परामर्शी और तकनीकी समर्थन

6.1 राष्ट्रीय न्यास

राष्ट्रीय मानसिक विकलाँग संस्थान ने देखभाल करने वालों के लिए 2001-02 के दौरान मास्टर स्तर-I के प्रशिक्षण कार्यक्रम का विकास और मास्टर स्तर-I के तीन कार्यक्रमों का आयोजन किया । मास्टर प्रशिक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने-अपने संगठनों में देखभाल करनेवालों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों को प्रारंभ करने की योजना बनाएँ और उनका संचालन करें । वर्ष 2002-03 के दौरान मास्टर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण जारी रखने के लिए मास्टर प्रशिक्षकों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के अलावा दो और कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । विवरण निम्नानुसार है :

सारणी - II

2002-03 के दौरान आयोजित राष्ट्रीय न्यास के मास्टर प्रशिक्षकों के कार्यक्रमों के विवरण

कार्यक्रम	तिथि	उपस्थित व्यक्तियों की संख्या	किन राज्यों ने प्रतिनिधित्व किया	विशेष शिक्षा	चिकित्सक	सामा कार्य	योग
प्रथम मास्टर प्रशिक्षक कार्यक्रम	15-26 जुलाई, 2002	22	आन्ध्र प्रदेश, चण्डीगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, मेघालय, उड़ीसा, पांडिचेरी, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश	18	2	2	22
द्वितीय मास्टर प्रशिक्षक कार्यक्रम	20-31 जनवरी, 2003	21	आन्ध्र प्रदेश, बिहार, चण्डीगढ़, छत्तीसगढ़ गुजरात, गोआ हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम, नई दिल्ली, उड़ीसा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तरांचल, पश्चिम बंगाल	18	2	1	21

पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	18-20 दिसंबर, 2002	25	आन्ध्र प्रदेश, असम, बिहार चण्डीगढ़, गुजरात, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, नई दिल्ली, उड़ीसा, पांडिचेरी, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल	20	4	1	25
योग		68		56	8	4	68

संस्थान द्वारा वर्ष 2001-02 के दौरान आरंभ किये गये राष्ट्रीय न्यास के कार्यकलापों पर सूचना केन्द्र राष्ट्रीय न्यास की सूचनाओं को जनकों, परिवार के सदस्यों, व्यावसायिकों और अन्यों को जो 2002-03 के दौरान पुनर्वास के क्षेत्र में कार्यरत रहे हों, पहुँचाता है । इसके अलावा, राष्ट्रीय न्यास के कार्यकलापों पर एक लेक्चर राष्ट्रीय मानसिक विकलाँग संस्थान में चलाए जा रहे लघु अवधि पाठ्यक्रम में, पाठ्यक्रम के एक अंश की तरह शामिल किया जाता है । ऐसे गैर सरकारी संगठनों का निरीक्षण जिन्होंने राष्ट्रीय न्यास की पहुँच और राहत योजनाओं के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किया है, राष्ट्रीय मानसिक विकलाँग संस्थान के स्टाफ द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त करने की विश्वसनीयता का आकलन करने का कार्य किया गया है । तकनीकी समर्थन की आवश्यकतावाले संगठनों को भी उनकी परियोजनाओं के कार्यान्वयन में तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया गया ।

6.2 भारतीय पुनर्वास परिषद / एम.पी . भोज विश्वविद्यालय

भारतीय पुनर्वास परिषद् ने एम.पी. भोज खुला विश्वविद्यालय के सहयोग से विकलाँग बच्चों की आवश्यकताओं के अनुरूप नियमित शिक्षकों को सुग्राही बनाने के लिए 3-माह का बुनियादी पाठ्यक्रम आरंभ किया । 3-माह के कार्यक्रम में दो चरणों में 3 सप्ताह का आमने-सामने का संपर्क कार्यक्रम और द्वितीय संपर्क कार्यक्रम के पश्चात् सत्रांत परीक्षा शामिल है । संस्थान ने इस पाठ्यक्रम को अध्ययन केंद्र की तरह प्रस्तावित किया है । इस प्रकार एक पाठ्यक्रम पूरा कर दिया गया और द्वितीय पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश प्रक्रिया जारी है ।

संस्थान के स्टाफ ने विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्य सामग्री के विकास और आकलन में भारतीय पुनर्वास परिषद् की बैठक में भाग लिया ।

6.3 भारत सरकार से सहायता - अनुदान प्राप्त करने के लिए गैर सरकारी संगठनों के आवेदनों का तकनीकी मूल्यांकन

इस योजना के अंतर्गत विकलाँग व्यक्तियों के लिए स्वैच्छिक कार्रवाई की प्रोन्नति हेतु, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, देश के गैर सरकारी संगठनों को अनुदान देता है । मंत्रालय के अनुरोध पर संस्थान ने गैर सरकारी संगठनों द्वारा कार्यान्वित किये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के तकनीकी मूल्यांकन का कार्य अपने हाथों में लिया है । प्रसंगाधीन वर्ष के दौरान संस्थान ने 210 गैर सरकारी संगठनों का तकनीकी मूल्यांकन किया और रिपोर्ट प्रस्तुत की ।

6.4 राष्ट्रीय विकलाँग वित्तीयन और विकास निगम

राष्ट्रीय मानसिक विकलाँग संस्थान, आंध्र प्रदेश राज्य के हिताधिकारियों के एनएचएफडीसी आवेदनों के निपटान के लिए राज्य स्तरीय जाँच समिति का संघटक सदस्य है । एनएचएफडीसी योजनाओं के संबंध में 75 जनकों / हिताधिकारियों / गैर सरकारी संगठनों को मार्गदर्शन दिया गया और राष्ट्रीय मानसिक विकलाँग संस्थान ने योजनाओं को लोकप्रिय बनाने गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों को भी मार्गदर्शन दिया और इसके अलावा एनएचएफडीसी के अनुरोध के अनुसार गैर सरकारी संगठनों के 21 निरीक्षण किये गये । राष्ट्रीय मानसिक विकलाँग संस्थान के निदेशक एनएचएफडीसी की सलाहकार समिति के सदस्य हैं, जिन्होंने उसकी बैठकों में उपस्थित रहकर अपना योगदान दिया ।

6.5 विशेष रोजगार कक्ष

वर्ष 2002-03 के दौरान राष्ट्रीय मानसिक विकलाँग संस्थान में स्थापित विशेष रोजगार कक्ष में विकलाँग 4 लोगों को पंजीकृत किया गया । सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा 3 उम्मीदवारों को रोजगार के लिए प्रवर्तित किया गया ।

6.6 राष्ट्रीय खुला विद्यालय

राष्ट्रीय मानसिक विकलाँग संस्थान ने राष्ट्रीय खुला विद्यालय के अंतर्गत असुविधाओं की शिक्षा के लिए विशेष अधिकृत संस्थान के बारे में 4 संगठनों को सूचना प्रदान की ।

6.7 पल्स पोलियो टीका

राष्ट्रीय गहन पल्स पोलियो कार्यक्रम के भाग के रूप में राष्ट्रीय मानसिक विकलाँग संस्थान के स्टाफ ने अपने मुख्यालय में 0-5 वर्ष के बच्चों को टीके देने के लिए समयबद्ध कार्यक्रम का आयोजन किया । जिसमें 1,407 बच्चों को दवाई दी गई।

अध्याय - 7

7.0 विस्तारण और अउटरीच कार्यक्रम

7.1 जिला विकलाँग पुनर्वास केंद्र (डीडीआरसी)

संस्थान द्वारा कार्यान्वित जिला विकलाँग पुनर्वास केन्द्र, मदुरै ने वर्ष 2002-03 के दौरान सर्वोत्कृष्ट डीडीआरसी पुरस्कार जीता जो महामहिम डॉ. ए.पी.जे.अब्दुल कलाम, भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया गया ।

जिला विकलाँग पुनर्वास केन्द्रों के उद्देश्य निम्नानुसार हैं :

- जरूरतमंदों की आवश्यकतानुसार सहायक उपकरण और यंत्रों का निर्माण और संयोजन करना तथा एआईडीपी योजना के जरिए उनका वितरण करना
- विकलाँग व्यक्तियों को सूचना व सेवाएँ प्रदान करना ।
- विकलाँग व्यक्तियों के पुनर्वास के क्षेत्र में लगे कार्मिकों के लिए सेवाएँ, प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करना और सेवाओं के सीबीआर मोड को प्रोन्नत करना है ।

7.1.1 स्थापित किये गये डीडीआरसी

स्थान	आरंभ किया गया
गुलबर्गा	जुलाई, 2000
कोजीकोड़	अगस्त, 2000
मदुरै	अगस्त, 2000
तूतिकुडि	नवंबर, 2000
त्रिवेन्द्रम	जनवरी, 2001
त्रिस्सूर	अगस्त, 2001
उज्जैन	दिसंबर, 2001
वर्धा	जुलाई, 2000

विकलांग व्यक्ति को आर्टीफिशियल लिम्ब की फिटिंग

सहायक उपकरण एवं यंत्रों का वितरण

7.1.2 केन्द्र में प्रदान की जानेवाली सेवाएँ

निम्न क्षेत्रों में विकलाँगता व्यक्तियों की आवश्यकताओं का विस्तृत मूल्यांकन तथा आकलन किया जाता है :

सहायक साधन एवं उपकरणों का वितरण

- आर्थोटिक / प्रास्थेटिक साधनों का फैब्रीकेशन
- श्रवण मूल्यांकन और श्रवण साधन
- वाक् - भाषा सेवाएँ
- भौतिक चिकित्सा-विज्ञान / व्यावसायिक चिकित्सीय सेवाएँ
- स्वास्थ्य सेवाएँ, विकलाँगता प्रमाणपत्रों को जारी करना
- विशेष शिक्षा
- व्यावसायिक प्रशिक्षण
- परामर्शी सेवाएँ

- विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाभों पर सूचना
- जहाँ कहीं आवश्यक हो संदर्भ सेवाओं पर सूचना
- उपकरणों और सहायक साधनों के उपयोग में निर्माण, परख फिटमेंट, अंतिम फिटमेंट और प्रशिक्षण ।

7.1.3 समस्त डीडीआर केन्द्रों में वर्ष के दौरान नये क्लाइंटों के विवरण तथा देखे गये अनुवर्ती आगमन तथा वितरित किये गये सहायक साधन सारणी-III में बताये गये हैं ।

सारणी -III

वर्ष 2002-03 के दौरान नये क्लाइंटों और उनके द्वारा अनुवर्ती आगमनों और उन्हें वितरित किये गये सहायक उपकरण व साधनों के विवरण

श्रेणी	नये रोगी	अनुवर्ती आगमन	वितरित किये गये सहायक उपकरण व साधन
ओ एच	15167	30568	3549
एम एच	6277	17265	1400
एच एच	6594	17208	3247
वी एच	3508	6627	649
अन्य	1802	7181	128
कुल	33348	78849	8973

7.1.4 वर्ष 2002-03 के दौरान सभी डीडीआर केंद्रों में आयोजित किये गये प्रशिक्षण कार्यक्रम सारणी-IV में बताये गये हैं ।

सारणी - IV

वर्ष 2002-03 के दौरान आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के विवरण

कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रमों की संख्या	हिताधिकारियों की संख्या
मूल स्तर कार्यकर्ता शिक्षकगण एवं अन्य	86	5282
जनक प्रशिक्षण कार्यक्रम	83	2513
विकलाँग व्यक्तियों के लिए विशेष कार्यक्रम	86	5898
कुल	255	13693

कैंप के दौरान आर्टीफिशियल लिम्ब की फिटिंग

7.2 कैम्प्स

प्रसंगाधीन वर्ष के दौरान संस्थान ने अनुबंध -IV में बताये गये अनुसार 45,306 विकलाँग लोगों को आवरित करते हुए 365 कैंपों का संचालन किया। इन कैंपों में संस्थान, क्षेत्रीय केन्द्रों और डीडीआर केन्द्रों द्वारा किये गये कैंप शामिल हैं । कैंपों में पहचान किये गये हिताधिकारियों को आवश्यक साधन और सहायक उपकरण मंत्रालय की एडीआईपी योजना के अंतर्गत प्रदान किये गये ।

7.3 अंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए अभिमुखीकरण कार्यक्रम

वर्ष 2002-03 के दौरान 2,681 हिताधिकारियों को आवरित करते हुए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को विकलाँग व्यक्तियों की पहचान करने में अभिमुख करने और एडीआईपी योजना के अंतर्गत मूल्यांकन और आकलन के लिए स्क्रीनिंग कैंपों को उन्हें संदर्भित करने, 32 अभिमुखीकरण कार्यक्रम संचालित किये गये ।

अध्याय - 8

8.0 सेवाएँ

8.1 सामान्य सेवाएँ

संस्थान, मामले का इतिहास, भौतिक व स्वास्थ्य परीक्षण, बौद्धिक और विकासीय मूल्यांकन, विशेष शिक्षा मूल्यांकन, रोगोपचार आवश्यकताओं का मूल्यांकन, व्यावसायिक मूल्यांकन और मौलिक बायोकेमिकल स्क्रीनिंग और परीक्षण के कार्य करता है । गृह-आधारित प्रशिक्षण के लिए कार्यक्रम की योजना बनायी जाती है और कौशल प्रशिक्षण गृह प्रबंधन के लिए चिकित्सा कार्यक्रम संचालित करने जनकों को प्रदर्शन कराये जाते हैं । वर्ष 2002-03 के दौरान रा.मा.वि.संस्थान सिकन्दराबाद और नई दिल्ली, कोलकाता और मुंबई के क्षेत्रीय केन्द्रों में सारणी में बताये गये अनुसार 3,123 क्लाइंटों को देखा गया था ।

सारणी - V

वर्ष 2002-03 के दौरान परीक्षण किये गये नये क्लाइंट

सेवाएँ	2001-02	2002-03
सामान्य सेवाएँ	3065	3123
स्वास्थ्य सेवाएँ	2651	2897
व्यवहार तरमीमें	1031	1614
विशेष शिक्षा	2149	2118
भौतिक चिकित्सा-विज्ञान	360	479
व्यावसायिक चिकित्सा विज्ञान	403	417
बायो-रासायनकी	1603	1662
जनक परामर्श	2991	3072
आरंभिक मध्यस्थता सेवाएँ	427	436
वाक्, भाषा और श्रवण	1126	1104
पारिवारिक कुटीर	715	884
पेशेगत/व्यावसायिक प्रशिक्षण	223	255
ई ई जी	220	213
बहु आयामी विकलाँगता एकक	87	149
वर्ग क्रिया कलाप	88	147
पोषण	88	147
विस्तृत मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन	-	1096
संगणक सहायक अनुदेश	60	51
आत्मविमोह और मानसिक मंदन	40	74
धीमी गति से सीखनेवाले	18	46
संवेदीक्षति और मानसिक मंदन	14	20
हाइड्रोथेरपी	49	208
बौद्धिक मूल्यांकन	-	2033
कार्य स्थल (व्यावसायिकी)	-	114
संसाधन कक्ष (दृश्य प्रखरता)	-	756

8.2 विशेष सेवाएँ

कार्यान्वयन के लिए प्रबंधन योजना द्वारा गृह आधारित प्रशिक्षण प्राप्त करना ही विशेष सेवाओं का उद्देश्य है । बाहर से आनेवाले व्यक्तियों के लिए, परिवार कुटीर सुविधा प्रदान की जाती है । जहाँ कहीं जरूरी हो ग्राहकों को स्थानीय संस्थाओं से सेवाएँ प्राप्त करने के लिए उचित रेफरल प्रदान किये जाते हैं, जबकि राष्ट्रीय मानसिक विकलाँग संस्थान में आवधिक परामर्श जारी रहता है । जनकों और परिवार के सदस्यों और समय-समय पर जनक प्रशिक्षण के संगठन को सूचना तथा मार्गदर्शन के लिए संस्थान द्वारा प्रकाशित फोल्डरों, पोस्टरों और पुस्तकों को नाम मात्र की लागत लेकर विशेष सेवाओं को पृष्ठ-समर्थन प्रदान किया जाता है ।

गत वर्ष 33,112 अनुवर्ती ग्राहकों को देखे जाने की तुलना में प्रसंगाधीन वर्ष के दौरान विशेष सेवाओं के अंतर्गत 39,061 अनुवर्ती क्लाईंटों को देखा गया जिसके विवरण सारणी VI में दर्शाया गया।

सारणी - VI

वर्ष 2002-03 के दौरान देखे गये अनुवर्ती रोगी

सेवाएँ	2001-02	2002-03
स्वास्थ्य सेवाएँ	7531	8248
व्यवहार तरमीमें	1442	1832
विशेष शिक्षा	2789	3956
भौतिक चिकित्सा-विज्ञान	1344	2279
व्यावसायिक चिकित्सा विज्ञान	444	420
बौद्धिक मूल्यांकन	195	-
जनक परामर्श	3010	3535
विस्तृत मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन	1449	1062
आरंभिक मध्यस्थता सेवाएँ	1573	2412
वाक्, भाषा और श्रवण	3426	4582
पारिवारिक कुटीर	462	384
एफसीआईएस	253	228
व्यावसायिक प्रशिक्षण	1245	783
बहु विकलाँगता एकक	285	417
वर्ग कार्य कलाप	5087	3585
पोषण	71	151
संगणक सहायता प्राप्त अनुदेश	1270	617
आत्मविमोह और मानसिक मंदन	289	667
मंद गति से सीखनेवाले	101	269
संवेदी क्षति और मानसिक मंदन	598	766
हाइड्रोथेरपी	62	765
संसाधन कक्ष (दृश्य प्रखरता)	186	-
कार्य स्टेशन (व्यावसायिक)	-	2103
कुल	33,112	39,061

8.2.1 स्वास्थ्य सेवाएँ

मानसिक मंदन सहित तत्संबंधी स्वास्थ्यपरक स्थितियों जैसे मिर्गी, हाईपर काइनेटिक व्यवहार ऊपरी श्वास नली संक्रामण, पोषण समस्याओं से पीड़ित रोगियों को औषधियाँ और तत्संबंधी स्वास्थ्य सलाह प्रदान की जाती है । संस्थान के अपने बाल-चिकित्सा और मनश्चिकित्सा विशेषज्ञ हैं। आवश्यकतानुसार क्लाइंटों को बाहरी विशेषज्ञों को रिफर किया जाता है। निम्न आय वर्ग के परिवारों को औषधियाँ मुफ्त दी जाती हैं ।

प्रारंभिक मध्यस्थता का जनकों को प्रदर्शन

8.2.2 प्रारंभिक मध्यस्थता

0-3 वर्षों की आयु वर्ग के शिशुओं और बच्चों में देरी से विकास होने का शक या जोखिम महसूस होने पर प्रारंभिक मध्यस्थता की सेवाएँ प्रदान की जाती हैं, जो सामान्य सेवाओं में देखे जाने वाले कुल क्लाइंटों का लगभग एक तिहाई होते हैं । ये सेवाएँ बहु-विषयक चिकित्सा विशेषज्ञों के दल द्वारा प्रदान की जाती हैं । जनकों को, टीका, पोषण, खिलाने-पिलाने, संवेदी मोटर विकास, वाक् और भाषा विकास तथा मनो-सामाजिक मध्यस्थताओं के संबंध में मार्गदर्शन दिया जाता है ।

बगीचा का काम कर रहे मानसिक मंद व्यक्ति

8.2.3 विशेष शिक्षा सेवाएँ

मानसिक मंद बच्चों का स्वयं-सेवा कौशलों, सकल तथा उत्तम मोटर कौशलों, कार्यात्मक पढ़ने-लिखने के कौशलों, समय, धन और उससे संबंधित ज्ञानात्मक कौशलों जैसे विभिन्न कौशल क्षेत्रों में चालू कार्यात्मकता, का मूल्यांकन किया जाता है । मूल्यांकन की सभी स्थितियों, वैयक्तिक शिक्षा कार्यक्रम की योजना बनाने और आईईपी के कार्यान्वयन में जनकों को शामिल किया जाता है । भारतीय संदर्भ में विभिन्न सीखे जाने वाले साधनों और उपकरणों का उपयोग किया जाता है । कंप्यूटर सहायता प्राप्त प्रशिक्षण माड्यूलों का उपयोग जरूरतमंद की विशेष शिक्षा सेवाओं की कुशलता को तीव्रगतिमान बनाने के लिए उपयोग किया जाता है ।

8.2.4 व्यवहार परिवर्तन सेवाएँ

मानसिक मंद व्यक्ति जो आज्ञोल्लंघन, सिर पीटने, अपने-आपको काटने, स्वयं को जख्मी करने, अत्यधिक रोने जैसे समस्यात्मक व्यवहारों से और अन्य विशाल भिन्न-भिन्न समस्यात्मक व्यवहार हों तो इस सेवा के अन्तर्गत उन्हें लिया जाता है । व्यवहार की आवृत्ति और गंभीरता ज्ञात करके विस्तृत मूल्यांकन के बाद, ऐसे व्यवहारों को प्रभावित करनेवाले घटकों को मालूम करने कार्यात्मक विश्लेषण किया जाता है । लक्ष्य व्यवहारों के घटित होने की स्थिति में समुचित मध्यस्थताओं पर कार्यक्रम विकसित करके जनकों को अनुदेश दिये जाते हैं । प्रगति को बनाये रखने के लिए नियमित अंतरालों से अनुवर्ती कार्रवाई की जाती है ।

8.2.5 मार्गदर्शन और परामर्शी सेवाएँ

जनकों में पाये जाने वाले भ्रमात्मक विचारों के निपटान के पश्चात् मानसिक मंदन की प्रकृति को समझने और बच्चे के जीवन की विभिन्न अवस्थाओं की आवश्यकताओं को समझने का मार्गदर्शन दिया जाता है । परिवार व्यवस्था में बच्चे के सुव्यवस्थित विकास को प्रोन्नत करने हेतु पालकों की अपेक्षाओं को हिसाब में लिया जाता है । जनकों की भावुकतापूर्ण समस्याओं को भी सुलझाया जाता है ।

8.2.6 वाक् चिकित्सा-विज्ञान और श्रवण विज्ञान

वाक् तथा भाषा विकास में देरी मानसिक मंदन के लक्षणों में से एक है । बहुत सारे बच्चे भी भिन्न-भिन्न प्रकार की श्रव्य-त्रुटियाँ प्रस्तुत करते हैं । जिन रोगियों को सेवाओं की आवश्यकता होती है उनका विस्तृत मूल्यांकन किया जाता है । वाक् तथा भाषा मध्यस्थता पैकेज बच्चे की व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुसार विकसित की जाता है । जनकों को सलाह दी जाती है कि वे व्यावसायिकों की सलाह से घर पर ही मध्यस्थता करें ।

8.2.7 भौतिक चिकित्सा-विज्ञान

मानसिक मंद बच्चे, सामान्य बच्चों की अपेक्षा बैठने और चलने के कौशलों में धीमी गति के होते हैं । उनमें से लगभग 15 प्रतिशत में प्रमस्तिष्क घात और अन्य भौतिक क्षतियाँ होती हैं । भंगिमा और गति को ठीक करने के बाद विस्तृत चिकित्सीय व्यायामों के प्रदर्शन दिये जाते हैं । जिन रोगियों को सहायता साधन और उपकरण तथा दोषनिवारक शल्य चिकित्सा की जरूरत होती है तो उन्हें उचित एजेंसियों के पास भेजा जाता है ।

8.2.8 बहु-विकलाँगता एकक

मानसिक मंद बच्चों में श्रवण क्षति, दृष्टि क्षति और भौतिक क्षति जैसी अतिरिक्त समस्याएँ होने पर इस सेवा में उनपर विशेष ध्यान दिया जाता है । बहु-विषय ज्ञाता व्यावसायिकों के दल द्वारा उन्हें व्यापक सेवाएँ प्रदान की जाती हैं।

8.2.9 आनुवंशिकी-विज्ञान चिकित्सालय

भावी संतान में आनुवंशिकी या जन्म-दोषों के घटन की संभावनाओं के संबंध में विशेषज्ञ सलाह माँगने वाले जनकों को आनुवंशिकी परामर्शदात्री सेवाएँ प्रदान की जाती हैं । बायोकेमिकल, क्रोमोसोमल और साइटोजेनेटिक जाँचों के लिए रोगियों को सहयोगी संस्थानों जैसे आनुवंशिकी विज्ञान संस्थान तथा हैदराबाद में स्थित सी.सी.एम.बी. को भेजा जाता है । स्वास्थ्य तथा आनुवंशिकी-विज्ञान विशेषज्ञगण का दल परामर्श सेवाएँ प्रदान करता है ।

8.2.10 व्यावसायिक प्रशिक्षण

मानसिक मंद व्यक्तियों के सामाजिक-आर्थिक पुनर्वास को व्यावसायिक प्रशिक्षण और नौकरी दिलाने की सेवाओं के जरिए प्रोन्नति दी जाती है । मानसिक मंदन वाले प्रौढ़ों को आरंभ में आनुवंशिकी प्रशिक्षण और तत्पश्चात् नौकरी के साथ प्रशिक्षण दिया जाता है । नौकरी पर प्रशिक्षण एक रोगी से दूसरे रोगी के लिए भिन्न होता है, जो उस रोगी को उसके रहने के स्थान की बस्ती में उपलब्ध जॉब के अवसरों पर आधारित होता है । जिस स्थान पर काम स्थित है वहीं पर स्वतंत्र रूप से काम करने योग्य होने तक रोगी को दीर्घकालीन समर्थन प्रदान किया जाता है ।

सुनार का कार्य कर रहे मानसिक मंद व्यक्ति

8.2.11 परिवार कुटीर सेवाएँ

राष्ट्रीय मानसिक विकलाँग संस्थान में दूरस्थ स्थानों से आने वाले परिवारों के लिए परिवार कुटीर सेवा उपलब्ध है । परिवार एक सप्ताह तक यहाँ रुककर व्यावसायिक सेवाएँ प्राप्त करने के साथ ही कौशल प्रशिक्षण, व्यक्तिगत परिवार परामर्श समस्या व्यवहारों का प्रबंधन, वाक्-भाषा चिकित्सा, स्वास्थ्य सलाह, भौतिक चिकित्सा, मनोरंजक क्रियाकलाप और आवश्यक सहायता भी प्राप्त कर सकता है । ये कुटीर जनकों को बच्चे की आवश्यकताओं पर ध्यान केंद्रित करने के उत्कृष्ट अवसर प्रदान करते हैं जो उनके दैनंदिन जीवन से दूर होते हैं ।

8.2.12 हाइड्रोथेरपी सेवाएँ

मानसिक मंद व्यक्तियों के इलाज में हाइड्रोथेरपी का विशेष लाभ है, विशेषकर ऐसे रोगियों के लिए जो जोड़ों के दर्द, सूजनों, कड़ापन, माँसपेशी कमजोरी, अतिपेशीतानता (स्पैस्टीसिटी) आदि से भी पीड़ित हों । संस्थान ने मानसिक मंदन के साथ विभिन्न शारीरिक पीड़ाओं से ग्रस्त व्यक्तियों को हाइड्रोथेरपी की सेवाएँ प्रदान करना आरंभ कर दिया है ।

8.2.13 संगणक सहायता प्राप्त अनुदेश

विगत समय में मानसिक मंदन से पीड़ित बच्चों द्वारा तीन विभिन्न पैकेजों के जरिए साफ्टवेयर पैकेजों को विकसित किया गया । मानसिक मंदन के व्यक्तियों के लिए उपयुक्त पैकेजों को अन्य अभिकरणों से हासिल किया गया। संस्थान में पंजीकृत लोगों तथा विशेष स्कूल के विद्यार्थियों को कंप्यूटर तथा उपयुक्त साफ्टवेयर का उपयोग कराने के जरिए, नियमित सेवाएँ दी जा रही हैं । माउस और की-बोर्ड पर और अन्य ऐसे हार्डवेयर परिधियों पर छोटे-छोटे अनुकूलन किये गये ताकि बच्चों को कंप्यूटरों का उपयोग करने में आसानी हो ।

8.2.14 आत्मविमोह और मानसिक मंदन

यह अनुमान लगाया गया है कि आत्मविमोह से ग्रस्त 75% लोग मानसिक मंद होते हैं । मानसिक मंदन वाले बच्चों के स्कूलों में आत्मविमोह और मानसिक मंदन वाले बच्चे पाये जाते हैं, अत: यह आवश्यक है कि शून्य - अस्वीकृत हासिल करने के लिए उन्हें उचित शैक्षिक सेवाएँ प्रदान की जाएँ । इस बात को दृष्टि में रखकर आत्मविमोह और मानसिक मंदनवाले व्यक्तियों के लिए अनन्य सेवाएँ शुरू की गयी हैं । आत्मविमोह और मानसिक मंदन में विशेष रूप से प्रशिक्षित

खेल से आनन्दित आटीजम ग्रस्त बच्चें

शिक्षक इन बच्चों पर गहन ध्यान देते हैं । इसके अलावा उन्हें विशेष स्कूलों या सामान्य स्कूलों में नामांकित किया जाए ताकि उन्हें वर्ग अनुभव भी हांसिल हो ।

8.2.15 मानसिक मंदन और संवेदी क्षति

मानसिक मंदन के साथ-साथ दृष्टि और / या श्रवण क्षति से ग्रस्त बच्चों को विशेष शिक्षा की आवश्यकता के अतिरिक्त वर्ग प्रशिक्षण की भी जरूरत होती है । चूँकि उनमें दृष्टि और श्रवण की दोनों संवेदनाएँ क्षतिग्रस्त होती हैं, उन्हें दिये जाने वाली प्रशिक्षण पद्धतियाँ और सामग्रियों को अनुकूलनों की आवश्यकता होती है । इसे नजर में रखते हुए ऐसे बच्चों के लिए अनन्य सेवाएँ शुरू की गयीं । ये बच्चे प्रशिक्षण शिक्षक का भरपूर ध्यान और उसके अलावा कक्षा अनुभव भी उठाते हैं । उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्यावरणीय तरमीम किये गये थे ।

8.2.16 धीमी गति से सीखनेवालों के लिए संसाधन कक्ष

सीमान्त बौद्धिकता और हल्के मानसिक मंदन ग्रस्त अधिकाँश विद्यार्थी नियमित स्कूलों में ही अध्ययन करते हैं, फिर भी, उन्हें मुख्यधारा की शिक्षा जो वर्तमान समय में विशेष स्कूलों में नहीं दी जा रही है, के अतिरिक्त समर्थन की आवश्यकता है । इस खाई को पाटने के लिए राष्ट्रीय मानसिक विकलाँग संस्थान ने धीमी गति से सीखनेवाले बच्चों के लिए संसाधन कक्ष आरंभ किया है जहाँ ऐसे बच्चों को, उनके स्कूली घंटों के अलावा अतिरिक्त समर्थन मिलता है । संसाधन कक्षा का शिक्षक भी नियमित क्लासटीचर के समन्वयन से कार्य करता है ताकि प्रशिक्षण में निरन्तरता बनी रहे।

8.3 वर्ष के दौरान शुरु की गयी नयी सेवाएँ

8.3.1 मानसिक मंदनवाले व्यक्तियों के व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए वर्कस्टेशन

देश में मानसिक मंद लोगों के लिए विशेष शिक्षा प्रदान करनेवाले 1000 से अधिक संगठन हैं । ये संगठन 5-18 वर्षों के बीच की आयुवाले मानसिक मंदनवाले व्यक्तियों को पुनर्वास सेवाएँ प्रदान करते हैं । स्कूली शिक्षा के बाद व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करनेवालों की संख्या अपेक्षाकृत कम है । कुछ व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्रों में से अधिकाँश छाया आधारित प्रशिक्षण प्रदान करते हैं । इस कारण से व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए कोई निर्धारित व प्रणालीबद्ध नियमावली उपलब्ध नहीं है । व्यावसायिक प्रशिक्षण की प्रक्रिया को सही ढंग से चलाने के लिए रा.मा.वि.संस्थान ने मानसिक मंद लोगों के लिए चरणबद्ध प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु वर्कस्टेशन आरंभ किये हैं । मानसिक मंद व्यक्तियों के आनुवंशिकी कौशलों का मूल्यांकन करने के बाद ज्ञानात्मक, मोटर और सामाजिक क्रियाशीलता को प्रेरित करने प्रबंधन योजना बनायी जाएगी और उन्हें भिन्न-भिन्न वर्क स्टेशनों में रखा जाएगा । मानसिक मंद लोगों को आरंभ में विभिन्न कौशलों को विकसित करने विभिन्न क्रियाकलापों में प्रशिक्षित किया जाएगा । छह महीने के सफल प्रशिक्षण के बाद प्रशिक्षार्थी को खुले / समर्थित / स्व-समर्थित / किसी की छत्रछाया में रोजगार दिया जाएगा । नौकरियों की पहचान करने के प्रयास किये जाएँगे और जनकों को उनके बच्चों के लिए भावी नौकरियाँ तलाश करने प्रोत्साहित किया जाएगा ।

8.3.2 मानसिक मंद व्यक्तियों की दृष्टि प्रखरता के लिए संसाधन कक्ष

मानसिक मंदन सहित दृष्टि क्षति बहुत असामान्य बात नहीं है । परंतु दृष्टि क्षति के साथ मानसिक मंदन का होना रोगी के मूल्यांकन और प्रबंधन को और भी मुश्किल बना देता है । तत्संबंधी साहित्य की संक्षिप्त समीक्षा सूचित करती है कि व्यक्तियों में दृष्टि प्रखरता के साथ मानसिक मंदन होने पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया था । यह महसूस किया गया है कि मानसिक मंदनवाले व्यक्तियों में दृष्टि क्षति होने पर वह उनकी क्षमताओं में सर्वोत्कृष्ट को बाहर लाती है । यह भी महत्त्वपूर्ण है कि उनकी प्रवृत्तियों और साथ ही साथ उनकी अपनी सीमाओं को इस बहुविकलाँगता के कारण जागरूक रहना पड़ता है । इस बात को नजर में रखकर मानसिक मंद व्यक्तियों के लिए दृष्टि क्षति होने पर उनके लिए एक संसाधन सुविधा आरंभ की गयी ताकि मानसिक मंदनवाले व्यक्तियों की दृष्टि विकलाँगता के उचित मूल्यांकन तथा प्रबंधन के लिए बेहतर योजना बनाई जा सके ।

8.3.3 राष्ट्रीय खुला विद्यालयी संस्थान की परीक्षा के लिए खुली मौलिक शिक्षा पढ़ाने के लिए संसाधन कक्ष

राष्ट्रीय खुला विद्यालयी संस्थान ने देश भर के सुप्रसिद्ध संगठनों के सहयोग से दूरगामी शिक्षण पद्धति के द्वारा खुला मूल शिक्षा कार्यक्रम आरंभ किया और निम्न प्राथमिक स्तर तथा उच्च प्राथमिक स्तरों की परीक्षाएँ संचालित कीं।

अल्प मानसिक मंदन और हाशियागत बौद्धिकतावाले बहुत सारे बच्चों के लिए सही शिक्षा सुविधा नहीं है क्योंकि वे विशेष स्कूल प्रणाली और नियमित शिक्षा के उपयुक्त नहीं होते । ये बच्चे राष्ट्रीय खुला विद्यालयी संस्थान के खुला मौलिक शिक्षा कार्यक्रम से लाभ उठा पाएँगे क्योंकि राष्ट्रीय खुला विद्यालयी संस्थान में सरलीकृत चरणबद्ध सीखने की प्रणाली है । इससे विशेष स्कूल तथा नियमित स्कूल के बीच के अन्तर को पाटने में भी मदद मिलेगी ।

इस बात के मद्देनजर, वर्ष 2002-03 के दौरान संस्थान ने हाशियागत बौद्धिकता वाले और अल्प मानसिक मंदनवाले बच्चों को प्रशिक्षित करने हेतु संसाधन कक्ष आरंभ किया, जिससे कि वे राष्ट्रीय खुला विद्यालयी शिक्षा के खुला मौलिक शिक्षा कार्यक्रम में परीक्षा देकर अपने-आपको अर्हता प्राप्त बना सकें । वर्ष 2002-03 के दौरान 13 बच्चों को प्रवेश दिया गया और उन्हें राष्ट्रीय खुला विद्यालयी संस्थान की परीक्षा के लिए प्रशिक्षित किया गया ।

श्री जन्नत हुसैन, मुख्य सचिव, आँध्र प्रदेश द्वारा मोबाइल सेवा का उद्घाटन

8.3.4 हैदराबाद और सिकन्दराबाद के पहुँच के बाहर के क्षेत्रों में मानसिक मंद व्यक्तियों के लिए मोबाइल सेवा ।

नगरद्वय में रहनेवाले तथा राष्ट्रीय मानसिक विकलाँग संस्थान में पंजीकृत क्लाइंट अनुवर्ती सेवाओं के लिए या तो वित्तीय समस्याओं या आने-जाने की समस्याओं के कारण नियमित रूप से उपस्थित नहीं हो पाते । इसके अलावा, मानसिक मंद के कुछ लोग सुविधाओं का लाभ उठाने की जानकारी के अभाव में सेवाएँ प्राप्त कर नहीं पाते । ऐसे लोगों के पास जाकर उन्हें सेवाएँ प्रदान करने के लिए संस्थान ने हैदराबाद एवं सिकन्दराबाद नगरद्वय के अतराफ चलती-फिरती सेवा आरंभ की है । चलती-फिरती (मोबाइल) सेवाओं के अंतर्गत संस्थान की गाड़ी विशेष शिक्षक को लेकर सेवाएँ प्रदान करने के लिए विभिन्न बस्तियों में जाकर उस क्षेत्र में रहनेवाले मानसिक मंद की सेवा करेगी । गंभीर तथा गहरे मानसिक मंदन वर्गों के रोगियों का इलाज, अनुसंधान के उद्देश्य के लिए आँकड़ा प्रदान करेगा । इस सेवा के प्रति प्रतिक्रिया उत्साहवर्धक है और संस्थान इन सेवाओं को अधिक क्षेत्रों तक फैलाना चाहता है ।

8.3.5 मनोरंजनम - गहरे मानसिक मंद व्यक्तियों के लिए संसाधन कक्ष :

यद्यपि वर्षों से मानसिक मंदन के रोगियों के लिए सेवा कार्यक्रम काफी बढ़ गये हैं, फिर भी बहुत कम संगठन गहरे मानसिक मंदन के व्यक्तियों को सेवा प्रदान कर रहे हैं, क्योंकि गहरे मानसिक मंद व्यक्तियों को अधिक विशेषज्ञ सेवाएँ और उन्हें प्रशिक्षित करने व्यावसायिकों की आवश्यकता होती है । इस वर्ग के मानसिक मंदन के व्यक्तियों को अपर्याप्त सेवाओं का कारण चलना-फिरना और परिवहन समस्या है । गहरे मानसिक मंद वाले अधिकाँश बच्चे शारीरिक

मनोरंजनम के उद्घाटन पर अभिभावकों के साथ परस्पर क्रिया कर रहे श्री जन्नत हुसैन, मुख्य सचिव, आँध्र प्रदेश सरकार

विकलाँगता से ग्रस्त होते हैं, जिनमें से कुछ मानसिक मंदन के साथ मिर्गी के रोग के भी शिकार होते हैं । फिर भी गहरे मानसिक मंद बच्चों की शिक्षा पर किये गये अनुसंधान अध्ययन से पता चलता है कि यदि उन्हें प्रणालीबद्ध प्रशिक्षण दिया जाए तो वे भी पीने, खाने, प्रसाधन करने, बातचीत / इशारों द्वारा अपनी बात कह पाने जैसे मौलिक कौशलों को सीखने के काबिल हो जाते हैं, इससे उनकी अन्यों पर आश्रितता कुछ सीमा तक कम हो जाती है । इस बात के मद्देनजर, संस्थान ने गहरे मानसिक मंद व्यक्तियों को प्रशिक्षित करने वर्ष के दौरान मनोरंजनम नामक सेवा सुविधा आरंभ की है ।

अध्याय - 9

9.0 प्रलेखीकरण और प्रचार

संस्थान मानसिक मंदन के क्षेत्र और तत्संबंधी विषयों के क्षेत्रों से संबंधित पर्याप्त पुस्तकों और पत्र-पत्रिकाओं से पूरी तरह लैस है । संस्थान जर्नल लेखों की छाया प्रतियों की आपूर्ति, राष्ट्रीय मानसिक विकलाँग संस्थान द्वारा प्रकाशित सामग्रियों, वीडियों कैसेटों और फ्लापियों का वितरण, नेमी पुस्तकालय सेवाओं, अध्ययन सूचियों व समाचारपत्रों के क्लिपिंगों और इंटरनेट द्वारा सूचना सेवाएँ प्रदान करता है । संस्थान करावलम्बन त्रैमासिक समाचार पत्र, मेन्टार्ड नामक द्वैमासिक बुलेटिन का प्रकाशन करके बड़ी संख्या में व्यावसायिकों, संगठनों, जनकों और मानसिक मंदन से संबंधित अन्य लोगों को इनका वितरण करता है । करालवलंबन न्यूजलेटर माननीय सांसदों, समस्त विश्वविद्यालयों, राज्य कल्याण निदेशालयों तथा अन्य सरकारी विभागों को भेजा जाता है ।

संदर्भाधीन वर्ष के दौरान संस्थान ने जनकों तथा व्यावसायिकों को अपने 15,160 प्रकाशनों का वितरण किया है। वर्ष के दौरान 24 चुनिंदा सामग्रियाँ नाम पत्रिका प्रकाशित हुई, साथ में 263 समाचार पत्र क्लिपिंगों को उसमें जोड़कर 6 मेंटार्ड बुलेटीन छापे गये । संस्थान के पुस्तकालय में चालू वर्ष के दौरान 26,000 आगंतुक पधारे और 5960 पुस्तकें जारी की गयीं । पुस्तकालय में मौजूदा पुस्तकों के अलावा 197 पुस्तकें जोड़ी गयीं और 56553 पुस्तकों का संदर्भ के रूप में उपयोग किया गया । चालू वर्ष के दौरान 850 ई.मेल जारी व प्राप्त किये गये ।

9.1 जन - जागरूकता

संस्थान ने पोस्टरों के मुद्रण, सूचना सामग्रियों के प्रकाशन, विकलाँगताओं की पहचान करने मूल कार्यकर्ताओं के लिए फ्लिप चार्टों की तैयारी जैसे जनजागरूकता कार्यक्रमों के संचालन को जारी रखा है ।

जागरूकता तथा वितरण शिविर का आयोजन पर उपस्थित- जगद्गुरु श्री जयेन्द्र सरस्वती, श्री के.राजा रामन, जिला कलेक्टर, काँचीपुरम जिला, तमिलनाड तथा श्री नन्दकुमार, सदस्य, एन.आई.एम.एच. के कार्यकारिणी परिषद्

9.2 प्रदर्शनियाँ

9.2.1 समाज विकास प्रदर्शनी

आईटीपीओ द्वारा प्रगति मैदान, नई दिल्ली में दिनांक 07 से 15 दिसंबर, 2002 के बीच संचालित समाज विकास प्रदर्शनी में संस्थान ने भाग लिया । संस्थान ने पढ़ने-लिखने की सामग्रियों, शिक्षकों द्वारा बनाये गये सहायता उपकरणों, साफ्टवेयरों, व्यावसायिक अनुभाग के उत्पादों, दैनिक जीवन के अनुकूलनों, तथा संस्थान द्वारा विकसित प्रकाशनों की प्रदर्शनी की । आगंतुकों को जागरूकता सामग्री एवं शैक्षिक फोल्डरों का नि:शुल्क वितरण किया गया । बच्चों का आन-द-स्पाट / प्रदर्शनी स्थल पर ही मूल्यांकन किया गया तथा जनकों को मार्गदर्शन व परामर्श दिया गया ।

डी.डी.आर.सी., उज्जैन द्वारा विकसित पोस्टरों के प्रदर्शन का माननीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री, डॉ.सत्यनारायण जटिया ने अवलोकन किया

9.2.2 उज्जैन में प्रदर्शनी

डीडीआरसी, उज्जैन के वार्षिक दिवस समारोह के अवसर पर देश में चल रहे केन्द्रों और विकलाँग लोगों के लिए दी जा रही सेवाओं की दिनांक 27.12.2002 को प्रदर्शनी की गयी जिसमें संस्थान ने भाग लिया और पढ़ाने-सिखाने की सामग्री, शिक्षकों द्वारा बनाये गये सहायता उपकरणों, साफ्टवेयरों, व्यावसायिक अनुभाग के उत्पादों, दैनिक जीवन के अनुकूलनों और संस्थान द्वारा विकसित किये गये प्रकाशनों की प्रदर्शनी की गयी ।

9.2.3 ऐक्सेस 2003

ऐक्सेस-2003, नामक विकलाँगों के लिए सहायक उपकरणों, शिक्षण किटों (सामग्री), गैर-विकलाँगी पर्यावरण की प्रदर्शनी गुवाहाटी में 9-12 फरवरी, 2003 को लगायी गयी जिसमें संस्थान में अपने द्वारा प्रकाशित शिक्षण-सीखने की सामग्रियों का प्रदर्शन किया । प्रदर्शनी का उद्घाटन माननीय सामाजिक न्याय और आधिकारिता मंत्री, डॉ. सत्यनाराण जटिया ने किया ।

श्रीमति राजवंत संधू, संयुक्त सचिव, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने एन.आई.एम.एच. द्वारा लगाई गई स्टॉल का अवलोकन किया

9.2.4 भारतीय मनश्चिकित्सा - विज्ञान संघ के वार्षिक अधिवेशन में प्रदर्शनी

दिनांक 9 से 12 जनवरी, 2003 को बीच हैदराबाद में संचालित भारतीय मनश्चिकित्सा विज्ञान के वार्षिक अधिवेशन में संस्थान ने अपने प्रकाशनों, शिक्षण सहायक उपकरणों, वस्त्र अनुकूलनों, दैनिक जीवन संबंधी कौशल किटों, क्रियात्मक फ्लो चार्टों, अनुकूलन उपकरणों की प्रदर्शनी की ।

9.2.5 प्रतिबोंधि कल्याण मेले में प्रदर्शनी

नाड़िया जिला प्रतिबोंधि कल्याण समिति, नाडिया जिला पश्चिम बंगाल द्वारा 21-23 फरवरी, 2003 के दौरान कृष्ण नगर में प्रतिबोंधि कल्याण मेला द्वारा संचालित प्रदर्शनी में संस्थान ने भाग लेकर पढ़ाने-सिखाने की सामग्री, साफ्टवेयरों, व्यावसायिक खंड के उत्पादों दैनिक जीवन के अनुकूलनों और संस्थान द्वारा विकसित प्रकाशनों की प्रदर्शनी की ।

9.2.6 दिशा - 2003

संस्थान ने, दिनांक : 24 फरवरी से 1 मार्च, 2003 के बीच समाज कल्याण विभाग, पश्चिम बंगाल राज्य सरकार द्वारा निम्त्री, पूर्वी मिदनापुर जिला, पश्चिम बंगाल में आयोजित दिशा-2003 में, भाग लिया । पढ़ाने-सिखाने की सामग्रियों, साफ्टवेयरों, व्यावसायिक खंड के उत्पादों, दैनिक जीवन के अनुकूलनों और संस्थान द्वारा विकसित व प्रकाशित सामग्रियों की प्रदर्शनी के दौरान प्रदर्शनी की गयी ।

9.3 शैक्षिक आगमन

प्रसंगाधीन वर्ष के दौरान 1680 विद्यार्थियों और अन्यों का संस्थान में आगमन हुआ, जिन्हें मानसिक मंद लोगों के पुनर्वास से अभिमुखीकृत किया गया । आगंतुकों में बी.एड (विशेष शिक्षा), प्रारंभिक बाल्यकालीन शिक्षण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, डीवीटीई (एमआर), सामान्य नर्सिंग, स्नातकोत्तर उपाधि (गृह विज्ञान), पीजीडीडीआर, बीपीटी, डीएसई (एमआर), बीएसडब्ल्यु/एमएस डब्ल्यु, स्वास्थ्य पर्यवेक्षकों, स्वास्थ्य चिकित्सकों, मनोवैज्ञानिकों, सीबीआर कार्यकर्ताओं, एमआर डब्ल्युओं, के साथ-साथ नियमित स्कूलों के शिक्षकगण और सरकारी अधिकारी शामिल थे ।

अध्याय - 10

10.0 विशेष शिक्षा केन्द्र

विशेष शिक्षा केंद्र प्रतिदर्श और प्रदर्शनात्मक प्रयोगशाला के रूप में काम करते हैं । वर्ष 2002-03 के दौरान 100 स्कूली बच्चे नियमित रूप से स्कूल में उपस्थित रहे और निम्न कार्यक्रमों में भाग लिया ।

भोजन सत्र

पकाने की कार्यकलापों में भागीदारी

बगीचा के काम में प्रशिक्षण

- 21-23 अप्रैल, 2002 तक चले राज्य स्तरीय विशेष ओलंपिक्स
- 13 से 31 मई, 2002 तक विशेष रूचि प्रतिभाओं की प्रोन्नति के लिए चले ग्रीष्म कैंप
- पांडिचेरी में संचालित IVवें राष्ट्रीय विशेष ओलंपिक्स बास्केटबाल प्रतियोगिता
- दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय खेल
- जिला स्तर खेल-कूद प्रतियोगिताएँ
- सालारजंग संग्रहालय द्वारा आयोजित ड्राईंग प्रतियोगिता
- कोच्ची में आयोजित राष्ट्रीय स्तर विशेष ओलंपिक्स फुटबाल टूर्नामेंट
- बंगलौर में आयोजित रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता
- जायसीस क्लब और टी.एच.पी.आई. द्वारा 25.03.2003 को आयोजित अंतर-संस्थानगत स्पोर्ट्स मीट
- कमांडो-पेडिग्री द्वारा दि0 03.12.2002 को मेडचल में आयोजित कुत्ता प्रदर्शनी में भी स्कूल के बच्चों ने भाग लिया ।
- 24-28 फरवरी, 2003 को भोपाल की शैक्षिक यात्रा की

स्कूल में दिये जा रहे ग्रुप क्रियाशीलता में कुल 3,585 विद्यार्थियों ने भाग लिया ।

अध्याय - 11

11.0 मानसिक रूप से त्रुटिपूर्ण बच्चों के लिए मॉडल स्कूल एम.एस.एम.डी.सी., नई दिल्ली

मानसिक रूप से त्रुटिपूर्ण 101 बच्चों में से 38 छात्रावास में रहते थे और शेष 63 नियमित बच्चे थे । वर्ष के दौरान ऐसे 668 बच्चों को मार्गदर्शन और संदर्भ सेवाएँ प्रदान की गयीं ।

वर्ष के दौरान एम.एस.एम.डी.सी. द्वारा निम्न प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किये गये थे :

लक्ष्य वर्ग	प्रतिभागियों की संख्या
भाई-बहनें	20
समुदाय स्तर के कार्यकर्ता	30
अध्यापकगण	16
जनक	125
बालवाड़ी अध्यापकगण	15
विद्यार्थियों के लिए अभिमुखीकरण कार्यक्रम	55

एम.एस.एम.डी.सी. के विद्यार्थियों ने निम्न कार्यक्रमों में भाग लिया :

- इम्प्रेस्सेरिया भारत द्वारा आयोजित सांस्कृतिक समारोह
- वी.एस.ए.आई. द्वारा आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता
- विश्व स्वास्थ्य दिवस अर्थात् 07.04.2002 को संचालित स्वास्थ्य दौड़
- लियो आर्ट्स द्वारा संचालित एनिमेशन फिल्म मेकिंग कार्यशाला
- वी.एस.ए.आई. द्वारा संचालित नृत्य व नाटक पर कार्यशाला
- स्पेशल ओलंपिक्स भारत द्वारा आयोजित स्पेशल ओलंपिक्स टार्च रन
- राष्ट्रीय खेल 2002
- वाई.एम.सी.एस. द्वारा आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता
- अंकल बाब्जीस आर्गनाईजेशन द्वारा खिलौना बनाने की प्रतियोगिता

अध्याय - 12

12.0 समन्वित क्षेत्रीय केन्द्र, भोपाल

12.1 सीआरसी के लक्ष्य निम्न प्रकार हैं :

- मानव संसाधन विकास
- पुनर्वास सेवाओं का समर्पण
- अनुसंधान एवं विकास
- प्रलेखीकरण एवं प्रचार
- अन्य संगठनों के साथ परामर्शी और नेटवर्क

वर्तमान समय में केंद्र चार तात्कालिक शेडों में अवस्थित है, जिसका क्षेत्रफल 7500 वर्ग फीट है जिसमें संवेदी पार्क, बच्चों का खेल पार्क और नकली ग्राम पार्क नामक तीन खेल क्षेत्र हैं । केन्द्र पूर्ण रूप से नवंबर, 2000 में स्थापित किया गया, जहाँ फिलहाल निम्नलिखित सेवाएँ प्रदान की जाती हैं :

- विशेष शिक्षा मूल्यांकन (एम आर)
- वैयक्तिकृत शिक्षा कार्यक्रम
- वर्ग चिकित्सा
- व्यावसायिक मूल्यांकन व मार्गदर्शन
- मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन
- व्यवहार तरमीम
- जनक परामर्श
- विशेष शिक्षा और मोबिलिटी प्रशिक्षण का अभिमुखीकरण
- वाक् चिकित्सा-विज्ञान और श्रव्य मूल्यांकन
- व्यावसायिक चिकित्सा-विज्ञान, एडीएल प्रशिक्षण
- भौतिक चिकित्सा विज्ञान
- सहायक उपकरणों का वितरण

माननीय समाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री, डॉ. सत्यनारायण जटिया ने सीआरसी भोपाल का दौरा किया और सीआरसी के जरूरतमंद विकलाँग व्यक्तियों को सहायक उपकरण वितरित किये । इस अवसर पर प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया ।

सारणी - VII

वर्ष 2002-03 के दौरान सीआरसी द्वारा प्रदान की गयी सेवाओं के विवरण

वर्ग	कुल नये रोगी	अनुवर्ती सेवाएँ	वितरित सहायक उपकरण
दृष्टि क्षति	539	3185	123
श्रव्य क्षति	476	184	343
मानसिक मंदन	981	2100	565
हड्डी से विकलाँग	2241	2992	1445
अन्य	238	--	--
कुल	4475	8461	2476

सारणी - VIII

वर्ष 2002-03 के दौरान सीआरसी द्वारा संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण

कार्यक्रम	कार्यक्रमों की संख्या	प्रतिभागियों की संख्या
आंगनवाड़ी कार्यकर्ता	26	1493
जनकगण	16	486
जागरूकता कार्यक्रम	41	2910

अध्याय - 13

13.0 रीढ़ की चोटों के लिए क्षेत्रीय पुनर्वास केंद्र, जबलपुर

रीढ़ की चोटों के लिए क्षेत्रीय पुनर्वास केंद्र राज्य सरकार के अंतर्गत स्वायत्त संस्था है जिसे भारत सरकार निधियाँ प्रदान करती है । फिलहाल क्षेत्रीय पुनर्वास केंद्र जिला विकलाँग कल्याण तथा विकास समिति के नियंत्रणाधीन जबलपुर के जिलाधीश, जो कि समिति के पदेन अध्यक्ष हैं, के अधीन कार्यरत है ।

वर्ष 2002-03 के दौरान प्रदान की गई सेवाएँ निम्नानुसार हैं।

भर्ती हुए स्पैन रोगी	202
आपरेट किये गये रोगी	41
फिजियोथिरेपी सेवाएँ	133
बाहरी रोगी	340

केन्द्र के स्थाई भवनों का निर्माण पूरा होने पर केन्द्र इन स्थाई भवन में कार्यरत् है।

अध्याय - 14

14.0 दौरे

14.1 राज्य सभा के पटल पर रखे गये पत्रों पर समिति

डॉ. अल्लाडि राजकुमार की अध्यक्षता में 6-7 जनवरी, 2003 को भारत सरकार के सार्वजनिक उपक्रमों / स्वायत्त निकायों द्वारा राज्य सभा के पटल पर रखे गये कागज-पत्रों पर चर्चा के लिए, राज्यसभा के पटल पर रखे गये कागज-पत्रों पर समिति का हैदराबाद में आगमन हुआ । समयानुसूची के अनुसार राष्ट्रीय मानसिक विकलाँग संस्थान को 7 जनवरी, 2003 का समय दिया गया । संस्थान के निदेशक महोदय ने संस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए संस्थान के कार्यकलापों और उपलब्धियों को समिति के समक्ष प्रस्तुत किया । समिति ने 1998-99 तथा 2000-01 वर्षों की वार्षिक रिपोर्ट राज्य सभा को पटल पर पुस्तुत करने में हुई देरी का कारण पूछा । श्री सी.एस. मोहापात्र, निदेशक (एन आई), जिन्होंने बैठक में भाग लिया था, देरी के कारणों को स्पष्ट किया ।

माननीय मंत्री द्वारा पौधा रोपण

14.2 माननीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री, भारत सरकार

माननीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री महोदय, भारत सरकार का 14 जनवरी, 2003 को संस्थान में आगमन हुआ । संस्थान के निदेशक महोदय ने संस्थान के कार्यकलापों और उपलब्धियों को प्रस्तुत किया । प्रस्तुतीकरण के पश्चात् मंत्री महोदय ने संस्थान के संकाय सदस्यों के साथ संक्षिप्त चर्चा की । उन्होंने संस्थान द्वारा प्रदान कार्यक्रमों और सेवाओं को स्वयं देखा और बच्चों को पुष्प वितरित किये ।

14.3 सचिव, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार

श्री सी.गोपाल रेड्डी, सचिव, भारत सरकार, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय का 6 जून, 2002 को संस्थान में आगमन हुआ । अपने आगमन के दौरान श्री गोपाल रेड्डी हर एक विभाग में गये और संकाय से बातचीत की तथा जनकों से भी मिले । सचिव का आगमन संस्थान के लिए विशेष उत्साहवर्धक रहा क्योंकि सचिव महोदय ने इच्छा प्रकट की थी कि राष्ट्रीय मानसिक विकलाँग संस्थान को निम्न कार्य अवश्य करने चाहिए :

- अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान तथा निम्हैन्स आदि राष्ट्रीय संस्थाओं के अनुरूप राष्ट्रीय मानसिक विकलाँग संस्थान ऊँचा उभरे ।
- राज्य सरकारों के साथ अंतर-वार्ता बढ़ाये ।
- संस्थान के बारे में खूब जागरूकता लाये ताकि देश के कोने-कोने के लोग इन सेवाओं का लाभ उठा सकें ।
- अन्तर्राष्ट्रीय निकायों के साथ नेटवर्क में वृद्धि करे ।

श्री सी.गोपाल रेड्डी, सचिव, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा संस्थान के संकाय सदस्यों के साथ परस्पर क्रिया

14.4 अध्यक्ष, विकलाँगताओं पर उच्च स्तरीय समिति, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार

श्री एम.सी. नहाटा, अध्यक्ष, विकलाँगताओं पर उच्च स्तरीय समिति, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने 13-15 मई, 2002 को संस्थान का दौरा किया । अपने दौरे के समय संस्थान के विभिन्न कार्यकलापों को दिखाया गया और उन्होंने संस्थान द्वारा किये जा रहे कार्यक्रमों पर चर्चा की ।

14.5 अध्यक्ष, गैर-सरकारी संगठनों पर सत्यम समिति, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार

श्री सत्यम, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा गठित सलाहकार समिति के अध्यक्ष, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न सहायता अनुदान योजनाओं को श्रेणीबद्ध करने की आवश्यकता पर चर्चा करने के लिए 27 मार्च, 2003 को संस्थान का दौरा किया । उनके दौरे के समय निम्न बैठकें की गयीं :

- आँध्र प्रदेश सरकार के विकलाँग कल्याण मंत्री, प्रधान सचिव, आयुक्त तथा अन्य अधिकारियों के साथ बैठक.
- गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक, जिसमें कुल 139 गैर- सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया.

अध्याय - 15

15.0 प्रशासन

15.1 स्टाफ की संख्या और आरक्षण नीति का कार्यान्वयन

भारत सरकार, कार्मिक व प्रशिक्षण मंत्रालय, कार्मिक, जन शिकायतें तथा पेंशन विभाग के कार्यालय ज्ञापन सं. 36012/12/96-स्थापना (रेस) दिनांक : 02.07.1997 में निहित संशोधित पद आधारित रोस्टर को अंगीकार करके पालन किया गया ।

31 मार्च, 2003 को स्थित पदों की कुल संख्या और किये गये आरक्षण नीचे दिये गये हैं :

वर्ग	स्वीकृत सं.	भरे गये पदों की संख्या			
रा.मा.वि.सं. और क्षे.के.		कुल	अनु.जाति %	अनु.ज.जाति %	ओ.बी.सी. %
क	26	24	5 (20.83)	1 (4.16)	4 (16.66)
ख	10	10	0	1 (10)	0
ग	58	53	12 (22.64)	5 (9.43)	4 (7.54)
घ	18	15	9 (59.9)	1 (6.66)	0
कुल	112	102	26(25.49)	8(7.84)	8(7.84)
एमएसएमडीसी					
क	1	1	0	0	0
ख	1	1	0	0	0
ग	24	23	4 (17.39)	1 (4.34)	2 (8.69)
घ	15	7	7 (100)	0	
कुल	41	32	11 (34.38)	1 (3.12)	2 (6.25)

15.2 राजभाषा अधिनियम का कार्यान्वयन

वर्ष 2002-03 के दौरा क तथा ख क्षेत्रों के साथ हिन्दी में पत्राचार बढ़ाया गया और इस संबंध में मंत्रालय से प्रशंसा पत्र भी मिला है । राजभाषा के क्षेत्र में निम्नलिखित कार्यकलाप किये गये :

- आठ अधिकारियों ने प्रबोध / प्रवीण / प्राज्ञ परीक्षाएँ सफलतापूर्वक पूरी कीं ।
- एक टंकक को हिंदी टंकण (कंप्यूटर) में प्रशिक्षित किया गया ।

- राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अनुसार सभी दस्तावेज हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में जारी किये गये ।

- हिन्दी में प्राप्त पत्रों का जवाब हिंदी में दिया गया ।

- संस्थान द्वारा संचालित विभिन्न परीक्षाओं के सभी प्रश्न पत्र द्विभाषी रूप में तैयार किये गये तथा परीक्षार्थियों को विकल्प दिया गया कि वे चाहें तो अपने उत्तर हिन्दी में भी दे सकते हैं ।

- बाल्यकालीन विकलाँगताएँ, जागरूकता पोस्टर्स, पढ़ाने और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के कैलेंडर, संस्थान का सूचना ब्रोशर, संस्थान के प्रकाशनों की सूची और निम्न शीर्षकों की (1) प्रेरणा सामग्री की तैयारी (2) व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए पाठ्यक्रम - दोनों को अनुवादित कर हिंदी में मुद्रित किया गया ।

- सितंबर, 1-15 के बीच हिंदी पखवाड़ा समारोह मनाया गया ।

- वर्ष के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 4 बैठकें हुईं ।

15.3 भवनों का निर्माण

एमएसएमडीसी के लिए नोइडा सेक्टर-40 में स्थायी भवन निर्मित करने का प्रस्ताव रखा गया था । केंद्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा तैयार की गयी डिजाइनें सक्षम प्राधिकार द्वारा अनुमोदित की गयी हैं ।

सीआरसी, भोपाल के लिए नये भवनों का निर्माण कार्य कजुरिका रोड, सोस गाँव के पास भोपाल में शुरू कर दिया गया है । नयी जमीन पर सरहदी दीवार बनाने का काम पूरा हो चुका है । के.लो.नि.वि. द्वारा मुख्य भवनों के निर्माण का कार्य बहुत जल्द शुरू किया जाएगा । के.लो.नि.वि. द्वारा तैयार की गयी डिजाइनें, ड्राईंगें आदि सक्षम अधिकारी के पास जाँच के लिए भेजी जा चुकी हैं ।

अली यावर जंग राष्ट्रीय श्रव्य विकलाँग संस्थान और राष्ट्रीय मानसिक विकलाँग संस्थान के कोलकाता स्थित क्षेत्रीय केन्द्रों के चरण के संयुक्त भवन के निर्माण का कार्य चालू है । इस चरण में स्टाफ क्वार्टर्स और छात्रावास भवन निर्मित किये जा रहे हैं ।

15.4 सतकर्ता एकक के कार्यकलाप व उपलब्धियाँ

प्रसंगाधीन वर्ष के दौरान मुद्रण, सुरक्षा, बागबानी और साफ-सफाई और गाड़ियों की मरम्मत तथा दवाइयों की प्राप्ति के लिए दर ठेके जारी हैं । सभी विभागों तथा क्षेत्रीय केंद्रों का एमएसएमडीसी सहित स्टाक की जाँच का कार्य मार्च, 2003 को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष के लिए पूरा कर दिया गया है । सतर्कता मामलों की त्रैमासिक, अर्धवार्षिक और वार्षिक रिपोर्ट तथा विवरणियाँ, भारत सरकार के निदेशानुसार विभिन्न सतर्कता प्राधिकारियों को भेज दी गयी हैं ।

15.5 परिषद् की बैठकें

कार्यकारी समिति की चार बैठकें क्रमश: 17.04.2002, 14.06.2002, 23.09.2002 तथा 21.01.2003 को संपन्न हुई ।

महा परिषद् की वार्षिक सामान्य बैठक 27.09.2002 को संपन्न हुई । वर्ष 2001-02 के लिए वार्षिक रिपोर्ट तथा लेखा परीक्षा रिपोर्ट के साथ वर्ष 2003-04 तथा वर्ष 2003-04 के बजट अनुमानों को सामान्य परिषद् द्वारा अनुमोदित कर दिया गया है ।

शैक्षिक समिति की सिफारिशों के अनुसार सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से आचार-शास्त्र समिति गठित की गयी और आचार-शास्त्र समिति की पहली बैठक 21 अक्तूबर, 2002 को संपन्न हुई और नैतिक दृष्टिकोण से संस्थान द्वारा की जा रही चालू परियोजनाओं की मंजूरी भी मिल गयी ।

14 दिसंबर, 2002 को शैक्षिक समिति की बैठक संपन्न हुई । समिति ने चालू परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और प्रस्तावित नयी परियोजनाओं को भी मंजूरी दे दी ।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की उच्च स्तरीय समिति द्वारा संस्थान के निष्पादन की समीक्षा की गयी जो 19.06.2002 को आईपीएच, नई दिल्ली में संपन्न हुई ।

15.6 संस्थान के लेखे

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान संस्थान ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, नई दिल्ली से सहायता अनुदान के रूप में 1096.00 लाख रुपयों की राशि प्राप्त की । संस्थान के खाते में आदि शेष के रूप में 135.12 लाख रुपयों की राशि थी और उसने आंतरिक स्त्रोतों के जरिए 42.56 लाख रुपयों की राशि जनित करके अतिरिक्त अन्य स्त्रोतों से 228.87 लाख रुपयों की राशि प्राप्त की । प्राप्तियों के रूप में इन तमाम राशियों की कुल राशि 1502.55 लाख रुपये रही जिसे सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में बचत खाते के रूप में संस्थान के खाते में जमा किया गया ।

प्रसंगाधीन वर्ष के दौरान योजना कार्यक्रमों और कार्यकलापों पर 1502.55 लाख रुपयों की जमा राशि में से 1422.05 लाख रुपयों की राशि खर्च की गयी ।

वर्ष 2002-03 के लिए प्राप्तियों और भुगतानों का लेखा वर्ष 2002-03 के लिए आय तथा व्यय का लेखा और 31 मार्च, 2003 को समाप्त वर्ष के संस्थान के तुलन पत्र सहित लेखा परीक्षा प्रमाण पत्र भी इस वार्षिक रिपोर्ट के साथ अनुबंध रूप में संलग्न हैं ।

लेखापरीक्षा प्रमाण पत्र

मैने राष्ट्रीय मानसिक विकलांग संस्थान, सिकंदराबाद के 31 मार्च 2003 समाप्त हुए वर्ष के प्राप्ति और भुगतान लेखा एवं आय और व्यय लेखा तथा दिनांक 31 मार्च 2003 के तुलना पत्र की जाँच कर ली है। मैने सभी अपेक्षित सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिये हैं और संलग्न लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में दी गई अभ्युक्तियों के अध्ययन अपनी लेखापरीक्षा के परिणामस्वरूप, मैं प्रमाणित करता हूँ कि मेरी राय में और सर्वोत्तम सूचना और मुझे दिये गये स्पष्टीकरणों और संगठन की बहियों में किये गये उल्लेख के अनुसार ये लेखे और तुलन पत्र उपयुक्त रूप से तैयार किये गये हैं और राष्ट्रीय मानसिक विकलांग संस्थान, सिकंदराबाद के कार्यकलाप का सही और उचित रूप प्रस्तुत करते हैं।

स्थान : हैदराबाद — ह/-

दिनांक : 10.09.2003 — प्रधान महालेखाकर (लेखा परीक्षा-1)

राष्ट्रीय मानसिक विकलाँग संस्थान, सिकंदराबाद के वर्ष 2002-03 के लिए लेखों पर लेखा-परीक्षा रिपोर्ट

1. भूमिका

राष्ट्रीय मानसिक विकलाँग संस्थान, सिकन्दराबाद की पंजीकृत सोसाइटी के रूप में वर्ष 1984 में स्थापना की गयी थी । संगठन के मुंबई, कोलकाता और नई दिल्ली में तीन क्षेत्रीय केन्द्र हैं तथा नई दिल्ली में मानसिक त्रुटिपूर्ण बच्चों के लिए मॉडल स्कूल हैं ।

1.1 संस्थान के लक्ष्य और उद्देश्य हैं :

1) मानसिक विकलाँग व्यक्तियों की शिक्षा तथा पुनर्वास के सभी पहलुओं पर अनुसंधान, प्रवर्तित करना, समन्वय या आर्थिक सहायता देना

2) प्रवर्तित, समन्वय या अनुसंधान को बायो मेडिकल इंजीनियरिंग में सहायक उपकरणों को प्रभावी रूप से तब्दील करने का मूल्यांकन करना या नये सहायक उपकरणों का उचित शल्य चिकित्सीय या स्वास्थ्य पद्धतियों के लिए विकास करना

3) प्रशिक्षार्थियों और प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण देना या प्रवर्तित करना, अधिकारियों, मनोरोग-चिकित्सकों, व्यावसायिक परामर्शदाताओं और ऐसे अन्य कार्मिकों को जो संस्थान के लिए मानसिक विकलाँगों की शिक्षा, प्रशिक्षण या पुनर्वास के लिए आवश्यक समझे जाएँ, की नियुक्ति करना

4) मानसिक विकलाँगों के चिकित्साशास्त्रीय शिक्षा, पुनर्वास के किसी भी पहलू की प्रोन्नति के लिए तमाम सहायक उपकरणों की अभिकल्पना करके उनके प्रोटोटाइपों का निर्माण कर या उनके निर्माण में आर्थिक सहायता प्रदान कर और उन्हीं या तमाम उपकरणों का वितरण करना है ।

1.2 संगठन के लेखों की लेखा परीक्षा करने की जिम्मेदारी वर्ष 1999-2000 से 2003-2004 तक 5 वर्षों के लिए नियंत्रक व महालेखा परीक्षक (सेवा अधिनियम, 1971 की ड्यूटियाँ, शक्तियाँ और परिस्थितियाँ) की धारा 20(1) के अंतर्गत, भारत के नियंत्रक व महालेखा परीक्षक को सौंपी गयी है ।

2. वित्तीय स्थिति

वर्ष 2002-2003 के दौरान संस्थान ने सहायता अनुदान के रूप में 1098.00 लाख रुपयों की राशि योजना और 540.00 लाख रूपयों की राशि, गैर-योजना के अंतर्गत 231.00 लाख रुपयों की राशि, विकलाँग और क्षति से ग्रस्त लोगों की विशिष्ट उद्देश्य सहायता योजना के लिए, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी परियोजनाओं के लिए भारत सरकार से 335.00 लाख रूपये और 2.44 लाख रूपये तथा 63.54 लाख रुपये अली यावर जंग स्मारक श्रव्य विकलाँग संस्थान और विश्व स्वास्थ्य संगठन से 1.00 लाख रुपयों की राशि प्राप्त की ।

3.0 लेखों पर टीका-टिप्पणियाँ

लेखों का संशोधन

संस्थान ने लेखा परीक्षा करते समय की गयी लेखा परीक्षा टीका-टिप्पणियों के प्रकाश में अपने लेखों में संशोधन किया है । संशोधन का प्रभाव, कार्यकारी परिषद् के 15.06.2003 के संकल्प में उल्लेख किये गये अनुसार, यह रहा है कि आय से अधिक 54.63 लाख रुपयों के अति व्यय को घटाकर 48.00 लाख रुपये कर दिया गया है ।

4.0 सामान्य

1) संस्थान के लेखों को केन्द्रीय स्वायत्त निकायों के लिए बने प्रपत्र में संकलित नहीं किया गया है । संस्थान ने मई, 2003 में यह बताया कि सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय से उक्त प्रपत्र पाने की प्रतीक्षा की जा रही है ।

2) संस्थान ने भारत सरकार से प्राप्त अनुदान में से मध्य प्रदेश राज्य सरकार के कार्यक्रम को क्षेत्रीय पुनर्वास केंद्र, जबलपुर द्वारा कार्यान्वित करने के लिए 113.00 लाख रुपयों का अनुदान मंजूर किया है । यद्यपि क्षेत्रीय पुनर्वास केंद्र, जबलपुर की वर्ष 2002-2003 की लेखा-विवरणी शासपत्रित लेखाकार द्वारा प्रमाणित की जा चुकी है, फिर भी प्राप्तियाँ और भुगतानों, आय तथा व्यय, तुलनपत्र के अभिलेखों के प्रस्तुतीकरण के अभाव में, जाँच नहीं की जा सकी । संस्थान ने कहा है कि क्षेत्रीय पुनर्वास केंद्र, जबलपुर के लेखों का लेखा-जोखा रखने में उसकी कोई भूमिका नहीं है ।

3) 31.03.2003 को समाप्त वर्ष की आस्तियों की भौतिक जाँच जारी है, अत: आस्तियों के मूल्य का सही मूल्यांकन होने या न होने को लेखों में प्रदर्शित किये जाने की बात को लेखा-परीक्षा ने सुनिश्चित नहीं किया है ।

स्थान : हैदराबाद

दिनांक : 10.09.2003

ह/-

(एम.एस.शेखावत)

प्रधान महालेखाकार (लेखा परीक्षा-1)

आँध्र प्रदेश, हैदराबाद

राष्ट्रीय मानसिक विकलांग संस्थान, सिकंदराबाद

रसीद तथा भुगतान खाता - वर्ष 2002-03

रसीद		2001-02	2002-03
को			
आदिशेष	(अनुसूची - 1)	रु.	रु.
अ) हाथ रोकड़		44,500	67,599
आ) बैंक रोकड़		7,173,683	4,177,024
इ) डाक घर रोकड़		327,410	338,727
ई) पेन्शन तथा ग्रैचुइटी निधि खाता		26,488	26,488
उ) एन.आई.एम.एच. एडिप योजना		-	8,902,423
सहायता अनुदान	(अनुसूची - 2)	56,650,000	77,100,000
अन्य संगठनों से रसीद		-	32,500,000
कर्मचारियों से ऋण/ अग्रिम की वसूली	(अनुसूची - 3)	-	344,000
अन्य संगठनों से प्राप्तिया	(अनुसूची - 4)	27,053,000	6,893,500
ऋण व अग्रिम के वसूली	(अनुसूची - 5)	-	1,385,937
ऋण व अग्रिम	(अनुसूची - 6)	9,899,087	2,962,949
बैंक ब्याज तथा डाक घर खाता	(अनुसूची - 7)	48,865	32,012
आंतरिक रसीद	(अनुसूची - 8)	4,444,470	4,224,377
आर.आर.सी.जबलपुर		16,600,000	11,300,000
Total Rs.		122,267,503	150,255,036

भुगतान		2001-02	2002-03
से			
		रु.	रु.
शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्रों को वित्तीय सहायता	(अनुसूची - 9)	4,678,500	3,351,945
दीर्घकालीन पाठ्यक्रम (बी.आर.एस., डी.एस.ई. तथा डी.वी.टी)		2,812,163	4,003,840
अल्पकालीन पाठ्यक्रम		520,180	1,209,838
राष्ट्रीय स्तर कार्यशाला / कार्यक्रम		935,519	713,015
खेल व सांस्कृतिक कार्यक्रम		111,638	209,480
सार्वजनिक जागरूकता		59,543	1,421,360
अउटरीच तथा एक्स्टेन्शन कार्यक्रम	(अनुसूची - 10)	7,361,031	5,741,842
एजुकेशनल प्रोग्राम फर लो इन्सिडेन्स		35,000	26,276
अनुसंधान एवं विकास		1,170,948	3,538,309
सूचना तकनीकी		1,225,500	1,047,326
लिविंग स्किल किट		122,906	-
एर्ली इन्टरवेन्शन प्रोग्राम		530,131	678,044
भूमि		6,309,622	3,495,452
भवन		8,741,410	7,009,214
उपकरण		1,210,778	1,829,044
वाहन		745,573	-
फर्नीचर		369,457	238,991
पुस्तकालय की पुस्तकें		625,955	700,745
प्रलेखन व प्रचार		240,882	367,254
पुस्तकों का मुद्रण		46,672	1,236,485
मरम्मत, रखरखाव व पेटी कार्य		1,265,563	2,006,297
वेतन, मजदूरी व भत्ता		17,251,278	19,226,996
ऋण व अग्रिम		1,873,105	2,130,825
पेन्शन तथा ग्रैचुइटी		2,234,316	3,033,399
कर्मचारी प्रशिक्षण		81,074	106,546
यात्रा भत्ता		564,290	682,125
बागबानी		656,899	509,718
सुरक्षा सेवाएँ		1,861,038	1,908,998
सैनिटेशन व सफाई		1,462,419	1,507,012
इलेक्ट्रीकल तथा प्लम्बिंग		-	223,896
मानदेय तथा परिश्रमी		510,032	454,710
पब्लिसिटी तथा विज्ञापन		71,952	623,937
मुद्रण तथा स्टेशनरी		914,347	1,416,186
बिजली		1,651,567	1,716,247
पी.ओ.एल.तथा वी.आर.एम.		808,645	672,908
दवाइयाँ		537,067	595,133
डाक, तार व टेलीफोन		1,221,997	1,212,360
लेखा परीक्षा शुल्क		51,765	83,923
बीमा		116,113	116,025
वसूली / समंजनीय अग्रिम		1,000,000	7,405,888
टी.सी.ए.डी., हैदराबाद		4,300,000	2,500,000
एन.आई.एम.एच. उत्तरी पूर्व राज्य		3,588,039	7,325,055
विवध	(अनुसूची - 11)	1,063,748	392,738
एन.आई.एम.एच. एडिप योजना		11,216,580	38,235,143
आर.आर.सी.जबलपुर को अनुदान का पुन:अंतरण		16,600,000	11,300,000
अंतिम शेष	(अनुसूची - 12)	-	-
हाथ रोकड़		67,599	42,342
बैंक रोकड़		13,079,447	4,472,839
डाक घर रोकड		338,727	341,562
पेन्शन तथा ग्रैचुइटी निधि खाता		26,488	26,488
बैंक रोकड/ एन.आई.एम.एच.एडिप योजना		-	3,167,280
		122,267,503	150,255,036

ह/-
लेखा अधिकारी

ह/-
उपनिदेशक (प्र) इंचार्ज

ह/-
निदेशक

राष्ट्रीय मानसिक विकलांग संस्थान, सिकंदराबाद

आय तथा व्यय खाता - वर्ष 2002-03

Fingures in Rs.

व्यय		2001-02	2002-03
को			
शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्रों को वित्तीय सहायता		4,678,500	3,351,945
दीर्घकालीन पाठ्यक्रम (बी.आर.एस., डी.एस.ई. तथा डी.वी.टी)		2,812,163	2,458,186
अल्पकालीन पाठ्यक्रम		520,180	1,074,416
राष्ट्रीय स्तर कार्यशाला / कार्यक्रम		935,519	713,015
खेल व सांस्कृतिक कार्यक्रम		111,638	209,480
सार्वजनिक जानकारी		59,543	1,356,360
ग्रामीण शिविर / विकलांग बंधु		-	-
अउटरीच तथा एक्टेन्शन कार्यक्रम		1,561,031	10,681,781
एजुकेशनल प्रोग्राम फर लो इन्सिडेन्स		35,000	26,276
अनुसंधान एवं विकास		1,170,948	3,223,309
सूचना तकनीकी		1,225,500	1,047,326
लिविंग स्किल किट		122,906	-
एर्ली इन्टरवेन्शन प्रोग्राम		530,131	678,044
प्रलेखन व प्रचार		240,882	367,254
पुस्तकों का मुद्रण		46,672	1,236,485
मरम्मत, व पेटी कार्य		1,379,041	2,043,454
वेतन, मजदूरी व भत्ता		17,475,161	19,226,996
पेन्शन तथा ग्रैचुइटी		2,234,316	3,033,399
कर्मचारी प्रशिक्षण		81,074	106,546
यात्रा भत्ता		564,290	682,125
बागबानी		694,380	580,101
सुरक्षा सेवाएँ		1,977,354	2,087,903
सैनिटेशन व सफाई		1,437,249	1,574,369
एलक्ट्रिकल तथा प्लम्बिंग		280,707	-
मानदेय तथा पारिश्रमी		510,032	454,710
पब्लिसिटी तथा विज्ञापन		71,952	623,937
मुद्रण तथा स्टेशनरी		966,528	1,364,005
बिजली		1,525,694	1,578,112
पी.ओ.एल.तथा वी.आर.एम.		808,645	672,908
दवाईयाँ		537,067	595,133
डाक, तार व टेलीफोन		1,221,997	1,212,360
लेखा परीक्षा शुल्क		51,765	123,923
बीमा		116,113	116,025
वसूली / समंजनीय अग्रिम		500,000	-
विवध		1,062,098	392,644
टी.सी.ए.डी., हैदराबाद		-	-
एन.आई.एम.एच. उत्तरी पूर्व राज्य		2,760,166	6,715,493
एन.आई.एम.एच. एडिप योजना		11,216,580	38,235,143
मूल ह्रास	(अनुसूची - 13)	1,298,199	1,814,738
पूर्वावधि एजस्टमेंट		500,000	-
आस्तियों के विक्रय में हानि		-	41,889
व्यय पर अधिकतम आय		422,241	-
कुल योग रु.		63,462,555	109,980,497

आय		2001-02	2002-03
से			
सहायता अनुदान	(अनुसूची - 2)	56,650,000	77,100,000
प्रोद्भूत अनुदान पर इस वर्ष प्राप्त नहीं हुए		-	4,310,000
अन्य संगठनों से अनुदान	(अनुसूची - 14)	20,966,000	36,363,988
	-	77,616,000	117,773,988
घटाएँ: पूँजी वस्तुओं के लिए उपयुक्त	(अनुसूची - 15)	18,002,795	13,388,446
	-	59,613,205	104,385,542
जोड़:	-	-	
बैंक तथा डाक घर ब्याज	(अनुसूची - 7)	48,865	32,012
विवध रसीद	(अनुसूची - 8)	3,800,485	4,224,377
आय पर अधिकतम व्यय		-	1,338,566
		63,462,555	109,980,497

ह/-
लेखा अधिकारी

ह/-
उपनिदेशक (प्र) इंचार्ज

ह/-
निदेशक

राष्ट्रीय मानसिक विकलांग संस्थान, सिकंदराबाद

31.3.2003 तक की तुलन पत्र

दायित्व		31.3.2002 तक	31.3.2003 तक	आस्तियाँ		31.3.2002 तक	31.3.2003 तक
मूलनिधि		रु.	रु.	स्थिर आस्तियाँ ह्रास घटाकर		रु.	रु.
मूलनिधि फंड		190,049,141	203,437,587	भूमी		14,912,943	18,408,395
(भारत सरकार से सहायता अनुदान)				भवन			
				अ) सी.पी.डब्ल्यु डी को अग्रिम		73,440,000	80,040,000
वर्तमान दायित्व तथा प्रावधान				आ) भवन		59,323,960	59,721,084
संड्री क्रेडिटर्स	(अनुसूची - 16)	8,808,462	2,602,074	इ) वुडन पार्टीशन		213,945	213,945-
				उपकरण		15,903,504	17,035,745-
				फर्नीचर		6,307,130	6,460,551
आय तथा व्यय खाते में से				वाहन		3,379,607	3,098,078
ली गई सरप्लस		20,262,610	18,924,044	पुस्तकालय की पुस्तकें		5,701,607	5,701,607
				टी.वी.स्पाट्स्		4,971,084	4,971,084
				वर्तमान आस्तियाँ, ऋण तथा अग्रिम		-	-
				प्रोद्भूत अनुदान		-	4,310,000
				ऋण तथा अग्रिम	(अनुसूची - 17)	21,358,082	16,856,615
				पी.एन्ड टी.में जमा		96,090	96,090
				नकद तथा बैंक शेष		13,512,261	8,050,511
कुल योग		219,120,213	224,963,705			219,120,213	224,963,705

ह/-
लेखा अधिकारी

ह/-
उपनिदेशक (प्र) इंचार्ज

ह/-
निदेशक

राष्ट्रीय मानसिक विकलांग संस्थान, सिकंदराबाद

रसीद के विवरण - वर्ष 2002-03

क्र.	रसीद के विवरण	एन.आई.एम.एच. मुख्यालय, सिकंदराबाद	एम.एस.एम.डी.सी., नई दिल्ली	एन.आई.एम.एच. क्षे.के., नई दिल्ली	एन.आई.एम.एच. क्षे.के., मुम्बई	एन.आई.एम.एच., क्षे.के., कोलकता	कुल योग	योग शीर्ष-वार
1.	आदिशेष	-	-	-	-	-	-	-
अ)	हाथ रोकड़	63,099	2,500	0	1,000	1,000	67,599	67,599
आ)	बैंक रोकड़	-	779,606	113,626	420,047	121,168	1,434,447	-
(i)	पी.एन.बी.खाता नं.1	2,612,950	-	-	-	-	2,612,950	-
ii)	पी.एन.बी. खाता नं.2	129,627	-	-	-	-	129,627	4,177,023
iii)	एस.बी.ओ.पी.खाता नं.20	-	-	-	-	-	0	-
इ)	डाक घर	-	-	-	-	-	0	-
(i)	खाता नं.128413 (एच.पी.ओ)	94,472	-	-	-	-	94,472	-
ii)	खाता नं.760258 (एम.वी.एन.)	244,255	-	-	-	-	244,255	338,727
ई)	पेन्शन तथा ग्रैचुइटी खाता	26,488	-	-	-	-	26,488	26,488
2.	सहायता अनुदान	77,100,000	{6,504,548	2,000,000	900,000	1,800,000}	88,304,548	77,100,000
3.	विशिष्ठ परियोजनाओं के लिए अनुदान	344,000	-	-	-	-	344,000	344,000
4.	अन्य संगठनों से प्राप्तियाँ	6,893,500	-	-	-	-	6,893,500	6,893,500
5.	ऋण तथा अग्रिम (एजस्टमेंट तथा वसूली)	2,962,949	-	-	-	-	2,962,949	2,962,949
6.	बैंक ब्याज तथा पी.ओ.खाता	-	6,936	3,037	12,573	4,317	26,863	-
i)	एस.बी.ओ.पी. खाता नं.20	2,314	-	-	-	-	2,314	-
ii)	पी.ओ.खाता नं.128413 (एच.पी.ओ)	2,835	-	-	-	-	2,835	32,012
7.	ऋण व अग्रिम के वसूली	1,344,735	-	-	41,202	-	1,385,937	1,385,937
8.	आंतरिक रसीद	-	-	-	-	-	0	-
i)	एफिलियेशन शुल्क	976,324	-	-	-	-	976,324	-
ii)	पाठ्यक्रम शुल्क	1,503,770	-	-	225,708	-	1,729,478	-
iii)	डी.एस.ई.(एम.आर.)नोट्स की बिक्री	91,528	-	56,261	12,396	15,447	175,632	-
iv)	विशेष शिक्षा केन्द्र तथा स्कूल फीस	33,070	48,640	90,200	-	10,882	182,792	-
v)	सामान्य सेवाएँ	107,852	-	-	2,172	9,263	119,287	-
vi)	पुस्तकालय	485,027	-	-	-	-	485,027	-
vii)	आवास गृह	87,200	-	-	-	-	87,200	-
viii)	परिवार कुटीर	20,120	-	-	-	-	20,120	-
ix)	स्टाफ क्वार्टर / स्टाफ कार	115,584	-	1,908	-	-	117,492	-
x)	क्वार्टर्स गार्बेज	8,712	-	-	-	-	8,712	-
xi)	टेंडर विक्रय	19,700	-	-	-	-	19,700	-
xii)	जी.एस.एल.आई.सी.	33,289	-	-	-	-	33,289	-
xiii)	स्कॉलरशिप	2,900	-	-	-	-	2,900	-
xiv)	ई.एम.डी.	136,000	-	-	-	-	136,000	-
xv)	डोनेशन्स	1,000	-	-	-	-	1,000	-
xvi)	रायल्टीज़	22,865	-	-	-	-	22,865	-
xvii)	प्लेग्राउन्ड रेन्ट	19,000	-	-	-	-	19,000	-
xviii)	आस्तियों के विक्रय	35,111	-	-	-	-	35,111	-
xix)	एन.आई.एम.एच. रिक्रियेशन क्लब	4,875	-	-	-	-	4,875	-
xx)	छुट्टी का वेतन तथा पेंशन अंशदान	22,542	-	-	-	-	22,542	-
xxi)	अन्य विविध	10,054	-	4,500	9,277	1,200	25,031	4,224,377
	कुल राशी	95,557,747	7,342,230	2,269,532	1,624,375	1,963,277	108,757,160	97,552,612
9.	एन.आई.एम.एच. एडिप खाता -ओ.बी.	8,902,423	-	-	-	-	8,902,423	-
	वर्ष के दौरान अनुदान	32,500,000	-	-	-	-	32,500,000	-
	कुल	41,402,423	-	-	-	-	41,402,423	41,402,423
10.	एन.आई.एम.एच. आर.आर.सी., जबलपुर खाता	11,300,000					11,300,000	11,300,000
	कुल योग	148,260,170	7,342,230	2,269,532	1,624,375	1,963,277	161,459,583	150,255,035

राष्ट्रीय मानसिक विकलांग संस्थान, सिकंदराबाद

भुगतान विवरण - वर्ष 2002-03

क्र.	रसीद के विवरण	एन.आई.एम.एच. मुख्यालय, सिकंदराबाद	एम.एस.एम.डी.सी., नई दिल्ली	एन.आई.एम.एच. क्षे.के., नई दिल्ली	एन.आई.एम.एच. क्षे.के., मुम्बई	एन.आई.एम.एच., क्षे.के., कोलकता	कुल योग	योग शीर्ष-वार
1.	शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्रों को वित्तीय सहायता	3,351,945	-	-	-	-	3,351,945	3,351,945
2.	दीर्घकालीन पाठ्यक्रम	1,676,445	15,660	71,908	600,326	199,501	2,563,840	-
3.	सामान्य प्रवेश परीक्षा	1,440,000	-	-	-	-	1,440,000	4,003,840
4.	अल्पावधि पाठ्यक्रम	824,688	300,901	13,206	71,043	-	1,209,838	1,209,838
5.	राष्ट्रीय स्तर कार्यक्रम / कार्यशाला	651,059	-	61,956	-	-	713,015	713,015
6.	एक्टेन्शन तथा अउटरीच कार्यक्रम	5,741,842	-	-	-	-	5,741,842	5,741,842
7.	एजुकेशनल प्रोग्राम फर लो कास्ट इन्सिडेन्स	26,276	-	-	-	-	26,276	26,276
8.	सार्वजनिक जानकारी	1,301,113	5,247	-	-	-	1,306,360	1,306,360
9.	खेल तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम	205,413	560	3,507	-	-	209,480	209,480
10.	अनुसंधान एवं विकास	3,160,309	-	-	-	-	3,160,309	3,160,309
11.	सूचना तकनीकी	1,047,326	-	-	-	-	1,047,326	1,047,326
12.	दैनिक जीवन कुशलता किट का विकास	-	-	-	-	-	-	-
13.	प्रारंभिक हस्तक्षेप कार्यक्रम	678,044	-	-	-	-	678,044	678,044
14.	अनुसंधान फेलोशिप योजना	-	-	-	-	-	-	-
15.	टी.वी.स्पॉट्स तथा वीडियो फिल्म	115,000	-	-	-	-	115,000	115,000
16.	भूमि (नोयडा भवन)	3,495,452	-	-	-	-	3,495,452	3,495,452
17.	भवन	7,009,214	-	-	-	-	7,009,214	7,009,214
18.	उपकरण	1,680,453	69,191	44,778	11,960	22,662	1,829,044	1,829,044
19.	वाहन	-	-	-	-	-	-	-
20.	फर्नीचर	177,639	36,256	9,920	9,047	6,129	238,991	238,991
21.	दवाईयाँ	595,133	-	-	-	-	595,133	595,133
22.	पुस्तकालय की पुस्तकें	644,086	4,717	25,085	25,383	1,474	700,745	700,745
23.	प्रलेखन तथा प्रचार	365,110	-	2,144	-	-	367,254	367,254
24.	पुस्तकों का प्रकाशन	1,065,215	-	144,900	26,370	-	1,236,485	1,236,485
25.	राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद्	378,000	-	-	-	-	378,000	378,000
26.	एम.एस.एम.डी.सी., नई दिल्ली	6,504,548	-	-	-	-	6,504,548	6,504,548
27.	क्षेत्रीय केन्द्र	4,700,000	-	-	-	-	4,700,000	4,700,000
28.	टी.सी.ए.डी., हैदराबाद	2,500,000	-	-	-	-	2,500,000	2,500,000
29.	उत्तरी पूर्व राज्य	7,325,055	-	-	-	-	7,325,055	7,325,055
30.	वेतन, मज़दूरी तथा भत्ता	-	-	-	--	--	-	
	अ) वेतन	11,191,129	4,166,241	937,505	576,031	427,072	17,297,978	0
	आ) मज़दूरी	489,062	-	3,325	14,850	-	507,237	0
	इ) छुट्टी वेतन / अन्य	-	-	-	-	-	-	0
	ई) ट्यूशन फी की प्रतिपूर्ती	23,040	2,400	960	-	-	26,400	0
	उ) मेडिकल खर्च की प्रतिपूर्ती	1,146,933	107,791	18,436	21,875	13,577	1,308,612	0
	ऊ) लीव ट्रैवेल कन्सेशन	-	-	-	-	-	-	0
	ए) ओवर टाईम भत्ता	55,631	17,721	13,085	200	132	86,769	19,226,996
	ऐ) पेन्शन तथा ग्रैचुइटी	3,033,399	-	-	-	-	3,033,399	3,033,399
31.	ऋण एवं अग्रिम	-	-	-	-	-	-	0
	i) हाउज़ बिल्डिंग अग्रिम	1,294,125	-	-	-	-	1,294,125	0
	ii) कन्वेयन्स अग्रिम	517,500	-	-	-	-	517,500	0
	iii) कम्प्युटर अग्रिम	230,000	-	-	-	-	230,000	0
	iv) फेस्टिवल अग्रिम	39,000	16,500	4,500	1,200	-	61,200	0
	v) फैन अग्रिम	-	-	-	-	-	-	0
	vi) अन्य अग्रिम	-	-	-	28,000	-	28,000	2,130,825
32.	यात्रा भत्ता	498,630	55,937	38,503	27,595	61,460	682,125	682,125
33.	कर्मचारी प्रशिक्षण	106,546	-	-	-	-	106,546	106,546

34.	बागवानी	509,718	-	-	-	-	509,718	509,718
35.	सैनिटेशन, क्लीनिंग तथा कैटरिंग	960,255	286,046	47,778	-	212,933	1,507,012	1,507,012
36.	सुरक्षा सेवाएँ	1,408,765	161,218	153,273	-	185,742	1,908,998	1,908,998
37.	इलेक्ट्रीकल तथा प्लम्बिंग	199,060	24,836	-	-	-	223,896	223,896
38.	कंटिंजेंट एक्स्पेन्सेस्	-	-	-	-	-	-	0
	अ) पी.ओ.एल.	303,613	49,240	40,710	-	9,611	403,174	0
	आ) वी.आर.एम.	208,154	31,612	12,108	-	17,860	269,734	672,908
	इ) स्टेशनरी तथा प्रिंटिंग	1,306,165	24,081	26,791	30,772	28,377	1,416,186	1,416,186
	ई) विज्ञापन	536,608	21,308	30,000	16,372	19,649	623,937	623,937
39.	अन्य खर्च	-	-	-	-	-	-	-
	अ) बिजली खर्च	1,094,365	345,613	-	-	276,269	1,716,247	1,716,247
	आ) मानदेय तथा परिश्रमी	20,383	78,392	158,680	-	197,255	454,710	454,710
	इ) बीमा	94,313	11,364	10,348	-	-	116,025	116,025
	ई) निम्नलिखित के मरम्मत एवं रखरखावा	-	-	-	-	-	0.00	0
	i) भवन	6,000	150,685	41,435	-	4,040	202,160	0
	ii) उपकरण	654,453	6,000	-	19,450	67,617	747,520	0
	iii) बिजली	109,854	-	-	-	1,861	111,715	0
	iv) फर्नीचर	36,150	4,208	-	2,400	-	42,758	0
	v) रखरखावा, सामग्री, श्रामिक	833,924	-	68,220	-	-	902,144	2,006,297
40.	डाक व तार	-	-	-	-	-	0	0
	अ)डाक	440,974	8,361	5,867	8,511	21,968	485,681	0
	आ) तार	42,751	-	-	1,302	-	44,053	0
	इ) टेलीफोन	589,469	32,147	43,712	17,298	-	682,626	1,212,360
41.	विविध खर्च	-	-	-	-	-	0	0
	अ) युनीफार्म	4,208	4,960	4,284	474	-	13,926	0
	आ) हास्पिटालिटी	5,908	2,787	446	1,027	28	10,196	0
	इ) कन्वेयेन्स	29,606	7,664	13,472	6,218	622	57,582	0
	ई) फोटोग्रफी	8,274	3,562	1,682	1,560	-	15,078	0
	उ) न्यूज़पेपर तथा पीरियाडिकल	66,092	2,974	5,787	2,352	3,204	80,409	0
	ए) जिराक्स	31,422	-	-	-	2,384	33,806	0
	ऐ) लीगल खर्च	44,200	-	-	-	-	44,200	0
	ओ) हिन्दी कार्यक्रम	14,400	-	-	-	-	14,400	0
	औ) अन्य विवध	60,195	12,427	9,389	17,390	23,740	123,141	392,738
	अं) अग्रिम वसूली	-	-	-	-	-	-	-
	अ:)लेखा परीक्षा शुल्क	83,923	-	-	-	-	83,923	83,923
42.	ऋणों एवं अग्रिम की चुकौती	7,405,888	-	-	-	-	7,405,888	7,405,888
43.	अंतिम शेष	-	-	-	-	-	-	-
	अ) हाथ रोकड़	40,000	342	-	1,000	1,000	42,342	42,342
	आ) बैंक रोकड़	-	1,273,281	201,832	84,369	157,110	1,716,591	0
	i) पी.एन.बी.खाता नं.1	1,414,033	-	-	-	-	1,414,033	0
	ii)पी.एन.बी.खाता नं.2	1,296,477	-	-	-	-	1,296,477	0
	iii)एस.बी.ओ.पी. खाता नं.20	45,738	-	-	-	-	45,738	4,472,839
	इ) डाक घर	-	-	-	-	-	-	0
	i) खाता नं.128413 (एच.पी.ओ)	97,306	-	-	-	-	97,306	0
	ii) खाता नं.760258 (मनोविकास नगर)	244,255	-	-	-	-	244,255	341,561
	ई) पेंशन तथा ग्रेचुइटी फंड खाता	26,488	-	-	-	-	26,488	26,488
	कुल योग	95,557,747	7,342,230	2,269,532	1,624,375	1,963,277	108,757,160	108,757,160
44)	एन.आई.एम.एच. एडिप खाता	38,235,143	-	-	-	-	38,235,143	38,235,143
	एन.आई.एम.एच. एडिप खाता / सी.बी.	3,167,280	0	0	0	0	3,167,280	3,167,280
		41,402,423	-	-	-	-	41,402,423	41,402,423
45)	एन.आई.एम.एच. आर.आर.सी. जबलपुर खाता	11,300,000	-	-	-	-	11,300,000	11,300,000
	कुल योग	148,260,170	7,342,230	2,269,532	1,624,375	1,963,277	161,459,583	161,459,583
				क्षेत्रीय केंद्रो को निर्मक्त किये गये अनुदानो को प्राति के रूप में नहीं माना गया				11,204,548
								150,255,035

ह/-
लेखा अधिकारी

अनुसूची - 1

नकद, बैंक तथा डाकघर के 1.4.2002 तक की आदिशेष

	हाथ रोकड़	बैंक रोकड़	डाक घर खाता 128413	डाक घर खाता 760258	पी.एन्ड जी खाता	एडिप योजना	कुल
एन.आई.एम.एच. मुख्यालय,	63,099	2,742,577	94,472	244,255	26,488	8,902,423	12,073,314
एम.एस.एम.डी.सी. नई दिल्ली	2,500	779,606	-	-	-	-	782,106
एन.आई.एम.एच. क्षे.के. नई दिल्ली	-	113,626	-	-	-	-	113,626
एन.आई.एम.एच. क्षे.के., मुम्बई	1,000	420,047	-	-	-	-	421,047
एन.आई.एम.एच., क्षे.के., कोलकता	1,000	121,168	-	-	-	-	122,168
योग	67,599	4,177,024	94,472	244,255	26,488	8,902,423	13,512,261

ह/-
लेखा अधिकारी

अनुसूची - 2

वर्ष 2002-03 के लिए मंत्रालय से प्राप्त सहायता अनुदान की अनुसूची

क्र.	डी.डी. सं./दिनांक	योजना	योजनेतर	कुल
1.	654979 / 04.05.2002	9,000,000	-	9,000,000
2.	655966 / 21.05.2002	-	11,900,000	11,900,000
3.	656728 / 06.06.2002	18,000,000	-	18,000,000
4.	187112 / 24.12.2002	27,000,000	-	27,000,000
5.	187113 / 24.12.2002	-	11,200,000	11,200,00
	कुल	54,000,000	23,100,000	77,100,000

ह/-
लेखा अधिकारी

अनुसूची - 3

विशिष्ट प्रयोजनों के लिए अनुदान की अनुसूची - वर्ष 2002-03

क्र.	विवरण	राशी रु.
1.	विज्ञान तथा तकनीकी प्रोजेक्ट	244,000
2.	डबल्यु.एच.ओ.	100,000
	कुल	Rs. 344,000

ह/-
लेखा अधिकारी

अनुसूची - 4

अन्य स्त्रोत से अनुदान की अनुसूची - वर्ष 2002-03

(वसूली योग्य / समायोजन योग्य)

क्र.	विवरण	राशी रु.
1.	1. ए.वाई.जे.एन.आई.एच.एच., मुम्बई	
	टी.सी.ए.डी. अनुदान	2,500,000
	टी.सी.ए.डी. अनुदान	558,000
	सी.पी.डब्ल्यु.डी., कोलकता के अंश	2,500,000
	कोलकता में रखरखावा (भवन)	800,000
	एन.पी.सी. की अंश	220,500
	एन.पी.सी की अंश	315,000
	कुल	Rs. 6,893,500

ह/-
लेखा अधिकारी

अनुसूची - 5

कर्मचारियों से ऋण एवं अग्रिम वसूली की अनुसूची - वर्ष 2002-03

क्र.	रसीद	राशी रु.
1.	गृह निर्माण अग्रिम	667,740
2.	त्योहार अग्रिम	36,750
3.	वाहन अग्रिम	523,972
4.	कम्प्युटर अग्रिम	156,725
5.	फैन अग्रिम	750
	कुल	Rs. 1,385,937

ह/-
लेखा अधिकारी

अनुसूची - 6

ऋण एवं अग्रिम की अनुसूची - वर्ष 2002-03

(वसूली योग्य / समायोजनीय)

क्र.	विवरण	राशी रु.
1.	एन.आई.एच.एच.	349,456
2.	आई.पी.एच.	500,000
3.	एन.आई.वी.एच.	500,000
4.	एन.आई.आर.टी.ए.आर.	500,000
5.	एन.आई.ओ.एच.	500,000
6	एडसिल	613,493
	कुल	Rs. 2,962,949

ह/-
लेखा अधिकारी

अनुसूची - 7

बैंक तथा डाक घर ब्याज की अनुसूची - वर्ष 2002-03

क्र.	विवरण	खाता	राशी रु.
1.	स्टेट बैंक आफ पाटियाला	एस.बी.ओ.पी., सी.ए.आई. 20	2,314
2.	पोस्ट आफीस, मनोविकास नगर	760251	2,835
3.	पोस्ट आफीस, सिकंदराबाद	128413	-
4.	एम.एस.एम.डी.सी., नई दिल्ली	पी.एन.बी.	6,936
5.	एन.आई.एम.एच., क्षे.के.नई दिल्ली	पी.एन.बी.	3,037
6.	एन.आई.एम.एच. क्षे.के., मुम्बई	कैनरा बैंक	12,573
7.	एन.आई.एम.एच., क्षे.के., कोलकता	एस.बी. आफ इन्दौर	4,317
	योग रु.		32,012

ह/-
लेखा अधिकारी

अनुसूची - 8

आंतरिक रसीदों की अनुसूची - वर्ष 2002-03

क्र.	रसीद	राशी रु.
1.	सामान्य सेवाएँ	119,287
2.	विशेष शिक्षा केन्द्र	194,264
3.	पुस्तकालय	485,027
4.	परिवार कुटीर	20,120
5.	आवास गृह	87,200
6.	स्टाफ क्वार्टर लैसेन्स फी	117,492
7.	एफिलियेशन फी	976,324
8.	कोर्स फी	1,729,478
9.	डी.एस.ई.(एम.आर.) नोट्स की बिक्री	175,632
10.	एन.आई.एम.एच. रिक्रियेशन क्लब	4,875
11.	टेंडरों की बिक्री	19,700
12.	स्कॉलरशिप	2,900
13.	ई.एम.डी.	136,000
14.	डोनेशन्स	1,000
15.	आस्तियों के विक्रय	35,111
16.	रायल्टीज़	22,865
17.	प्ले ग्राउन्ड रेन्ट	19,000
18.	अन्य विविध	13,559
19.	छुट्टी का वेतन अंशदान	22,542
20.	जी.एस.एल.आई.सी.	33,289
21.	क्वाटर्स गारबेज	8,712
	कुल	रु. 4,224,377

ह/-
लेखा अधिकारी

अनुसूची - 9

शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्रों को वित्तीय सहायता की अनुसूची - वर्ष 2002-03

क्र.	विवरण		राशी रु.
1.	रेड क्रास इन्स्टिट्यूट फार मेंटली हैंडिकैप्ड	रोहतक	327,000
2.	मेडिकल केयर सेन्टर ट्रस्ट	बड़ोदरा	327,000
3.	दिग्दर्शिका	भोपाल	327,000
4.	बालाविकास	त्रिवेन्ड्रम	327,000
5.	वाई अक्षर संस्थान	वाई	327,000
6.	डॉ.टी.एम.ए.पाई कॉलेज आफ एजुकेशन	उडपी	150,000
7.	चेतना	भुवनेश्वर	240,000
8.	बाला विहार	चेन्नई	327,000
9.	दीपशिखा, डी.एम.आर.	राँची	160,000
10.	सामाजिक कल्याण विभाग	जयपुर	200,000
11.	चेतना	लखनउ	327,000
12.	नवज्योति ट्रस्ट, चेन्नई	चेन्नई	312,945
	कुल		रु. 3,351,945

ह/-
लेखा अधिकारी

अनुसूची - 10

एक्स्टेन्शन तथा अउटरीच कार्यक्रमों की अनुसूची

(डी.डी.आर.सी.) - वर्ष 2002-03

क्र.	विवरण	राशी रु.
1.	डी.डी.आर.सी. वर्धा	525,000
2.	डी.डी.आर.सी. गुलबर्गा	534,450
3.	डी.डी.आर.सी. मदुरई	714,217
4.	डी.डी.आर.सी.ट्युटीकोरिन	625,000
5.	डी.डी.आर.सी. त्रिवेन्द्रम	600,000
6.	डी.डी.आर.सी. कोझिकोड	800,000
7.	डी.डी.आर.सी.त्रिसुर	800,000
8.	डी.डी.आर.सी. उज्जैन	900,000
9.	डी.डी.आर.सी. मानदेय, मज़दूरी तथा यात्रा/दैनिक भत्ता	249,948
	कुल:	रु. 5,748,615
	घटाएँ : वसूलियाँ	6,773
	लेजर में बुक की गई नेट राशी	5,741,842

ह/-
लेखा अधिकारी

अनुसूची - 11

विविध खर्च की अनुसूची 2002-03

क्र.	भुगतान	राशी रु.
1.	युनीफार्म	13,926
2.	हॉस्पिटैलिटी	10,196
3.	वाहन	57,582
4.	फोटोग्रफी	15,078
5.	न्यूज़पेपर तथा पीरियाडिकल	80,409
6.	लीगल खर्च	44,200
7.	जिराक्स	33,806
8.	हिन्दी कार्यक्रम	14,400
9.	अन्य खर्च	123,141
	कुल:	रु. 392,738

ह/-
लेखा अधिकारी

वर्ष 2002-03 के लिए अंतिम शेष की अनुसूची

क्र.	विवरण		राशी रु.
1.	एन.आई.एम.एच. मुख्यालय		
	अ) हाथ रोकड़		40,000
	आ) बैंक रोकड़	पी.एन.बी.खाता नं.1	1,414,033
		पी.एन.बी. खाता नं.2	1,296,477
		एस.बी.ओ.पी.खाता नं.	45,738
	इ) डाक घर खाता	खाता नं.128413 (एच.पी.ओ)	97307
		खाता नं.760258 (एम.वी.एन.)	24455
	ई) पेन्शन तथा ग्रैचुइटी खाता		26488
2.	एम.एस.एम.डी.सी., नई दिल्ली		
	अ) हाथ रोकड़		342
	आ) बैंक रोकड़		1,273,281
3.	क्षे.के., नई दिल्ली		
	अ) हाथ रोकड़		
	आ) बैंक रोकड़		201,832
4.	क्षे.के. मुम्बई		
	अ) हाथ रोकड़		1,000
	आ) बैंक रोकड़		84,368
5.	क्षे.के.कोलकता		
	अ) हाथ रोकड़		1,000
	आ) बैंक रोकड़		157,110
6.	एडिप खाता		3,167,280
	कुल		रु. 8,050,511

ह/-
लेखा अधिकारी

अनुसूची - 13

स्थिर आस्तियाँ तथा ह्रास की अनुसूची - वर्ष 2002-03

क्र.	Name of the asset	1.4.1999 की खाता मूल्य	1.4.99 के पश्चात् बुक वाल्यु	31.3.2002 तक का जोड़	2002-03 की अवधि का जोड़	कुल	लोप	नेट मूल्य	ह्रास का दर	ह्रास 2001-02 तक	ह्रास 2002-03 के लिए	ह्रास कुल	नेट मूल्य
1.	भूमि	959.520	3,854.992	10.098,431	3,495,452	18,408,395	-	18,408,395	-	-	-	-	18,408,395
2.	भवन												
	a) सी.पी.डब्लयु.डी.,कोलकता को अग्रिम	51,040,000	-	10,200,000	5,000,000	66,240,000	-	66,24,000	-	-	-	-	66,240,000
	b) सी.पी.डब्ल्यु.डी., मुम्बई को अग्रिम	10,000,000	-		-	10,000,000	-	10,000,000	-	-	-	-	10,000,000
	c) सी.पी.डब्ल्यु.डी., Hyd. को अग्रिम	-	-	2,200,000	1,600,000	3,800,000	-	3,800,000	-	-	-	-	3,800,000
	d) पूर्ण हुए भवन	59,138,694	153,919	41,410	409,214	59,743,237	-	59,743,237	2%	10,062	12,091	22,153	59,721,084
	e) वुडन पार्टीशन	213,945	-	-	-	213,945	-	213,945	100%				213,945
3.	कम्प्युटर	-	472483	611796	1,117,601	2,201,880	-	2,201,880	20%(Com)	484,001	440.376	924,377	-
	अन्य	-	447391	1,405,436	711,443	2,564,270	-	2,564,270	10%(Oth)	316,330	256,427	572,757	-
	उपकरण	13,766,729	919,874	2,017,232	1,829,044	18,532,879	-	18,532,879		-	696,803	1,497,134	17,035,745
4.	फर्नीचर	5,790,045	132,264	484,443	238,991	6,645,743	-	6,645,743	10%	99,622	85,570	185,192	6,460,551
5.	वाहन	2,630,866	148,862	1,214,666	-	3,994,394	372,236	3,622,158	15%	319,551	204,529	524,080	3,098,078
6.	पुस्तकलाय की पुस्तकें	5,701,607	525,592	1,198,712	700,745	8,126,656	-	8,126,656	100%	1,724,304	700,745	2,425,049	5,701,607
7.	टी.वी.स्पॉट्स्	4,971,084	-	-	115,000	5,086,084	-	5,086,084	100%	-	115,000	115,000	4,971,084
	कुल	154,212,490	5,735,503	27,454,894	13,388,446	200,791,333	372,236	200,419,097	-	2,953,870	1,814,738	4,768,608	195,650,489

ह/-
लेखा अधिकारी

अनुसूची - 14

अन्य स्त्रोत से अनुदान की अनुसूची वर्ष 2002-03

क्र.	विवरण		राशी रु.
1.	एन.आई.एम.एच. एडिप योजना खाता		32,500,000
	पत्र सं.4-80/2002 दि.18.7.02	12,500,000	
	पत्र सं.4-80/2002 दि. 18.10.02	12,500,000	
	पत्र सं.4-80/2002 दि.20.12.02	7,500,000	
2.	विज्ञान तथा तकनीकी प्रोजेक्ट		244,000
	पत्र सं.7-13(161) 98 दि.24.1.03		
3.	डबल्यु.एच.ओ. दि.14.5.02		100,000
4.	ए.वाई.जे.एन.आई.एच.एच., मुम्बई		
	अ) सी.पी.डब्लुय.डी, कोलकता	2,500,000	
	आ) कोलकता भवनों का रखरखाव	189,615	
	इ) टी.सी.ए.डी. विज्ञापन खर्च	145,000	
	ई) एडसिल खाता		2,834,615
5.	एड.सिल		68373
	कुल		रु. 36,363,988

ह/-
लेखा अधिकारी

अनुसूची - 15

पूँजी के लिए उपयुक्त मदों की अनुसूची

क्र.	विवरण	राशी रु.
1.	भूमि	3,495,452
2.	भवन	7,009,214
3.	उपकरण	1,829,044
4.	फर्नीचर	238,991
5.	पुस्तकालय की पुस्तक	700,745
6.	टी.वी.स्पॉट्स् / विडियों फिल्म	115,000
	कुल	रु. 13,388,446

ह/-
लेखा अधिकारी

अनुसूची 16

सन्ड्री क्रेडिटर्स की अनुसूची - वर्ष 2002-03

क्र.	विवरण	आदिशेष 2002-03	वर्ष 2002-03 के दौरान भुगतान	वर्ष 2002-03 के दौरान शेष	वर्ष 2002-03 के दौरान जोड़	शेष - 2002-03
1.	रिक्रियेशन क्लब	15,680	-	15,680	4,875	20,555
2.	स्कॉलरशिप	-	-	-	2,900	2,900
3.	ई.एम.डी.	82,850	30,000	52,850	166,000	218,850
4.	लेखा परीक्षा शुल्क	45,000	45,000	-	85,000	85,000
5.	सुरक्षा जमा	409,280	390,784	18,496	352,587	371,083
6.	उत्तरी पूर्व राज्य	609,562	609,562	-	-	-
7.	सी.आर.सी., भोपाल	5,196,239	5,196,239	-	-	-
8.	जी.एस.एल.आई.सी.	63,818	25,780	38,038	59,774	97,812
9.	जी.पी.एफ.	723,883	723,883	-	-	-
10.	यु.एन.डी.पी.	1,485,766	1,485,766	-	-	-
11	प्रिंटिंग व स्टेशनरी	52,181	52,181	-	-	-
12.	मरम्मत तथा रखरखाव	124,203	124,203	-	-	-
13.	एड.सिल खर्च (Nis को अग्रिम की वापसी)	-	-	-	1,069,384	1,069,384
14.	सार्वजनिक जानकारी	-	-	-	50,000	50,000
15.	ए.वाई.जे.एन.आई.एच.एच., एन.पी.सी. राशी	-	-	-	220,500	220,500
16.	बकाया भुगतान					
	सुरक्षा सेवाएँ				133,340	133,340
	सैनिटेशन तथा सफाई				114,479	114,479
	प्लम्बिंग				56,811	56,811
	मरम्मत तथा रखरखाव				161,360	161,360
	शेष	8,808,462	8,683,398	125,064	2,477,010	2,602,074

ह/-
लेखा अधिकारी

अनुसूची 17

ऋण तथा अग्रिम - वर्ष 2002-03

क्र.	विवरण	आदिशेष 2002-2003	वर्ष 2002-03 के दौरान ऋणों की वसूली	वर्ष 2002-03 के दौरान कुल योग	वर्ष 2002-03 के दौरान ऋण भुगतान	शेष - वर्ष 2002-03
1.	गृह निर्माण अग्रिम	7,003,800	667,740	6,336,060	1,294,125	7,630,185
2.	वाहन अग्रिम	2,247,241	523,972	1,723,269	517,500	2,240,769
3.	कम्प्युटर अग्रिम	397,408	156,725	240,683	230,000	470,683
4.	त्योहार अग्रिम तथा फैन अग्रिम	68,963	37,500	31,463	61,200	92,663
5.	ऋण एवं वसूली	689,477	-	689,477	-	689,477
6.	डी.डी.आर.सी.	9,759,000	9,759,000	-	4,819,061	4,819,061
7.	यु.एस.आई.एफ.	500,000	-	500,000	-	500,000
8.	जी.एस.एल.आई.सी.	6,280	6,280	-	-	-
9.	आर.सी.आई.-मास्टर प्रशिक्षण कार्यक्रम	-	-		135,422	135,422
10.	एन.आई.एम.एच., क्षे.के.मुम्बई	272,913	272,913	-	-	-
11.	टी.सी.ए.डी., हैदराबाद	413,000	413,000		-	-
12.	ए.वाई.जे.एन.आई.एच.एच., मुम्बई (एड.सिल.)	-	-	-	278,355	278,355
	कुल	21,358,082	11,837,130	9,520,952	7,335,663	16,856,615

ह/-
लेखा अधिकारी

एडिप योजना की अनुसूची

क्र.	विवरण		राशी रु.
अ)	रसीद		
	1. 1.4.2002 तक की आदि शेष		8,902,423
	2. 2002-03 में प्राप्त अनुदान		
	अ) जुलाई, 2002	12,500,000	
	आ) अक्तूबर, 2002	12,500,000	
	इ) जनवरी, 2003	7,500,000	
	कुल		32,500,000
	कुल योग		41,402,423
आ)	व्यय		
	1. सभी केन्द्रों को साधन व उपकरणों का वितरण	20,745,139	
	2. सर्जिकल करेक्शन्स	3,039,701	
	3. 8 डी.डी.आर.सी में जागरूकता कार्यक्रमों के शिविरों पर व्यय	3,950,000	
	4. शिविर, जागरूकता कार्यक्रम तथा साधन तथा उपस्करों के वितरण-8 डी.डी.आर.सी.	8,012,826	
	5. आँ.प्र.जिलों में शिविरों का आयोजन (सी.आर.सी.-आँ.प्र.शिविर)	1,828,599	
	6. जागरूकता सामग्री (मुद्रण)	570,732	
	7. प्रशासनिक खर्च (यात्रा भत्ता / मानदेय)	238,082	
	कुल	38,385,079	
इ)	घटाएँ - वर्ष के दौरान वापसी	149,936	
ई)	नेट व्यय		38,235,143
उ)	31.3.2003 तक की शेष		3,167,280

ह/-
लेखा अधिकारी

विकलांग व्यक्तियों के लिए संश्लिष्ट क्षेत्रीय केन्द्र, भोपाल

रसीद तथा भुगतान खाता - वर्ष 2002-03

रसीद	2001-02	2002-03	भुगतान	2001-02	2002-03
को	रु.	रु.	से	रु.	रु.
आदिशेष	12,44,2194	5,751,658	दीर्घकालीन पाठ्यक्रम (बी.आर.एस., डी.एस.ई. तथा डी.वी.टी)	-	15,000
सहायता अनुदान	11,741,000	2,660,000	अल्पकालीन पाठ्यक्रम	111,990	122,068
ऋण की प्रतिपूर्ती	-	5,196,239	राष्ट्रीय स्तर कार्यशाला / कार्यक्रम	-	-
एडिप खर्चे की प्रतिपूर्ती	-	3,512,826	खेल व सांस्कृतिक कार्यक्रम	-	-
बैंक ब्याज तथा डाक घर खाता	23,931	70,426	सार्वजनिक जागरूकता	47,971	133,946
विविध	22,494	4,165	अउटरीच तथा एक्स्टेन्शन कार्यक्रम	243,143	-
			अनुसंधान एवं विकास	2,340	-
			एर्ली इन्टरवेन्शन प्रोग्राम	2700	-
			भूमि	-	-
			भवन	5,000,000	3,500,000
			उपकरण	786,249	788,032
			वाहन	-	-
			फर्नीचर	114,953	257,697
			पुस्तकालय की पुस्तकें	88,171	68,348
			प्रलेखन व प्रचार	6,450	9,948
			पुस्तकों का मुद्रण	-	-
			मरम्मत, रखरखाव व पेटी कार्य	106,055	172,466
			वेतन, मजदूरी व भत्ता	980,649	2,179,096
			ऋण व अग्रिम	-	72,000
			कर्मचारी प्रशिक्षण	-	3,000
			यात्रा भत्ता	350,638	241,065
			बागबानी	-	-
			सुरक्षा सेवाएँ	66,300	87,272
			सैनिटेशन व सफाई	27,363	54,753
			इलेक्ट्रीकल तथा प्लम्बिंग	-	-
			मानदेय तथा पारिश्रमी	426,104	561,161
			पब्लिसिटी तथा विज्ञापन	81,197	4,000
			मुद्रण तथा स्टेशनरी	130,897	250,878
			बिजली	17,593	83,976
			वाहन / यात्रा	-	133,962
			डाक, तार व टेलीफोन	93,809	142,894
			बीमा	-	-
			वसूली / समंजनीय अग्रिम	7,413,321	-
			एन.आई.एम.एच. एडिप योजना	2,245,431	-
			विवध	134,637	257,746
			अंतिम शेष	-	-
			हाथ रोकड़	-	5,000
			बैंक रोकड़	5,751,658	8,051,006
कुल रु.	24,229,619	17,195,314	कुल	24,229,619	17,195,314

विकलांग व्यक्तियों के लिए संश्लिष्ट क्षेत्रीय केन्द्र, भोपाल

आय तथा व्यय खाता - वर्ष 2002-03

व्यय	2001-02	2002-03
को	रु.	रु.
शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्रों को वित्तीय सहायता	0	0
दीर्घकालीन पाठ्यक्रम (बी.आर.एस., डी.एस.ई. तथा डी.वी.टी)	0	15,000
अल्पकालीन पाठ्यक्रम	111,990	122,068
राष्ट्रीय स्तर कार्यशाला / कार्यक्रम	0	0
खेल व सांस्कृतिक कार्यक्रम	0	0
सार्वजनिक जागरूकता	47,971	133,946
ग्रामीण शिविर / विकलांग बंधु	0	0
अउटरीच तथा एक्टेन्शन कार्यक्रम	243,143	0
एजुकेशनल प्रोग्राम फर लो इन्सिडेन्स	0	0
अनुसंधान एवं विकास	2,340	0
सूचना तकनीकी	0	0
लिविंग स्किल किट	0	0
एर्ली इन्टरवेन्शन प्रोग्राम	2,700	0
प्रलेखन व प्रचार	6,450	9,948
पुस्तकों का मुद्रण	0	0
मरम्मत, व पेटी कार्य	106,055	172,466
वेतन, मजदूरी व भत्ता	980,649	2,179,096
कर्मचारी प्रशिक्षण	0	3,000
यात्रा भत्ता	350,638	241,065
बागबानी	0	0
सुरक्षा सेवाएँ	66,300	87,272
सैनिटेशन व सफाई	27,363	54,753
इलेक्ट्रीकल तथा प्लम्बिंग	-	0
मानदेय तथा परिश्रमी	426,104	561,161
पब्लिसिटी तथा विज्ञापन	81,197	4,000
मुद्रण तथा स्टेशनरी	130,897	250,878
बिजली	17,593	83,976
वाहन / यात्रा	0	133,962
दवाइयाँ	0	0
डाक, तार व टेलीफोन	93,809	142,894
बीमा	0	0
वसूली / समंजनीय अग्रिम	0	0
विवध	134,637	257,746
एन.आई.एम.एच. एडिप योजना	2,245,431	0
मूल ह्रास	244,036	357,037
पूर्वावधि एजस्टमेंट	0	0
आस्तियों के विक्रय में हानि	-	0
व्यय पर अधिकतम आय	478,749	-
कुल योग रु.	5,798,052	4,810,268

आय	2001-02	2002-03
से	रु.	रु.
सहायता अनुदान	11,741,000	2,660,000
पूर्वावधि अनुदान	0	5,196,239
	11,741,000	7,856,239
घटाएँ: पूँजी वस्तुओं के लिए उपयुक्त	5,989,373	4,614,077
	5,751,627	3,242,162
जोड़ें:	-	-
बैंक तथा डाक घर ब्याज	23,931	70,426
विवध रसीद	22,494	4,165
-	-	-
आय पर अधिकतम व्यय	-	1,493,515
	5,798,052	4,810,268

विकलांग व्यक्तियों के लिए संश्लिष्ट क्षेत्रीय केन्द्र, भोपाल

31.3.2003 तक का तुलन पत्र

दायित्व	31.3.2002 तक	31.3.2003 तक	आस्तियाँ	31.3.2002 तक	31.3.2003 तक
मूलनिधि	रु.	रु.	स्थिर आस्तियाँ	रु.	रु.
मूलनिधि फंड	7,550,699	12,164,776	भूमि	31.03.2002	31.03.2003
(भारत सरकार से सहायता अनुदान)	-	-			
-	-	-	भवन (सी.पी.डब्ल्यु.डी. में जमा)	6,000,000	9,500,000
वर्तमान दायित्व तथा प्रावधान	-	-			
संड्री क्रेडिटर्स	2,217,582	0	उपकरण	860,120	1,460,196
-	-	-	फर्नीचर	383,076	603,507
-	-	-	वाहन	0	0
आय तथा व्यय खाते में से	-	-			
ली गई सरप्लस	10,639,894	7,526,933			
-	-	-			
-	-	-	वर्तमान आस्तियाँ, ऋण तथा अग्रिम	-	-
-	-	-	ऋण तथा अग्रिम	7,413,321	72,000
-	-	-			
-	-	-	नकद तथा बैंक शेष	5,751,658	8,056,006
-	-	-			
कुल योग रु.	20,408,175	19,691,709		20,408,175	19,691,709

ह/-	ह/-	ह/-	ह/-
प्रभारी अधिकारी	लेखा अधिकारी	उपनिदेशक (प्र) इंचार्ज	निदेशक

वर्ष 2002-03 के लिए वार्षिक लेखे
वार्षिक लेखों के अंग स्वरूप टिप्पणियाँ

1. राष्ट्रीय मानसिक विकलाँग संस्थान के वर्ष 2002-03 के लेखे निम्न रूपों में हैं :
   1) वर्ष 2002-3 के लिए प्राप्तियाँ और भुगतान
   2) 31 मार्च, 2003 को समाप्त वर्ष के लिए आय तथा व्यय लेखे
   3) 31 मार्च, 2003 को तुलन-पत्र की स्थिति

2. वर्ष 2002-03 के लिए क्षेत्रीय पुनर्वास केंद्र, जबलपुर के लेखे अब भी संगठन से प्राप्त होने बाकी हैं । फिर भी, अनुदानों की प्राप्तियों और अनुदानों का नियोजन, वर्ष 2002-03 की प्राप्तियों और भुगतान लेखा में उल्लेखित किया गया है, राष्ट्रीय मानसिक विकलाँग संस्थान का क्षेत्रीय पुनर्वास केंद्र संगठन पर कोई नियंत्रणाधिकार नहीं है ।

3. जहाँ कहीं आवश्यक हो लेखों के अंग रूप में अनुसूचियाँ अनुबंधित की गयी हैं ।

4. लेखों को प्रोद्भवन आधार पर तैयार किया गया है ।

5. 01.04.1999 के दिन या उसके बाद में हासिल आस्तियों पर सीधी रेखा पद्धति के आधार पर मूल्य ह्रास प्रदान किया जा रहा है ।

6. लेखा नीतियाँ तैयार की गयीं और उनका पालन हो रहा है ।

7. डाक-तार विभाग के पास 96,090/- रुपयों की जमा राशियों को बट्टे खाते डाले जाने का विश्लेषण किया जाना है ।

8. मूल्य ह्रास को घटाकर आस्तियों का मूल्य 19,56,50,489/-रू0 है ।

9. कुल 15,02,55,036/- रूपयों की प्राप्तियों में से (आदि शेष सहायता अनुदान, विशेष उद्देश्यों के लिए अनुदान, वसूल किये गये ऋण, ऋण तथा अग्रिम राशियाँ और आंतरिक प्राप्तियों को शामिल करते हुए) विभिन्न क्रियाकलापों पर 14,22,04,585/- रूपयों की राशि खर्च की गयी और 31.03.2003 को खर्च न की गई शेष राशि 80,50,511/- रूपये थी ।

10. वर्ष 2002-03 के लिए आस्तियों और भंडारों की भौतिक जाँच चल रही है ।

11. मंत्रालय द्वारा निर्मुक्त अनुदानों की उपयोगिता का प्रमाणपत्र जारी किया जा चुका है और अब कोई उपयोगिता प्रमाण पत्र रूके पड़े नहीं हैं ।

12. आवश्यकतानुसार आँकड़ों को पुनर्वर्गीकृत किया गया है ।

ह/-
लेखा अधिकारी

डी.एस.ई.(एम.आर.) वार्षिक परीक्षा 2002-03 के परिणाम

क्र. सं.	केन्द्र का नाम	उपस्थित अभ्यर्थियों की संख्या	परिणाम (श्रेणी)				अनुत्तीर्ण	कुल
			विशिष्ठता	प्रथम	द्वितीय	उत्तीर्ण		
01.	एन.आई.एम.एच., आर.सी. नई दिल्ली	21	16	5	0	0	0	100
02.	एन.आई.एम.एच., आर.सी. मुम्बई	19	7	9	2	0	1	95
03.	एन.आई.एम.एच.आर.सी. कोलकता	21	1	11	4	1	4	81
04.	बालविहार, चेन्नई	20	7	13	0	0	0	100
05.	डा.टी.एम.ए.पाई, उडपी	20	14	5	0	0	1	95
06.	चेतना, लखनउ	20	6	8	4	0	2	90
07.	दीपशिखा, राँची	20	4	13	1	0	2	90
08.	चेतना, भुवनेश्वर	21	5	14	2	0	0	100
09.	मानविकास केन्द्र, गुवाहटी	18	12	5	0	0	1	95
10.	दिग्दर्शिका, भोपाल	18	5	10	3	0	0	100
11.	टी.एच.पी.आई.हैदराबाद	18	8	7	1	0	2	90
12.	बालविकास, त्रिवेन्द्रम	19	1	15	3	0	0	100
13.	निर्मला सदन, मुवत्तुपुझा	20	17	3	0	0	0	100
14.	वाई अक्षर संस्थान, वाई, सतारा	20	1	18	1	0	0	100
15.	क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र, जयपुर	16	4	7	5	0	0	100
16.	मेडिकल केयर सेन्टर, वडोदरा	20	14	5	1	0	0	100
17.	अर्पण संस्थान, रोहतक	20	4	8	7	0	1	95
18.	रास, तिरुपति	19	8	4	5	0	2	90
19.	संत एग्नेस, मैंगलूर	20	18	1	1	0	0	100
20.	टी.एच.पी.आई.राजमंड्री	18	0	5	8	4	1	95
21.	क्लाक स्कूल, चेन्नई	9	2	1	6	0	0	100
22.	ए.डब्ल्यु.एच., कैलिकट	40	31	9	0	0	0	100
23.	माईन्ड्स् कालेज, मुम्बई	20	5	6	8	0	1	95
24.	आलकेन्दु बोध, कोलकता	14	9	5	0	0	0	100
25.	मातोश्री जानकी देवी, नागपुर	20	5	13	1	0	1	95
26.	सी.आई.एम.आर., त्रिवेन्द्रम	19	15	4	0	0	0	100

क्र. सं.	केन्द्र का नाम	उपस्थित अभ्यर्थियों की संख्या	परिणाम (श्रेणी)				अनुत्तीर्ण	कुल
			विशिष्ठता	प्रथम	द्वितीय	उत्तीर्ण		
27.	बी.एम.संस्थान, अहमदाबाद	20	2	12	6	0	0	100
28.	प्रबोधिनी केन्द्र, नासिक	20	5	14	0	0	1	95
29.	दिलकुश, मुम्बई	20	12	7	0	0	1	95
30.	कामायानी, पुणे	19	4	13	2	0	0	100
31.	वाई,एम.सी.ए, नई दिल्ली	20	3	7	8	0	2	90
32.	अमर ज्योति, नई दिल्ली	20	9	7	2	0	2	90
33.	के.पी.ए.एम.आर.सी.बैंगलूर	20	7	7	5	0	1	95
34.	डी.एस.डबल्यु.एम.आर.सी., नई दिल्ली	12	8	4	0	0	0	100
35.	सोसाईटी फार मेंटल हेल्थ, बुर्दवान	20	7	13	0	0	0	100
36.	फेइथ इन्डिया, एर्नाकुलम	20	20	0	0	0	0	100
37.	मनोविकास केन्द्र, कोलकता	20	6	12	2	0	0	100
38.	ए.एम.आर.आई.,पटना	11	0	8	1	0	2	82
39.	आकांक्षा, रायपुर	14	7	7	0	0	0	100
40.	आल मणिपुर, इम्फाल	20	3	15	0	0	2	90
41.	गुजरात केलावनी, अहमदाबाद	20	15	5	0	0	0	100
42.	सी.एच.कोया मेमोरियल, त्रिवेन्द्रम	20	14	6	0	0	0	100
43.	के.वी.एम.कालेज, अलापुजा	20	19	0	0	0	1	95
44.	होली क्रास, तिरुचिरापल्ली	20	19	1	0	0	0	100
45.	स्नेहा सदन, एर्नाकुलम	20	17	2	0	0	1	95
46.	राफील, देहरादून	20	3	6	7	1	3	85
47.	पोप पॉल, थिस्सुर	19	10	8	1	0	0	100
48.	सी.आर.सी, गुवाहटी	20	6	11	0	0	3	85
49.	इन्टग्रेटेड, वारणासी	20	1	7	12	0	0	100
50.	बी.डी.ह्युमन, प.बंगाल	20	0	10	10	0	0	100
	कुल	965	416	386	119	6	38	

वर्ष 2002-03 में आयोजित अल्पकालीन पाठ्यक्रम

क्र.	अल्पकालीन पाठ्यक्रमों के नाम	स्थान	तिथियाँ	सहभागियों की संख्या
1	मल्टी परपस रिहैबिलिटेशन वर्कर्स के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	एन.आई.एम.एच., सिकंदराबाद	18 अप्रैल, 2002	20
2.	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	एन.आई.एम.एच., क्षे.के., मुम्बई	15-26 अप्रैल, 2002	32
3.	व्यावसायिक प्रशिक्षण पर कार्यशाला	एन.आई.एम.एच. क्षे.के.मुम्बई	2-3 मई, 2002	30
4.	सहोदरों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	एम.एस.एम.डी.सी., नई दिल्ली	4 मई, 2002	40
5.	समुदाय स्तर कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	एम.एस.एम.डी.सी., नई दिल्ली	11 मई, 2002	30
6.	विकलांगता पर कार्यशाला	शेल्टर, कोलकता	29 मई, 2002	46
7.	व्यावसायिक प्रशिक्षण तथा रोजगार स्थापना पर कार्यशाला	शेल्टर, कोलकता	30-31 मई, 2002	32
8.	समुदाय संदर्भित पाठ्यचर्या विकास पर कार्यशाला	शेल्टर, कोलकता	30 मई से 1 जून, 2002	43
9.	ओरियेन्टेशन प्रोग्राम फार हाई स्कूल टीचर्स एन्ड मैनेजमेंट आफ लर्निंग प्रोब्लेम्स् इन रेग्युलर स्कूल्स्	नोबल मिशन, कोलकता	2-3 जून, 2002	60
10.	वर्कशाप आन ट्रेन्सिशन फ्रम स्कूल टु वर्क	नोबल मिशन, कोलकता	4-5 जून, 2002	81
11.	स्ट्रेस मैनेजमेंट पर कार्यशाला	एन.आई.एम.एच., सिकंदराबाद	2-4 जुलाई, 2002	20
12.	डी.आई.ई.टी. तथा एस.सी.ई.आर.टी. के मास्टर प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	एन.आई.एम.एच., सिकंदराबाद	8-10 जुलाई, 2002	45
13.	देखभालकर्ताओं के लिए मास्टर प्रशिक्षण कार्यक्रम	एन.आई.एम.एच., सिकंदराबाद	15-26 जुलाई, 2002	22

क्र.	अल्पकालीन पाठ्यक्रमों के नाम	स्थान	तिथियाँ	सहभागियों की संख्या
14.	बच्चों की शिक्षा पर मास्टर प्रशिक्षकों के लिए अभिमुखी कार्यक्रम	एन.आई.एम.एच., सिकंदराबाद	29-31 जुलाई, 2002	22
15.	आंगनवाडी कार्यकर्ताएँ तथा शिक्षकों के लिए अभिमुखी कार्यक्रम	नाकुर, सहरानपुर	3 अगस्त, 2002	180
16.	केयर गिवर्स के चलिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	एम.एस.एम.डी.सी, नई दिल्ली	23-24 अगस्त, 2002	40
17.	थिरैप्युटिक्स में निवेश पर कार्यशाला	एन.आई.एम.एच., सिकंदराबाद	27-28 अगस्त, 2002	21
18.	पर्वेसिव डेवलपमेंटल डिसार्डर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	असनोल आनन्दम, असनोल	27-28 अगस्त, 2002	30
19.	एस.सी.ई.आर. टी / डी.आई.ई.टी. कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण	एन.आई.एम.एच., सिकंदराबाद	19-30 अगस्त, 2002	13
20.	व्यवहार परिवर्तन पर कार्यशाला	एन.आई.एम.एच., सिकंदराबाद	2-5 सितम्बर, 2002	33
21.	प्रारंभिक हस्तक्षेप पर कार्यशाला	निरटार, भुवनेश्वर	12 सितम्बर, 2002	20
22.	विकलांग व्यक्तियों के लिए सहायता पर कार्यशाला	एन.आई.एम.एच., सिकंदराबाद	16-20 सितम्बर, 2002	26
23.	व्यावसायिक प्रशिक्षण पर एड्वान्स्ड पाठ्यक्रम	एन.आई.एम.एच., सिकंदराबाद	17-20 सितम्बर, 2002	22
24.	राज्य स्तरीय कार्यशाला	नागालैंड	25-26 सितम्बर, 2002	43
25.	नियमित स्कूल टीचरों के लिए अभिमुखी कार्यक्रम	दीपालया, नई दिल्ली	16 अक्तूबर, 2002	27
26.	विशेष शिक्षा पर कार्यशाला	जानकीदेवी अख्तर स्पेशल स्कूल, नई दिल्ली	23 अक्तूबर, 2002	25
27.	मीडिया तथा विकलांगता पर कार्यशाला	एन.आई.एम.एच., सिकंदराबाद	30 अक्तूबर, 2002	40
28.	राज्य स्तरीय कार्यशाला	अगरतला	31 अक्तूबर से 1 नवम्बर, 2002	49

क्र.	अल्पकालीन पाठ्यक्रमों के नाम	स्थान	तिथियाँ	सहभागियों की संख्या
29.	स्वस्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए अभिमुखी कार्यक्रम	सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली	8 नवम्बर, 202	160
30.	समुदाय कार्यकर्ताओं के लिए अभिमुखी कार्यक्रम	साई उज्जला, नई दिल्ली	12 नवम्बर, 2002	100
31.	पर्वेसिव डेवलपमेंटल डिसार्डर्स में पहचान तथा प्रबंध कौशल पर कार्यशाला	एन.आई.एम.एच., सिकंदराबाद	13-15 नवम्बर, 2002	18
32	स्ट्रेस मैनेजमेंट पर कार्यशाला	एन.आई.एम.एच. क्षे.के.नई दिल्ली	15 नवम्बर, 2002	27
33	राज्य स्तरीय कार्यशाला	नाकरलागोन, अरुणाचल प्रदेश	14-15 नवम्बर, 2002	39
34.	बालवाडी शिक्षकों लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	एम.एस.एम.डी.सी., नई दिल्ली	26 नवम्बर, 2002	15
35.	विकलांगता निवारण तथा प्रारंभिक पहचान पर मास्टर प्रशिक्षण कार्यक्रम	ऐजवाल, मिजोरम	26-28 नवम्बर, 2002	25
36.	विकलांग व्यक्तियों के लिए सहायता पर कार्यशाला	एन.आई.एम.एच., सिकंदराबाद	25-29 नवम्बर, 2002	34
37.	वेलुगु सब प्रोजेक्ट पर स्वैच्छिक संगठनों के लिए कार्यशाला	एन.आई.एम.एच., सिकंदराबाद	5 दिसम्बर 2002	75
38.	केयर गिवर्स के मास्टर प्रशिक्षकों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	एन.आई.एम.एच., सिकंदराबाद	18-20 दिसम्बर, 2002	25
39.	अधिगम विकलांगता पर अभिमुखी कार्यक्रम	साई प्रज्ञा संस्थान, नई दिल्ली	20-21 दिसम्बर, 2002	27
40	मानसिक मंद व्यक्तियों के लिए इनोवेटिव व्यावसायिक प्रशिक्षण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	एन.आई.एम.एच., सिकंदराबाद	7-9 जनवरी,2003	27
41.	आंगनवाडी कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	एन.आई.एम.एच., सिकंदराबाद	20-21 जनवरी, 2003	53
42.	विकलांग व्यक्तियों के लिए सहायता पर कार्यशाला	एन.आई.एम.एच., सिकंदराबाद	22-24 जनवरी, 2003	19

क्र.	अल्पकालीन पाठ्यक्रमों के नाम	स्थान	तिथियाँ	सहभागियों की संख्या
43.	केयर गिवर्स के लिए मास्टर प्रशिक्षण कार्यक्रम	एन.आई.एम.एच., सिकंदराबाद	20-31 जनवरी, 2003	21
44.	इन्क्लूजिव एजुकेशन में एर्ली चैइल्डहुड स्पेशल एजुकेशन में अभिमुखी कार्यक्रम	एन.आई.एम.एच., सिकंदराबाद	30-31 जनवरी, 2003	47
45.	सार्वजनिक जागरूकता में मास्टर प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	एन.आई.एम.एच., क्षे.के.मुम्बई	19-22 फरवरी, 2003	16
46.	अंगनवाडी कार्यकर्ताओं के लिए अभिमुखी कार्यक्रम	एन.आई.एम.एच. क्षे.के., नई दिली	27-28 मार्च, 2003	29
47.	अधिगम सामग्री का उपयोग पर कार्यशाला	एन.आई.एम.एच. क्षेत्रीय केन्द्र, नई दिल्ली	31 मार्च 2003	32
			अनुयोग	1,881
48 से 79 तक	आँध्र प्रदेश में पहचान शिविरों के दौरान आयोजित अभिमुखी कार्यक्रम	आँध्र प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर	वर्ष भर	2,681
80 से 165	डी.डी.आर.सी में आयोजित अभिमुखी कार्यक्रम	सभी डी.डी.आर.सी.	वर्ष भर	5,282
166 से 251 तक	विकलांग व्यक्तियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	सभी डी.डी.आर.सी.	वर्ष भर	5,898
	कुल			15,742

वर्ष 2002-03 के दौरान आयोजित अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र.	स्थान	तिथियाँ	सहभागियों की संख्या
1.	एन.आई.एम.एच., सिकंदराबाद	9 अप्रैल, 2002	54
2.	अंकुर, नई दिल्ली	25 अप्रैल, 2002	40
3.	इन्स्पिरेशन, नई दिल्ली	9 मई, 2002	45
4.	भिवान्डी, थाने	6-7 जून, 2002	30
5.	एन.आई.एम.एच., सिकंदराबाद	27 जून, 2002	16
6.	एन.आई.एम.एच., सिकंदराबाद	28 जून, 2002	7
7.	एन.आई.एम.एच., सिकंदराबाद	5 जुलाई, 2002	10
8.	सेव द चिल्ड्रन फर स्पेशल केयर, मम्बई	10-11 जुलाई, 2002	34
9.	एन.आई.एम.एच., सिकंदराबाद	12 जुलाई, 2002	10
10.	एन.आई.एम.एच., क्षे.के.दिल्ली	26-27 जुलाई,2002	21
11.	साई प्रज्ञा, नई दिल्ली	11-12 अगस्त, 2002	25
12.	एन.आई.एम.एच., सिकंदराबाद	30 अगस्त, 2002	10
13.	एन.आई.एम.एच., सिकंदराबाद	30 अगस्त, 2002	8
14.	एन.आई.एम.एच., सिकंदराबाद	25 सितम्बर, 2002	12
15.	एन.आई.एम.एच., सिकंदराबाद	27 सितम्बर, 2002	8
16.	अंबुजा मनोविकास केन्द्र, रोपर	26-27 सितम्बर, 2002	67
17.	कोहिनूर संस्थान, नागपुर	22 अक्तूबर, 2002	25
18.	जनकीदेवी अक्तर स्पेशल स्कूल, नई दिल्ली	23 अक्तूबर, 2002	30

क्र.	स्थान	तिथियाँ	सहभागियों की संख्या
19.	एन.आई.एम.एच., सिकंदराबाद	31 अक्तूबर, 2002	15
20.	एन.आई.एम.एच., सिकंदराबाद	31 अक्तूबर, 2002	7
21.	माता भगवती चाधा निकेतन, नोयडा	31 अक्तूबर, तथा 1 नवम्बर, 2002	170
22.	एन.आई.एम.एच., सिकंदराबाद	29 नवम्बर, 2002	10
23.	सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली	02 दिसम्बर, 2002	50
24.	एन.आई.एम.एच., सिकंदराबाद	31दिसम्बर, 2002	5
25.	मदर होम, नई दिल्ली	18 जनवरी, 2003	20
26.	प्रभा संस्थान, नई दिल्ली	24 जनवरी, 2003	50
27.	एन.आई.एम.एच., सिकंदराबाद	31 जनवरी, 2003	9
28.	एन.आई.एम.एच., सिकंदराबाद	31 जनवरी, 2003	8
29.	एम.एस.एम.डी.सी., नई दिल्ली	31 जनवरी, तथा 1 फरवरी, 2003	45
30.	एन.आई.एम.एच., सिकंदराबाद	7 फरवरी, 2003	5
31.	एम.एस.एम.डी.सी., नई दिल्ली	14 फरवरी,2003	30
32.	एम.एस.एम.डी.सी., नई दिल्ली	21-22 मार्च 2003	15
33.	एन.आई.एम.एच., क्षे.के.कोलकता	28 मार्च 2003	22
34.	एन.आई.एम.एच., सिकंदराबाद	31 मार्च 2003	8
	कुल		921
35 से 117	डी.डी.आर.सी.में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम	वर्ष भर	2,513
	योग		3,434

वर्ष 2002-03 के दौरान आयोजित अउटरीच शिविर

क्र.	शिविर का स्थान	तिथि	पुरुष	स्त्री	कुल
1.	एट्टयापुरम,थूतुकुडी	10.04.02	48	98	146
2.	विल्लथिकुलम,थूतुकुडी	22.04.02	46	57	103
3.	कुलथ्तूर,थूतुकुडी	24.04.02	10	24	34
4.	वी.के.सलगर, पी.एच.सी., अलन्द ता.गुलबर्गा	24.04.02	87	127	214
5.	कदगंची, पी.एच.सी., अलन्द ता.गुलबर्गा	24.04.02	109	106	215
6.	आत्मकूर, नेल्लूर जिला	19.04.02	157	106	263
7.	पार्वतीपुरम, विजियनगरम जिला	24.04.02	103	168	271
8.	घनपुर स्टेशन, वरंगल जिला	30.04.02	290	146	436
9.	जनपद पंचायत (पी.ए.ए.टी.), उज्जैन	26.04.02	20	27	47
10.	मकडोन, उज्जैन	28.04.02	06	27	33
11.	थ्रिसुर, केरल	29.04.02	36	72	108
12.	थ्रिसुर, केरल	03.04.02	41	64	105
13.	ए.डब्ल्यु.एच. स्पेशल स्कूल, कोटकल, कोझिकोड	07.04.02	31	72	103
14.	मंजेरी, कोझिकोड	04.04.02	26	73	99
15.	कोझिकोड, केरल	26.04.02	21	34	55
16.	मेडिकल कालेज, कोझिकोड	29.04.02	10	29	39
17.	मेडिकल कालेज, कोझिकोड	02.04.02	10	49	59
18.	मेडिकल कालेज, कोझिकोड	09.04.02	12	30	42
19.	मेडिकल कालेज, कोझिकोड	16.04.02	12	48	60
20.	मेडिकल कालेज, कोझिकोड	23.04.02	12	42	54
21.	सक्किपाटी, मधुमदुरै	30.04.02	35	70	105
22.	टी.कललुपट्टी, मधुरमदुरै	09.04.02	31	74	105
23.	खरगोन, भोपाल	30.04.02	32	41	73
24.	जबलपुर, म.प्र.	05.04.02	19	22	41
25.	नम्मनवाडा, भोपाल	16.04.02	07	10	17
26.	सेहोर, भोपाल	23.04.02	76	98	174
27.	करकुन्लम, तिरुवनन्तपुरम	30.04.02	20	31	51
28.	पेरिंगमला, तिरुवनन्तपुरम	03.04.02	22	31	53
29.	पेरिंगमला, तिरुवनन्तपुरम	04.04.02	36	49	85
30.	पनमन, तिरुवनन्तपुरम	11.04.02	74	84	158
31.	बी.आर.सी. कट्टकड, तिरुवनन्तपरम	21.04.02	29	76	105
32.	वामनपुरम, तिरुवनन्तपुरम	22.04.02	09	16	25
33.	ननियोड, तिरुवनन्तपुरम	23.04.02	28	40	68
34.	एन.ए.बी., नेलिमोड, तिरुवनन्तपुरम	25.04.02	06	12	18
35.	वामनपुरम, तिरुवनन्तपुरम	29.04.02	24	45	69
36.	करंजा, वर्धा	30.04.02	09	36	45

क्र.	शिविर का स्थान	तिथि	पुरुष	स्त्री	कुल
37.	आर्वी, वर्धा	03.04.02	21	54	75
38.	पुलगाव, वर्धा	06.04.02	25	69	94
39.	भिन्डी, वर्धा	10.04.02	16	19	35
40.	वान्डर, वर्धा	12.04.02	14	33	47
41.	समुद्रपर, वर्धा	17.04.02	21	57	78
42.	सेलु, वर्धा	24.04.02	28	69	97
43.	पुदुनागरम पंचायत, थ्रिसुर	27.04.02	91	139	230
44.	हिन्गनघाट, वर्धा	27.05.02	30	59	89
45.	थिरतला, कोट्टनाड, थ्रिसुर	19.04.02	72	124	196
46.	अलथूड, थ्रिसुर	24.04.02	28	59	87
47.	कुनथुर, मधुमदुरै	30.04.02	36	45	81
48.	एम.सुब्रपुरम, मधुमदुरै	09.04.02	18	31	49
49.	नन्नियोड, तिरुवनन्तपुरम	30.04.02	20	18	38
50.	पेरियुर, मधुमदुरै	02.05.02	41	44	85
51.	एल.एन.पेटा, श्रीकाकुलम	25.05.02	140	119	259
52.	अलंद जी.एच., गुलबर्गा	30.04.02	49	26	75
53.	मदनहिपर्गा, सी.एच.सी., गुलबर्गा	15.05.02	67	77	144
54.	वेम्बर, थुतुकुडी	22.05.02	11	15	26
55.	बोम्माइपुरम, थुतुकुडी	28.05.02	11	10	21
56.	सावंगी, वर्धा	30.05.02	32	80	112
57.	सियोनी मल्वा, भोपाल	19.05.02	12	42	54
58.	रूपाधी (तारा) ब्लाक, उज्जैन	10.05.02	23	41	64
59.	लिम्रिधित (तारा) ब्लाक, उज्जैन	03.05.02	38	38	76
60.	खली (तारा) ब्लाक, उज्जैन	06.05.02	07	25	32
61.	आई.टी.ए.ए. (तारा) ब्लाक, उज्जैन	10.05.02	22	36	58
62.	डी.डी.आर.सी., उज्जैन	13.05.02	98	29	127
63.	करन्च (तारा) ब्लाक, उज्जैन	19.05.02	35	23	58
64.	संत मेरी स्कूल, उज्जैन	20.05.02	36	68	104
65.	ननराड(तारा) ब्लाक, उज्जैन	23.05.02	34	66	100
66.	चेम्नाचेरी, कोझिकोड	27.05.02	57	73	130
67.	नन्मिन्दा, कोझिकोड	09.05.02	56	62	118
68.	एलथुर, कोझिकोड	16.05.02	38	39	77
69.	चेन्गोत्तुकवु, कोझिकोड	23.05.02	69	69	138
70.	डी.डी.आर.सी., कोझिकोड	27.05.02	37	118	155
71.	मेडिकल कालेज, कोझिकोड	30.05.02	16	26	42
72.	मेडिकल कालेज, कोझिकोड	07.05.02	11	36	47
73.	कोझिकोड, केरल	14.05.02	16	38	54
74.	कोझिकोड, केरल	18.05.02	21	70	91
75.	मेडिकल कालेज, कोझिकोड	21.05.02	21	53	74
76.	मेडिकल कालेज, कोझिकोड	25.05.02	43	81	124
77.	श्रीकृष्णापुरम, थ्रिसुर	28.05.02	149	169	318

क्र.	शिविर का स्थान	तिथि	पुरुष	स्त्री	कुल
78.	कझलमन्नम, थ्रिसुर	15.05.02	102	122	221
79.	गवर्नमेंट एल.पी.स्कूल, थ्रिसुर	18.05.02	108	175	283
80.	उटापालेम, थ्रिसुर	20.05.02	99	152	251
81.	मरुथोड पंचायत, थ्रिसुर	22.05.02	61	87	148
82.	नेनमारा, थ्रिसुर	23.05.02	69	79	148
83.	नन्नयोडु, तिरुवनन्तपुरम	25.05.02	20	18	38
84.	वेम्बयम, तिरुवनन्तपुरम	02.05.02	13	31	44
85.	अरुविक्करा, तिरुवनन्तपुरम	02.05.02	26	25	51
86.	वामनपुरम, तिरुवनन्तपुरम	04.05.02	24	16	40
87.	नन्नियोडु, तिरुवनन्तपुरम	07.05.02	21	32	53
88.	नेल्लनन्दु, तिरुवनन्तपुरम	09.05.02	40	50	90
89.	पंगोडु, तिरुवनन्तपुरम	14.05.02	42	66	108
90.	कोलाइल, तिरुवनन्तपुरम	16.05.02	45	53	98
91.	पुलम्परा, तिरुवनन्तपुरम	17.05.02	42	41	83
92.	अर्यनकोडु, तिरुवनन्तपुरम	21.05.02	14	09	23
93.	वेंगनूर, तिरुवनन्तपुरम	23.05.02	39	46	85
94.	अर्यनकोडु, तिरुवनन्तपुरम	25.05.02	15	15	30
95.	कल्लिकडु, तिरुवनन्तपुरम	29.05.02	98	74	172
96.	कल्लारा, तिरुवनन्तपुरम	30.05.02	26	32	58
97.	डी.डी.आर.सी., तिरुवनन्तपुरम	30.05.02	94		94
98.	पंगोडु, तिरुवनन्तपुरम	25.05.02	45	73	118
99.	निम्बर्गा पी.एच.सी., अलंद, गुलबर्गा	23.05.02	43	77	120
100.	शाहापुर, गुलबर्गा	15.06.02	137	103	240
101.	कल्लिकुडि, मधुमदुरै	24.06.02	48	79	127
102.	कयतर, थूतुकुडि	05.06.02	33	49	82
103.	कलुगुमलई, थुतुकुडि	21.06.02	29	59	88
104.	दिवस, भोपाल	24.06.02	31	103	134
105.	हर्दा, भोपाल	04.06.02	06	15	21
106.	सीतानगरम, विजयनगरम	14.06.02	358	275	633
107.	कोथवलस, विजयनगरम	15.06.02	303	343	646
108.	कोतपाडु, श्रीकाकुलम	16.06.03	210	246	456
109.	श्रीरामपुर, करीमनगर	21.06.02	217	197	414
110.	एल.एन.पेटा, श्रीकाकुलम	25.06.02	22	13	35
111.	अस्थि, वर्धा	11.06.02	45	67	112
112.	वणी, वर्धा	16.06.02	36	58	94
113.	महिदपुर, उज्जैन	12.06.02	02	08	10
114.	करोडिया, उज्जैन	31.05.02	30	40	70
115.	कनरडी, तराना, उज्जैन	03.06.02	15	30	45
116.	कनसिया, तराना, उज्जैन	06.06.02	37	64	101
117.	संत मेरी स्कूल, उज्जैन	24.06.02	55	137	192
118.	डी.डी.आर.सी. कोझिकोड	23.05.02	38	43	81

क्र.	शिविर का स्थान	तिथि	पुरुष	स्त्री	कुल
119.	कजरगोड, कोझिकोड	21.06.02	54	66	120
120.	मेडिकल कालेज, कोझिकोड	28.06.02	35	66	101
121.	मेडिकल कालेज, कोझिकोड	01.06.02	43	85	
122.	मेडिकल कालेज, कोझिकोड	04.06.02	35	74	109
123.	मेडिकल कालेज, कोझिकोड	11.06.02	35	69	104
124.	मेडिकल कालेज, कोझिकोड	15.06.02	30	61	91
125.	मेडिकल कालेज, कोझिकोड	18.06.02	39	45	84
126.	मेडिकल कालेज, कोझिकोड	22.06.02	33	48	81
127.	मेडिकल कालेज, कोझिकोड	25.06.02	23	59	82
128.	डी.डी.आर.सी. थ्रिसुर	29.06.02	33	46	79
129.	डी.डी.आर.सी., थ्रिसुर	27.06.02	42	55	97
130.	मणिक्कल, थिरुवनन्तपुरम	29.06.02	14	11	25
131.	कल्लारा, थिरुवनन्तपुरम	04.06.02	30	41	71
132.	मणिक्कल, थिरुवनन्तपुरम	06.06.02	44	58	102
133.	कल्लारा, थिरुवनन्तपुरम	11.06.02	27	23	50
134.	डी.डी.आर.सी. थिरुवनन्तपुरम	13.06.02	17	10	27
135.	वेलराडा, थिरुवनन्तपुरम	15.06.02	41	51	92
136.	बालविकास संस्थान, थिरुवनन्तपुरम	28.06.02	35	40	75
137.	ओटशेखरमंगलम, थिरुवनन्तपुरम	29.06.02	48	46	94
138.	गोगी पी.एच.सी., अलंद, गुलबर्गा	25.06.02	111	120	231
139.	दोरणली पी.एच.सी., अलंद, गुलबर्गा	06.07.02	112	167	279
140.	राजुपालेम, गुन्टुर	06.07.02	261	231	492
141.	पिडुगुराल्ला, गुन्टुर	07.07.02	355	344	699
142.	बद्वेल, कडपा	07.07.02	199	147	346
143.	इन्दकुरपेट, नेल्लुरु	19.07.02	95	65	160
144.	गंटियाडा, विजियनगरम	25.07.02	359	554	913
145.	चोडवरम, विजियनगरम	26.07.02	350	362	712
146.	पालकोन्डा, विशाखापट्नम	27.07.02	199	374	573
147.	पुदुर, थूतुकूडि	20.07.02	33	67	100
148.	नगलपुरम, थूतुकूडि	26.07.02	41	48	89
149.	मुवथुपुजा, थ्रिसुर	29.07.02	76	107	183
150.	वदुवकोड ब्लाक (ई.के.एम.) थ्रिसुर	19.07.02	49	57	106
151.	ए.डब्ल्यु.एच.डेफ स्कूल, थ्रिसुर	24.07.02	17	31	48
152.	डी.डी.आर.सी., कोझिकोड	26.07.02	42	111	153
153.	बालुसेरी ब्लाक, कोझिकोड	29.07.02	43	32	75
154.	बालुसेरी ब्लाक, कोझिकोड	16.07.02	55	57	112
155.	डी.डी.आर.सी, कोझिकोड	18.07.02	79	189	268
156.	मेडिकल कालेज, कोझिकोड	23.07.02	18	31	49
157.	मेडिकल कालेज, कोझिकोड	02.07.02	24	45	69
158.	मेडिकल कालेज, कोझिकोड	09.07.02	21	36	57
159.	मेडिकल कालेज, कोझिकोड	16.07.02	16	31	47

क्र.	शिविर का स्थान	तिथि	पुरुष	स्त्री	कुल
160.	मेडिकल कालेज, कोझिकोड	23.07.02	28	44	72
161.	सस्थमकोट्टा, तिरुवनन्तपुरम	30.07.02	48	115	163
162.	मनलोर, तिरुवनन्तपुरम	03.07.02	119	119	238
163.	मूकाम्बिका, तिरुवनन्तपुरम	04.07.02	65	93	158
164.	मनलोर, तिरुवनन्तपुरम	12.07.02	26	80	106
165.	डी.डी.आर.सी., तिरुवनन्तपुरम	15.07.02	34	70	104
166.	पेरुमालमलाई, मधुरई	17.07.02	24	27	51
167.	पाट, तराना, एफ.ओ.उज्जैन	13.07.02	09	18	27
168.	मकडोन, तराना, एफ.ओ.उज्जैन	08.07.02	11	17	28
169.	कयता, एसिस्टेंट तराना, उज्जैन	15.07.02	14	15	29
170.	आई.ई.डी. 1 एसिस्ट, उज्जैन	22.07.02	04	04	08
171.	आई.ई.डी. 2 एसिस्ट, उज्जैन	10.07.02	06	14	20
172.	आई.ई.डी. 3 एसिस्ट, उज्जैन	17.08.02	05	13	18
173.	आस्ती, वर्धा	24.08.02	16	34	50
174.	अर्वी, वर्धा	16.07.02	56	164	220
175.	दिवास, भोपाल	21.07.02	10	42	52
176.	दोलरिया, भोपाल	05.07.02	39	66	105
177.	सावंगी, भोपाल	19.07.02	101	185	286
178.	वाडेगेरा, पी.एच.सी., गुलबर्गा	27.07.02	104	133	237
179.	यादगिरि, गुलबर्गा	16.08.02	210	269	479
180.	तरुवाईकुलम, थूतुकुडी	23.08.02	18	14	32
181.	केविलपट्टी, थूतुकुडी	29.08.02	50	73	123
182.	पुलगांव, वर्धा	31.08.02	18	39	57
183.	डी.डी.आर.सी., वर्धा	11.08.02	06	16	22
184.	हर्धा, भोपाल	24.08.02	12	44	56
185.	सावंगी, भोपाल	20.08.02	23	47	70
186.	कल्लिकुडी, मधुरइ	23.08.02	35	40	75
187.	कच्चकटी, मधुरइ	14.08.02	30	28	58
188.	मेलनटचिकुलम, मधुरइ	22.08.02	20	19	39
189.	पैडिपर्रु, प.गोदावरी	17.08.02	146	98	244
190.	सारवकोटा, श्रीकाकुलम	13.08.02	142	205	347
191.	पाचीपेंटा, विजियनगरम	14.08.02	189	441	630
192.	पालकोल्लु, प.गोदावरी	31.08.02	76	41	117
193.	आई.ई.डी. 4 एसिस्ट. शिविर, उज्जैन	24.08.02	33	65	98
194.	आई.ई.डी. 5 एसिस्ट शिविर, उज्जैन	31.07.02	01	06	07
195.	आई.ई.डी. 6 एसिस्ट शिविर, उज्जैन	07.08.02	02	05	07
196.	वी.एच.एसिस्ट शिविर, उज्जैन	14.08.02	60	40	100
197.	आर्यनकोडु, तिरुवनन्तपुरम	25.08.02	44	49	93
198.	चावमरा, तिरुवनन्तपुरम	05.08.02	34	65	99
199.	कल्लियुर, तिरुवनन्तपुरम	26.08.02	49	61	110
200.	पट्टम्बी, थ्रिसुर	31.08.02	33	30	63

क्र.	शिविर का स्थान	तिथि	पुरुष	स्त्री	कुल
201.	उरुमान्यूर पंच, थ्रिसुर	17.08.02	35	49	84
202.	आशाकिरण स्पेशल स्कूल, कोझिकोड	31.08.02	35	105	140
203.	माडवूर पंच, थ्रिसुर	08.08.02	63	72	135
204.	क्विलैंडी मुनिसिपालिटी, कोझिकोड	16.08.02	85	77	162
205.	डी.डी.आर.सी.कोझिकोड	19.08.02	132	172	304
206.	मेडिकल कैम्पस, कोझिकोड	23.08.02	33	43	76
207.	मेडिकल कालेज, कोझिकोड	13.08.02	23	34	57
208.	पंचायत अफजलपुर, गुलबर्गा	31.08.02	08	20	28
209.	कटारिमंगलम, थूतुकुडी	04.09.02	34	54	88
210.	विलिचेरी, थूतुकूडी	20.09.02	19	25	44
211.	वणी, वर्धा	23.09.02	15	10	25
212.	हिनगनघाट, वर्धा	16.09.02	17	59	76
213.	रतलाम, भोपाल	29.09.02	35	90	125
214.	सिधि, भोपाल	06.09.02	199	466	665
215.	शिवगंगई, मधुरइ	13.09.02	153	241	394
216.	एम.पुलियनकुलम, मधुरइ	14.09.02	31	47	78
217.	केश्वल, तरना, उज्जैन	28.09.02	28	33	61
218.	कणासिया, तरना, उज्जैन	01.09.02	20	46	66
219.	तरना, उज्जैन	06.09.02	07	21	28
220.	लिम्बदित, उज्जैन	08.09.02	06	10	16
221.	रतलाम, उज्जैन	13.09.02	22	68	90
222.	सुसनेर, साजापुर, उज्जैन	06.09.02	120	130	250
223.	पंडलम, तिरुवनन्तपुरम	15.09.02	40	91	131
224.	कुन्दरा, तिरुवनन्तपुरम	12.09.02	31	68	99
225.	पंडलम तेक्केकरा पंचायत, तिरुवनन्तपुरम	15.09.02	29	37	66
226.	प्रवुर (ई.के.एम.) थ्रिसुर	19.09.02	48	26	74
227.	वैपिन (ई.के.एम.) थ्रिसुर	20.09.02	46	81	127
228.	एर्नाकुलम थ्रिसुर	23.09.02	20	81	101
229.	थिरुवमपाडी, कोझिकोड	27.09.02	32	110	142
230.	मंकडा, कोझिकोड	21.09.02	40	111	151
231.	मेडिकल कालेज, कोझिकोड	27.09.02	26	45	71
232.	मेडिकल कालेज, कोझिकोड	03.09.02	19	28	47
233.	मेडिकल कालेज, कोझिकोड	10.09.02	12	39	51
234.	मेडिकल कालेज, कोझिकोड	17.09.02	24	30	54
235.	डोलारिया, भोपाल	24.09.02	164	225	389
236.	रतलाम, भोपाल	28.06.02	4	9	13
237.	सिधि, भोपाल	04.10.02	96	194	290
238.	डी.डी.आर.सी., उज्जैन	11.10.02	5	14	19
239.	अफजलपुर ता., सुलेपेट, गुलबर्गा		22	33	55
240.	चिन्चोली ता. गुलबर्गा	19.10.02	13	14	27
241.	चंदापुर, गुलबर्गा	21.10.02	10	13	23

क्र.	शिविर का स्थान	तिथि	पुरुष	स्त्री	कुल
242.	चंदापुर, गुलबर्गा	22.10.02	16	12	28
243.	चंदापुर, गुलबर्गा	24.10.02	19	30	49
244.	चंदापुर, गुलबर्गा	26.10.02	12	24	36
245.	चंदापुर, गुलबर्गा	28.10.02	13	29	42
246.	चंदापुर, गुलबर्गा	28.10.02	12	12	24
247.	चंदापुर, गुलबर्गा	29.10.02	8	7	15
248.	उट्नूर, आदिलाबाद	11.10.02	239	138	377
249.	मेडिकल कालेज, कोझिकोड	31.10.02	12	16	28
250.	मेडिकल कालेज, कोझिकोड	01.10.02	12	16	28
251.	मेडिकल कालेज, कोझिकोड	08.10.02	16	36	52
252.	रतलाम, उज्जैन	29.10.02	06	34	40
253.	नगडा, उज्जैन	04.10.02	42	69	111
254.	महिदपुर, उज्जैन	17.10.02	34	71	105
255.	तरना, उज्जैन	18.10.02	44	74	118
256.	डी.डी.आर.सी, उज्जैन	19.10.02	10	46	56
257.	अर्वी, वर्धा	11.10.02	25	42	67
258.	डी.डी.आर.सी., वर्धा	24.10.02	45	80	125
259.	कोर्बी, भोपाल	29.10.02	67	156	223
260.	कन्नुड, कोझिकोड	18.10.02	55	112	167
261.	कूदरही, कोझिकोड	02.10.02	44	112	156
262.	कलिकुडी, मदुरै	12.10.02	20	26	46
263.	टी.कलुपट्टी, मदुरै	14.10.02	102	119	221
264.	रिजर्व लैन, मदुरै	20.10.02	16	22	38
265.	गोरिपालयम, मदुरै	22.10.02	26	22	48
266.	तिरुपवनम, मदुरै	28.10.02	57	67	124
267.	आऴवारथिरुनगरि, थूतुकुडी	11.10.02	19	37	56
268.	वडटुपरा, थ्रिसुर	24.10.02	117	125	242
269.	नेलिकुजि पंचायत, थ्रिसुर	19.10.02	58	91	149
270.	डी.डी.आर.सी., थ्रिसुर	25.10.02	19	24	43
271.	डी.डी.आर.सी., थ्रिसुर	09.10.02	15	15	30
272.	एराविपेरु, तिरुवनन्तपुरम	11.10.02	50	80	130
273.	नेयतिन्कऱा, तिरुवनन्तपुरम	11.10.02	53	112	165
274.	करिमकुलम, तिरुवनन्तपुरम	19.10.02	70	79	149
275.	वेंगनूर, तिरुवनन्तपुरम	24.10.02	65	63	128
276.	शिरसागर, उज्जैन	29.10.02	115	422	537
277.	कछरोड, उज्जैन	02.10.02	79	206	285
278.	नगडा, उज्जैन	07.10.02	42	111	153
279.	महिदपुर, उज्जैन	08.10.02	05	31	36
280.	तरना, उज्जैन	09.10.02	10	46	56
281.	बदनगर, उज्जैन	11.10.02	06	27	33
282.	अर्वी, उज्जैन	23.10.02	25	42	67
283.	डी.डी.आर.सी., वर्धा	24.10.02	45	80	125

क्र.	शिविर का स्थान	तिथि	पुरुष	स्त्री	कुल
284.	कोर्बा, भोपाल	29.09.02	26	72	98
285.	लखनाडावन, भोपाल	08.11.02	170	264	434
286.	बालाघाट, भोपाल	19.11.02	127	246	373
287.	सैटेलैट सेंटर, चिंचोली, गुलबर्गा	29.11.02	07	11	18
288.	उमासेरी, कोझिकोड	26.11.02	77	104	181
289.	मेडिकल कालेज, कोझिकोड	01.11.02	20	49	69
290.	मेडिकल कालेज, कोझिकोड	05.11.02	17	48	65
291.	मेडिकल कालेज, कोझिकोड	12.11.02	10	36	46
292.	मेडिकल कालेज, कोझिकोड	19.11.02	22	31	53
293.	सोलाईलगोपुरम, मदुरै	26.11.02	16	18	34
294.	बोद्धम, श्रीकाकुलम	30.11.02	153	108	261
295.	जोगीपेट, मेदक	09.11.02	586	363	949
296.	कोल्लन्दकोड, थ्रिसुर	21.11.02	11	22	33
297.	नेनमारा, थ्रिसुर	06.11.02	12	14	26
298.	उटपालेम, थ्रिसुर	07.11.02	04	17	21
299.	कुझलमनम, थ्रिसुर	14.11.02	02	09	11
300.	डी.डी.आर.सी, थ्रिसुर	18.11.02	16	27	43
301.	डी.डी.आर.सी, थ्रिसुर	22.11.02	19	35	54
302.	डी.डी.आर.सी, थ्रिसुर	13.11.02	24	34	58
303.	डी.डी.आर.सी, थ्रिसुर	20.11.02	34	47	81
304.	परसाइया, तिरुवनन्तपुरम	27.11.02	55	62	117
305.	अबसियावाडा, उज्जैन	02.11.02	79	92	171
306.	बटपछियानास, उज्जैन	22.11.02	06	70	76
307.	डी.डी.आर.सी, वर्धा	25.11.02	10	14	24
308.	लखनादावन, भोपाल	29.11.02	170	264	434
309.	बालाघाट, भोपाल	19.11.02	127	246	373
310.	जेवरर्गी, गुलबर्गा	29.11.02	05	06	11
311.	गडिकेश्वर, गुलबर्गा	07.11.02	04	10	14
312.	मंडेवाई, गुलबर्गा	11.11.02	06	09	15
313.	वीरापान्डियापट्टिनम, थूतुकूडी	11.11.02	02	10	12
314.	नाजेरेथ, थूतुकूडी	19.11.02	06	16	22
315.	पेरियाथलइ, थूतुकूडी	23.11.02	07	06	13
316.	कायलपट्टिणम, थूतुकूडी	26.11.02	13	01	14
317.	चेन्नकोट्टपल्ली, अनन्तपुर	22.12.02	103	51	154
318.	कोटबोम्मली, श्रीकाकुलम	21.12.02	182	140	322
319.	डी.डी.आर.सी., थूतुकुडी	18.12.02	04	04	08
320.	साथानकुलम, थूतुकुडी	17.12.02	18	33	51
321.	वेम्बर, थूतुकुडी	30.01.03	06	07	13
322.	सैदापुर, गुलबर्गा	10.01.03	91	76	167
323.	इसमैलपुरम, मदुरै	09.01.03	38	16	54
324.	थेरुवसल, मदुरै	29.01.03	17	12	29
325.	कोडन्गी पंचायत, थ्रिसुर	18.01.03	61	25	86

क्र.	शिविर का स्थान	तिथि	पुरुष	स्त्री	कुल
326.	पंजल पंचायत, थ्रिसुर	27.01.03	55	31	86
327.	कोट्टरक्करा, तिरुवनन्तपुरम	28.01.03	11	21	32
328.	सेवान्जली स्कूल, उज्जैन	28.01.03	36	23	59
329.	सेदुन्गनुलूर, थूतुकूडी	31.01.03	02	08	10
330.	गुरमिथकल, गुलबर्गा	15.02.03	165	140	305
331.	कोइलन्डी, कोझिकोड	08.02.03	68	51	119
332.	एडचरी, कोझिकोड	20.02.03	50	37	87
333.	वणिमेल, कोझिकोड	27.02.03	57	50	107
334.	कीरादुरइ, मदुरै	18.02.03	33	18	51
335.	सेल्लुर, मदुरै	26.02.03	54	23	77
336.	के.पुदुर, मदुरै	27.02.03	37	22	59
337.	रामबिलि, मदुरै	03.02.03	176	74	250
338.	पोंडुरु, श्रीकाकुलम	04.02.03	236	114	350
339.	रेनिगुन्टा, चित्तूर	21.02.03	179	158	337
340.	रूरल तिरुपति, चित्तूर	22.02.03	247	102	349
341.	बिरकुर, निजामाबाद	27.02.03	132	116	248
342.	कोथमंगलम ब्लाक, थ्रिसुर	01.02.03	37	26	63
343.	वरवो पंचायत, थ्रिसुर	03.02.03	113	70	183
344.	पेरिन्जनम पंचायत, थ्रिसुर	05.02.03	96	53	149
345.	तिरुविल्लमला पझयन्नुर, थ्रिसुर	07.02.03	37	38	75
346.	पालक्कड, थ्रिसुर	14.02.03	55	58	113
347.	ओटपालेम, थ्रिसुर	21.02.03	68	44	112
348.	कडुनगल्लुर, अलगन्द ब्लाक, थ्रिसुर	26.02.03	85	62	147
349.	डी.डी.आर.सी, थ्रिसुर	18.02.03	18	10	28
350.	डी.डी.आर.सी, थ्रिसुर	27.02.03	24	10	34
351.	वेल्लनाड, तिरुवनन्तपुरम	22.02.03	56	54	110
352.	पूजापुरा, तिरुवनन्तपुरम	28.02.03	13	29	42
353.	अम्बोडिया, उज्जैन	12.02.03	14	111	25
354.	मदर मेरी स्कूल, उज्जैन	20.02.03	1	3	4
355.	करुन्गुलुम, थूतुकुडी	24.02.03	05	10	15
356.	अक्नायाकनपाटी, थूतुकूडी	28.02.03	11	07	18
357.	ओट्टपिदरम, थूतुकुडी	28.03.03	05	02	07
358.	राजपुर, भोपाल	21.03.03	36	10	46
359.	तोरनटिप्पा, यादगिर ता., गुलबर्गा	21.03.03	134	57	191
360.	पूरमेरी पंचायत, गुलबर्गा	06.03.03	36	27	63
361.	अझियुर पंचायत, गुलबर्गा	26.03.03	42	19	61
362.	कोरुमिल्ली, प.गोदावरी	23.03.03	203	128	331
363.	पेरिन्जनम पंचायत, थ्रिसुर	08.03.03	11	15	26
364.	नार्थ बी.आर.सी., तिरुवनन्तपुरम	07.03.03	57	30	87
365.	दत्तापुर, वर्धा	08.03.03	97	87	184
	कुल		19756	25550	45306

अनुबंध - V

पूरी की गई अनुसंधान परियोजनाएँ
(पिछले 17 वर्षों में)

- ए माडल आफ सर्वीसेस फार प्री-स्कूल हैंडिकैप्ड चिल्ड्रन इन रूरल एरियास-यु.एस.फंडेड
- एर्ली इन्टरवेन्शन टु आई.यु.जी.आर. चिल्ड्रन एट रिस्क फर डेवलपमेंटल डिले-यु.एस.फंडेड
- डेवलपमेंट आफ मेटीरियल फर क्रियेशन आफ एवेरनेस इन द पेरेन्ट्स आफ मेंटली हैंडीकैप्ड पर्सन्स एन्ड इन द कम्युनिटी - युनिसेफ फंडेड
- डेवलपमेंट आफ ट्रैनिंग मेटीरियल फर वर्कर्स इन रूरल एरियास - युनिसेफ फंडेड
- स्क्रीनिंग आफ प्री स्कूल चिल्ड्रन फर एर्ली अईडेन्टिफिकेशन आफ मेंटली हैंडीकैप्ड- युनिसेफ फंडेड
- डेवलपमेंट आफ मेटीरियल्स फर स्किल ट्रैनिंग इन द मेंटली रिटार्डेड पर्सन्स-युनिसेफ फंडेड
- स्ट्रैटजीस फर एक्स्टेन्डिंग सर्वीसेस फार पर्सन्नस वित मेंटली रिटार्डेशन-युनिसेफ फंडे
- एप्लिकेशन आफ बिहेवियर माडिफिकेशन टेकनीक इन चिल्ड्रन वित मेंटल रिटार्डेशन - युनिसेफ फंडेड
- डेवलपमेंट आफ कम्युनिकेशन स्किल्स इन चिल्ड्रन वित मेंटल रिटार्डेशन - युनिसेफ फंडेड
- डेवलपमेंट आफ लैंग्वेज एसेसमेंट टूल
- प्रिवलेन्स आफ मेंटल रिटार्डेशन इन अर्बन स्लम्स्
- प्ले एक्टिविटीज फर पर्सन्नस वित मेंटल रिटार्डेशन
- डेवलपमेंट आफ सर्वीसेस थ्रु इटिनरेंट सर्वीस मोडल
- डेवलपमेंट आफ लो कास्ट रिसोर्स मेटीरियल फर इन्डिविजुवलस वित मेंटल रिटार्डेशन
- स्ट्रेन्थेनिंग फैमिलीज हैविंग चिल्ड्रन वित मेंटल रिटार्डेशन
- डेवलपमेंट आफ कम्प्युटर एसिस्टेड इन्स्ट्रक्शन फर टीचिंग एरिथमेटिक एन्ड रीडिंग स्किल्स फर चिल्ड्रन वित मेंटल रिटार्डेशन
- मल्टी सेन्टर्ड प्रोजेक्ट आन एर्ली इन्टरवेन्शन
- मल्टी सेन्टर्ड प्रोजेक्ट आन वोकेशनल ट्रैनिंग कम प्रोडक्शन सेन्टर्स
- डेवलपमेंट आफ ग्रेड लेवेल एसेसमेंट डिवाइज फर चिल्ड्रन वित लर्निंग प्रोब्लम्स इन स्कूल्स - आई.सी.एस.एस.आर. फन्डेड

2001-02

- डेवलपमेंट आफ मेटीरियल्ज फर ट्रैन्सिशन फ्रम स्कूल टु वर्क
- ट्रेनिंग इन कम्युनिकेशन इन पर्सन्स वित मेंटल रिटार्डेशन
- प्रिपरेशन आफ ट्रैनिंग पैकेजेस फर एर्ली चैइल्डहुड स्पेशल एजुकेशन
- फंक्शनल एकडमिक्स थ्रु कम्प्युटर टेक्नालजी फर पर्सन्स वित मेंटल रिटार्डेशन - एस.एन्ड.टी. मिशन मोड फंडेड
- डेवलपमेंट आफ माड्युल्ज फर ग्रैस रूट लेवेल फंक्शनरीज आन प्रिवेन्शन, एर्ली डिटेक्शन आफ चैइल्डहुड डिसबिलिटीज
- प्रोजेक्ट आन एवेरनेस आन चैइल्डहुड डिसबिलिटीज, प्रिवेन्शन, एर्ली डिटेक्शन एन्ड रेफरल।

2002-03

- फैमिली इन्टरवेन्शन एन्ड सपोर्ट प्रोग्राम्स फर पर्सन्स वित मेंटल रिटार्डेशन - यु.एस.इन्डिया रूपी फंड
- इन्डिपेंडेंट ड्रेसिंग फर पर्सन्स विद मेंटल रिटार्डेशन
- ए स्टडी आफ ह्युमन रिसोर्स डेवलपमेंट इन नार्थ ईस्ट रीजन इन द फील्ड आफ मेंटल रिटार्डेशन
- प्रिपरेशन आफ लो कास्ट स्टिम्युलेशन मेटीरियल फार ओवराल डेवलपमेंट आफ रूरल इन्फैन्ट्स एन्ड टाडलर्स्
- एडैप्टेशन इन गेइट ट्रेनिंग
- एडैप्टेशन्स फार ट्रैनिंग चिल्ड्रन वित मेंटल रिटार्डेशन फर इन्डिपेंडेंट लिविंग
- डेवलपमेंट आफ टीचिंग एन्ड ट्रैनिन्ग मेटीरियल आन फिजियोथिरेपी
- ड्रूल कन्ट्रोल एन्ड टंग थ्रस्ट थिरेपी
- एवेरनेस मेटीरियल आन एम्प्लायमेंट आफ पर्सन्स वित मेंटल रिटार्डेशन
- पोजिशनिंग एन्ड स्टिम्युलेटिंग एक्टिविटीज फार इन्फैन्ट्स् एन्ड यंग चिल्ड्रन

महापरिषद् के सदस्यों की सूची

1. श्री सी.गोपाल रेड्डी — अध्यक्ष
   सचिव, भारत सरकार
   सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110 001

2. श्रीमति राजवंत संधू
   संयुक्त सचिव
   सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110 001

3. श्री निरंजन पंत
   वित्तीय सलाहकार, भारत सरकार
   सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110 001

4. रोजगार एवं प्रशिक्षण के महा निदेशक
   श्रम मंत्रालय ,श्रमशक्ति भवन, नई दिल्ली 110 001

5. श्री पी.भगवन्त राव
   5-2-512, पुराना उस्मानगंज
   रिसाला अब्दुल्लाह, हैदराबाद 500 195

6. श्री तारा चन्द शर्मा
   सोशल वर्कर, इन्द्रपुरी, सेठी नगर, उज्जैन

7. श्री गुरु सिद्दे गौडा
   सोशल वर्कर
   गंगासान्द्र विलेज, तुमकुर तालुक,तुमकुर, कर्नाटक

8. श्री रमेश साठे
   सोशल वर्कर, नारंग काम्प्लेक्स के पीछे, फ्रीगंज, उज्जैन

9. 9. श्रीमति राधा रेड्डी — 20.1.2003 से
   केयर आफ विवेक अस्पताल
   17-2-549, कर्मागुडा, सैदाबाद, हैदराबाद

10. संयुक्त सचिव
    शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110001

11. संयुक्त सचिव भारत सरकार
    स्वस्थ्य विभाग, स्वस्थ्य तथा परिवार कल्याण मंत्रालय,
    निर्माण भवन, नई दिल्ली 110 001

12. मुख्य सचिव, आँध्रप्रदेश सरकार
    चिकित्सा एवं स्वस्थ्य विभाग
    सचिवालय, एच ब्लाक, प्रथम तल, हैदराबाद 500 001

13. मुख्य सचिव, आँध्रप्रदेश सरकार
    महिला विकास एवं शिशु कल्याण
    सचिवालय, एच.ब्लाक, निचला तल, रुम नं.27, हैदराबाद - 22

14. डॉ. एल.गोविन्द राव — सदस्य - सचिव
    निदेशक, एन.आई.एम.एच., सिकंदराबाद

कार्यकारिणी परिषद् के सदस्यों की सूची

1.	श्रीमति राजवंत संधू संयुक्त सचिव भारत सरकार, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110 001	अध्यक्ष
2.	श्री निरंजन पंत वित्तीय सलाहकार, भारत सरकार सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110 001	
3.	प्रोफेसर के.के.सिंह 431, हवा सिंह ब्लाक आजाद गाँव खेलगाँव मार्ग नई दिल्ली 110 049	03.09.2002 तक
4.	श्री टी.के.नन्द कुमार प्रथम तल, नन्दनम 33, वेन्कटनारायण रोड पोस्ट बाक्स 3388, चेन्नई 600 035	04.09.2002 से
5.	स्वामी विस्वनाथानन्दा महा सचिव विवेकानन्द मिशन आश्रम पोस्ट चैतन्यापुर, हल्दिया मिद्नापुर जिला प.बंगाल 721 645	04.09.2002 से
6.	डॉ. एल.गोविन्द राव निदेशक एन.आई.एम.एच, सिकंदराबाद	सदस्य-सचिव

शैक्षणिक समिति के सदस्यों की सूची

1. डा.प्रतिभा सिंघी, अतिरिक्त आचार्य
पीडियाट्रिक विभाग
पोस्ट ग्रैजुएट इन्स्टिट्यूट आफ मेडिकल एजुकेशन एन्ड रीसर्च
चंडीगढ़ 160 012

2. डा.लीना कश्यप
अध्यक्ष, परिवार एवं बाल कल्याण विभाग
टाटा इन्स्टिट्यूट आफ सोशल साईन्सेस
पोस्ट बाक्स नं.8313, सियोन ट्राम्बे रोड
दियोनार, मुम्बई 400088

3. प्रोफेसर पी.जयचन्द्रन, प्रधानाचार्य
बालविहार ट्रेनिन्ग स्कूल
हाल्स रोड, किलपाक, चेन्नई 600 010

4. प्रोफेसर के.सी.पाण्डा
छायात्तरु,
डी.-25, मैत्रीविहार, चन्द्रसेखरपुर
भुबनेश्वर 751 023

5. प्रोफेसर मालविका कपूर, अतिरिक्त प्रोफेसर
मनोविज्ञान विभाग
नेशनल इन्स्टिट्यूट आफ मेंटल हेल्थ एन्ड न्यूरो साइन्सेस
पी.बी.न. 2900, बैंगलूर 560 029

6. प्रोफेसर एम.जयराम, निदेशक
आल इन्डिया इन्स्टिट्यूट आफ स्पीच एन्ड हियरिन्ग
मानसागंगोत्री, मैसूर 570 006

7. डा.बी.डी.अथानी, निदेशक,
आल इन्डिया इनस्टिट्यूट आफ फिजिकल मेडिसिन एन्ड रिहैबिलिटेशन
हाजी आली पार्क, क.खाड्या मार्ग, महालक्ष्मि,
मुम्बई 400 034

8. प्रोफेसर वाई.वाईकुन्टम,
दि डीन
फैकल्टी आफ सोशल साइन्सेस
उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद 500 007

9. डॉ. एल.गोविन्द राव
निदेशक
एन.आई.एम.एच., सिकंदराबाद-500 009

एथिक्स समिति के सदस्यों की सूची

1. श्री पी.लक्ष्मण रेड्डी
   निदेशक
   ए.पी.जुडिशियल अकादमी
   सिटी सिविल कोर्ट काम्पौन्ड
   सिकंदराबाद 500 003

2. डॉ.बी.सिव कुमार
   उपनिदेशक (सी.ग्रे)
   नेशनल इन्स्टिट्यूट आफ न्यूट्रिशन
   तारनाका
   हैदराबाद 500 007

3. डॉ. एल.गोविन्द राव
   निदेशक
   एन.आई.एम.एच,
   सिकंदराबाद

4. डॉ.जयन्ती नारायण
   अध्यक्ष, विशेष शिक्षा विभाग
   एन.आई.एम.एच.,
   सिकंदराबाद 500 009